शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 11 जुलाई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-190

पाकिस्तान का साथ देने का खामियाजा भुगत रहा तुर्की

ब्रिक्स संगठन का सदस्य नहीं बन सका तुर्की

तुर्की पाकिस्तान का साथ देने का खामियाजा भुगत रहा है। भारत के कड़े विरोध के कारण ब्रिक्स देशों के संगठन का सदस्य बनने का तुर्की का सपना धराशाई हो गया। तुर्की के ब्रिक्स संगठन का सदस्य बनने के प्रयास का चीन ने भी विरोध किया था। चीन के अंदरूनी मामले में तुर्की के हस्तक्षेप को लेकर चीन लगातार तुर्की का विरोध कर रहा है। इस तरह भारत और चीन ने तुर्की के ब्रिक्स का सदस्य बनने का सपना मिट्टी में मिला दिया।

एक तरफ आतंकवाद का समर्थन और दूसरी तरफ आधुनिक विकास की दिशा में बढ़ रहे देशों के समूह में शामिल होने की खलीफा बनने की चाहत वाले तुर्की या तुर्किये की विरोधाभासी धराशाई हो गई। तुर्की पाकिस्तान के साथ भी मिला था और चीन के उइगुर अलगाववादियों को भी हवा दे रहा था। बस, भारत और चीन ने मिल कर उसे निपटा दिया। तुर्की ने पिछले साल ही ब्रिक्स का सदस्य बनने के लिए औपचारिक रूप से आवेदन किया था। हालांकि, उस समय उसे पार्टनर देश का दर्जा जरूर दे दिया गया था, लेकिन उसे सदस्य बनने से आखिरकार रोक दिया गया।

विश्व की बड़ी अर्थव्यस्थाओं के समूह ब्रिक्स की 2025 की शिखर बैठक 6-7 जुलाई को ब्राजील के रियो डी जनेरियो शहर में आयोजित हुई। इसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के साथ-साथ नए शामिल हुए सदस्य देशों ने भी हिस्सा लिया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस बैठक में शामिल हुए। हालांकि इस बार चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग कुछ अज्ञात कारणों से ब्रिक्स समिट में शरीक नहीं हो पाए। इस बार की बैठक में आतंकवाद समेत तमाम मुद्दों पर बात हुई। लेकिन तुर्की की सदस्यता पर कोई बात नहीं हुई। उम्मीद की जा रही थी कि 2025 की शिखर बैठक में तुर्की को पूर्ण सदस्य का दर्जा प्राप्त हो जाएगा। लेकिन उसके आवेदन पर

कोई फैसला नहीं लिया गया। अब भी उसकी हैसियत बस पार्टनर देश तक ही सीमित है।

भारत के कड़े विरोध पर धराशाई हो गया तुर्की का सपना

तुर्की के सदस्य न बन पाने के पीछे भारत और चीन थे। भारत और चीन तुर्की को ब्रिक्स सदस्य बनाने के पक्ष में नहीं हैं। दोनों देशों की आपत्तियां अलग-अलग हैं। चीन तुर्की की ब्रिक्स सदस्यता का विरोध इसलिए कर रहा है क्योंकि उसके आपसी रिश्तों में कुछ मतभेद हैं। ब्रिक्स का विस्तार धीरे-धीरे हो रहा है और नए सदस्य जोड़ने से पहले सभी मौजूदा सदस्य देशों की सहमति जरूरी होती है। चीन और भारत ब्रिक्स के संस्थापक सदस्य हैं। यदि वह सहमत नहीं होते तो तुर्की को कभी भी इसकी सदस्यता नहीं मिल सकती।

भारत और तुर्की के रिश्ते हाल के वर्षों में अच्छे नहीं रहे हैं। भारत, तुर्की की ब्रिक्स सदस्यता का विरोध इसीलिए कर रहा है क्योंकि वह लगातार पाकिस्तान के पक्ष में खड़ा है। हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी तुर्की ने खुले तौर पर पाकिस्तान का समर्थन किया था। तुर्की ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा भी नहीं की थी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी मंत्री शाहबाज शरीफ और आर्दोआन की मुलाक़ात भी हुई थी, जहां दोनों ने एक दूसरे के लिए काफी मीठी-मीठी बातें की थी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी तुर्की ने पाकिस्तान को अस्त्र-शस्त्र देकर भी मजबूत किया था। पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के खिलाफ जो ड्रोन इस्तेमाल किए थे, वह तुर्की के ही थे। इसने भारत के लिए सुरक्षा खतरे भी खड़े किए थे। इसके अलावा कश्मीर मुद्दे पर भी तुर्की हमेशा पाकिस्तान के ही पक्ष में खड़ा रहा है। राष्ट्रपति एर्दोआन ने कई बार भारत के खिलाफ बयान दिए हैं।

भारत ने न केवल तुर्की की ब्रिक्स सदस्यता का विरोध किया है, बल्कि तुर्की के खिलाफ सख्त कदम भी उठाए हैं। भारत के एयरपोर्ट पर सेवाएं देने वाली तुर्की की कंपनी के सुरक्षा मंजूरी को रद्द कर दिया। भारत में तुर्की के सामानों का बहिष्कार भी किया जा रहा है। ब्रिक्स में तुर्की की एंट्री पर भारत के अलावा दूसरा वीटो चीन का रहा है। तुर्की सरकार ने कई बार चीन के शिनजियांग प्रांत में रहने वाले उइगुरों मुसलमानों के मानवाधिकारों के उल्लंघन पर चिंता जता कर अलगाववागी उइगुर मुसलमानों को चीन के खिलाफ उकसाने की कोशिश की है। इससे चीन को यह लगता है कि तुर्की उसकी आंतरिक नीतियों में हस्तक्षेप कर रहा है। चीन यह भी मानता है कि तुर्की उइगुर अलगाववादियों को समर्थन देता है, जो उसकी एकता और सुरक्षा के लिए खतरा है। तुर्की ने 2019 और 2021 में संयुक्त राष्ट्र मंच पर भी चीन की नीतियों की आलोचना की थी और उइगुरों के अधिकारों की रक्षा की मांग की थी। तुर्की ने कई बार चीन छोड़ कर भागे उइगुरों को अपने देश में शरण देकर भी चीन को चिढ़ाने का काम किया है। इस रुख से चीन लगातार तुर्की के खिलाफ रहा है और उसे अपने साथ मंच साझा नहीं करने देना चाहता है। इसके अलावा, तुर्की सैन्य गठबंधन नाटो का हिस्सा है जो अमेरिकी अगुवाई वाला है। चीन यह कतई बर्दाश्त नहीं कर सकता कि कोई नाटो सदस्य देश उसके बराबर शक्ति किसी संगठन में पाए। ▶10 पर

ताकि कोई गैर-नागरिक देश का वोटर न बन जाए

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। तमाम आरोप-प्रत्यारोप, संशय और सियासी शोर के बीच शीर्ष अदालत ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेसिव रिवीजन) पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया। चुनाव आयोग ने चुनाव आयोग के वोटर लिस्ट रिवीजन प्रक्रिया रोके जाने के समय को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए।

चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सुधांशु धूलिया और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि आपकी (ईसीआई) कवायद समस्या नहीं है, समस्या समय की है। बिहार में एसआईआर को नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनावों से क्यों जोड़ा जा रहा है? यह चुनावों से इतर क्यों नहीं हो सकता? जस्टिस धूलिया ने कहा कि मतदाता सूची को गहन प्रक्रिया के माध्यम से सही करने में कुछ भी गलत नहीं है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि गैर-नागरिकों का नाम मतदाता सूची में न रह जाए। ▶10 पर

बिहार में मतदाता सूची के संशोधन पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर

वोटर लिस्ट के रिवीजन का काम जारी रहेगा

नई दिल्ली/पटना, 10 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में चुनाव आयोग द्वारा की जा रही मतदाता सूची की जांच और सुधार की प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट ने उचित ठहराया है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि वोटर लिस्ट का रिवीजन करना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी के साथ इस पूरी प्रक्रिया के खिलाफ कोई भी अंतरिम रोक लगाने से मना कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले को 28 जुलाई को सुनेगा और तब तक चुनाव आयोग इस मामले में और जानकारियां कोर्ट के सामने रखे। इस तरह सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में चुनाव आयोग की वोटर लिस्ट रिवीजन प्रक्रिया को रोकने से इन्कार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यह करना चुनाव आयोग का अधिकार है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमलय बांग्ला की बेंच ने गुरुवार 10 जुलाई को इस मामले में दाखिल याचिकाओं की सुनवाई की। सुप्रीम

- संशोधन रोकने को लेकर दाखिल हुई याचिकाएं खारिज
- यह करना चुनाव आयोग का अधिकार है : सुप्रीम कोर्ट
- पूरे देश में बिहार-मॉडल को लागू करेगा चुनाव आयोग
- हर एक घुसपैठिया वोटर लिस्ट से बाहर होगा: सीईसी

कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं के इस दावे को सिरे से खारिज किया कि चुनाव आयोग यह प्रक्रिया नहीं कर सकता है और उसके पास यह अधिकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वोटर लिस्ट का रिवीजन करना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी के साथ इस पूरी प्रक्रिया के खिलाफ कोई भी अंतरिम रोक लगाने से मना कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले को 28 जुलाई को सुनेगा और तब तक चुनाव आयोग इस मामले में और जानकारियां कोर्ट के सामने रखे। सुप्रीम कोर्ट ने इसी सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग से कहा कि वह यह पूरी प्रक्रिया चुनाव से कुछ ही महीने पहले क्यों कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इसके अलावा चुनाव आयोग के आधार कार्ड के दस्तावेज के रूप में स्वीकार न करने के फैसले पर भी प्रश्न उठाए हैं। चुनाव आयोग से सुप्रीम कोर्ट ने पहचान के प्रमाण के रूप में आधार और राशन कार्ड को लेने पर विचार करने को कहा है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने तीन बातों पर चुनाव आयोग से जवाब दाखिल करने को कहा है। चुनाव आयोग की प्रक्रिया इस बीच चलती रहेगी। गौरतलब है कि जून, 2024 से चुनाव आयोग ने बिहार के अंदर वोटर लिस्ट रिवाइज करने की कार्यवाही चालू की थी। इसे चुनाव आयोग ने एसआईआर का नाम दिया था। चुनाव आयोग ने इसे 25 जुलाई तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। ▶10 पर

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 10 हजार फर्जी वोटर

पटना, 10 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग के मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पर सियासी बवाल चरम पर है। विपक्षी दल सवाल पूछ रहे हैं कि सूची में नाम के लिए आधार कार्ड और आवासीय प्रमाण पत्र को मान्यता क्यों नहीं दी जा रही? लेकिन, तथ्य यह भी है कि राज्य के सीमांचल इलाके के चार जिलों कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज और अररिया में आधार कार्ड की संख्या आबादी से अधिक हो चुकी है। नागरिकता प्रमाण पत्र के रूप में आधार कार्ड की मान्यता न होने बावजूद इस क्षेत्र में इसी के आधार पर धड़ल्ले से निवास प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। बीते दो दशक में यह क्षेत्र बांग्लादेश से घुसपैठ में आई तेजी के कारण जनसांख्यिकी में तेजी और लगातार बदलाव से चर्चा में रहा है। 1951 से 2011 तक इस क्षेत्र में मुस्लिमों की आबादी में 16 फीसदी की तीव्र बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालिया जातिगत जनगणना में सामने आया कि मुस्लिम आबादी किशनगंज में 68 प्रतिशत, अररिया में 50 प्रतिशत, ▶10 पर

दिल्ली में पकड़े गए बांग्लादेशी भिखमंगों से हुआ खुलासा

प्रतिबंधित आईएमओ नेटवर्क से जुड़ा था गिरोह

देश की राजधानी में बांग्लादेशी भिखमंगों का कारनामा

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

सड़कों पर भीख मांगते बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिए भारत में प्रतिबंधित आईएमओ नेटवर्क के जरिए बांग्लादेश में बैठे सरगनाओं से सम्पर्क करते हैं और भारत में धंधा फैलाते हैं। यह अवैध नेटवर्क देश की राजधानी दिल्ली में चल रहा था, जहां पूरी भारत सरकार बैठती है। दिल्ली पुलिस लगातार अवैध बांग्लादेशियों समेत अन्य के खिलाफ अभियान चला रही है। इसी क्रम में उत्तर-पश्चिमी जिले में 7 अवैध बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया गया है। ये सभी रेड सिग्नल पर महिलाओं के भेष में वसूली किया करते थे। लेकिन, पुलिस को एक बात चौंकाने वाली पता चली कि ये सभी स्मार्टफोन चलाते थे और सुरक्षित नेटवर्क के जरिए लगातार बांग्लादेश के संपर्क में थे। ये नेटवर्क है आईएमओ। दिल्ली पुलिस की फॉरेनर सेल को गिरफ्तार किए गए सातों बांग्लादेशियों में से पांच किन्नर और दो पुरुष थे। इसके अलावा पुलिस ने इन बांग्लादेशियों के पास से पांच स्मार्टफोन भी मिला है। हिरासत में इनसे पूछताछ के दौरान इन सभी ने इस बात को स्वीकार किया कि ये ▶10 पर

अवैध सट्टेबाजी और मनी लॉन्ड्रिंग में लिप्त हैं बड़ी हस्तियां

ऊंची हस्तियों के ओछे धंधे

हैदराबाद, 10 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 29 बड़ी फिल्मी हस्तियों पर अवैध सट्टेबाजी और मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया है। इन हस्तियों में प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती जैसे कई प्रमुख नाम शामिल हैं। ये सब लोग अवैध बेटिंग ऐप्स को प्रमोट करके लोगों से करोड़ों रुपए ठगने के गंभीर आरोप में फंसे हैं। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में दर्ज पांच प्राथमिकियों के आधार पर प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएएलए) के तहत इन हस्तियों की भूमिका की जांच शुरू की गई है। ईडी को संदेह है कि जंगली रमी, ए टू थ्री, परिमैच और लोटस-365 सहित कुछ प्लेटफॉर्मों के लिए पैसा लेकर प्रचार करने में बड़ी तादाद में अवैध धन का लेन-देन हुआ है। इनमें से अधिकतर हस्तियों पर पहले हैदराबाद और

साइबराबाद पुलिस ने मामला दर्ज किया था। उनके खिलाफ पंजागुट्टा, मियापुर,

29 फिल्मी हस्तियों टीवी आर्टिस्टों और इन्फ्लुएंसर पर केस

साइबराबाद, सूर्यापेट और विशाखापत्तनम थानों में प्राथमिकी दर्ज की गई है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों पर सट्टेबाजी और जुए के जरिए करोड़ों रुपए की अवैध धनराशि अर्जित की गई। ईडी ने पीएमएलए के तहत मामला दर्ज करने के लिए पांच प्राथमिकियों का संज्ञान लिया है। जिन लोगों पर मामला दर्ज किया गया है उनमें मंचू लक्ष्मी, राज, निधि अग्रवाल, प्रणिता सुभाष, अनन्या नागल्ला, श्रीमुखी, श्यामला, वार्शिनी सौंदर्यराजन, वसंती कृष्णन, शोबा शेट्टी, अमृता चौधरी, नयनी पावनी, नेहा पठान, पांडु, पद्मावती, हर्षा साई और बय्या सनी यादव जैसे टीवी अभिनेता एवं टीवी होस्ट भी हैं। व्यापारी फणिंद्र सरमा ने शिकायत की थी कि इन हस्तियों की वजह से बड़ी संख्या में आम लोग फंस गए और अपने करोड़ों रुपए गंवा बैठे। तेलंगाना की साइबराबाद पुलिस ने पहले एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें निधि अग्रवाल, मनचू लक्ष्मी, प्रणिता सुभाष, ▶10 पर

विकास के बहाने तमिलनाडु सरकार का अवैध धंधा

मंदिरों के धन पर सरकार डाल रही डाका

चर्चों और मस्जिदों को दे रही संरक्षण

चेन्नई, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

तमिलनाडु में मंदिर को सरकारी तंत्र में शामिल कर श्रद्धालुओं की ओर से धर्म के नाम पर दिए गए दान को सार्वजनिक उपयोग के लिए किया जा रहा है। चर्च या मस्जिदों के लिए यह लागू नहीं है। इस लिहाज से ये धार्मिक असंतुलन के साथ हिंदुओं की आस्था के साथ भी दोगलापन बरता जा है। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के महासचिव एडप्पादी के. पलानिस्वामी ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया है कि हिंदू रिलीजियस एंड चैरिटेबल एंडोमेंट्स विभाग की ओर से मंदिरों में आने वाले दान को कॉलेजों के निर्माण में खर्च कर किया जा रहा है।

एआईएडीएमके महासचिव ने इसे धार्मिक निधि का दुरुपयोग बताते हुए सवाल किया कि क्या सरकार के पास खुद खर्च के लिए फंड नहीं हैं। इस मामले पर द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार का कहना है कि यह कदम शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए और जनता के हित में उपयोग किया जा रहा है। तमिलनाडु के मंदिरों के प्रशासन पर सरकार का नियंत्रण और निधि का उपयोग गंभीर ▶10 पर

गुरु के प्रति समर्पण और गुरु कृपा से ही जीवन का संवर्धन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने गुरु पूर्णिमा के अपने विशेष प्रवचन में फरमाया कि आज तक हमने मोक्ष मंजिल पाने के लिए कितना प्रयास किया है इसके बारे में हमें चिंतन करना है। गुरु समर्पण और गुरु कृपा रूपी चाबी के बिना मोक्ष मंजिल प्राप्त करना आसान नहीं है। सद्गुरु हमें सन्मार्ग पर चलना सीखाते हैं, गुरु भी तीन प्रकार के होते हैं कुगुरु, गुरु और सद्गुरु। यदि हमने अपने जीवन को

कुगुरु को सौंप दिया है तो हम गलत रास्ते पर चल पड़ते हैं, जो की पत्थर की नाव के जैसे होते हैं जो खुद भी डूबते हैं और हमें भी डुबोते हैं। दूसरे गुरु पुट्ठे की नाव के जैसे होते हैं जो सिर्फ स्वयं ही तैरते हैं लेकिन हमें नहीं तार सकते।

तीसरे सद्गुरु लकड़ी की नाव के प्रकार होते हैं जो खुद भी तैरते हैं और हमें भी तार देते हैं, हमें ऐसे ही सद्गुरु की तलाश करना है। दूज की तरह गुरु हमारे जीवन में बीजारोपण करते हैं। तत्पश्चात हमें एक-एक सीढ़ी चढ़ाकर हमें पूर्णिमा तक 14 गुणस्थानक तक चढ़ाते हैं।

सद्गुरु बनाने से पहले हमें सौ बार सोच लेना है। हमारे जीवन रूपी पेंसिल को हमें गुरु चरणों में समर्पित करना है। इंद्रभूति गुरु गौतम अपने जीवन को प्रभु महावीर को सौंपने के पश्चात अहंकार को छोड़कर विनयवान बन गए थे। गुरु के कहे अनुसार चलने से हमारा जीवन सफल हो जाता है। हमारा एक पारिवारिक गुरु होना चाहिए, क्योंकि जीवन में एक गुरु तो बनाना ही चाहिए जब तक हम गुरु नहीं बनाएंगे तब तक हमारा जीवन व्यवस्थित शुरु नहीं होता है। गुरु के आने से ही अविरति से विरति में आते हैं और विरति में आने से ही हमारी आत्मा का कल्याण होगा। शुक्रवार को ग्रंथों के गुरु पूजन का लाभ प्रवचन के दौरान प्रदान किया जाएगा।

जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसायिक समूह का ऑफिस दर्शन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेबीएन वी. कनेक्ट महिला व्यवसायिक समूह ने अपने चतुर्थ कार्यकाल के अंतर्गत तीसरे ऑफिस दर्शन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। यह आयोजन रंजना दोधिया के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ, जो कि आईएसओ प्रमाणित मीडास टच ऐंड अकादमी की संस्थापक हैं। इस कार्यक्रम का संचालन जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु नॉर्थ की अध्यक्षा लक्ष्मी बाफना के कुशल मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर 30 सदस्यों की सक्रिय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समन्वय अत्यंत कुशलता से मीना जैन (रेफरल हेड), लीला पितलिया (रेफरल लीड) एवं सीए सुखदेवी जैन (रेफरल सेक्रेटरी) द्वारा किया गया। यह आयोजन न केवल व्यावसायिक अनुभव साझा करने का एक सशक्त मंच बना, बल्कि महिलाओं को परस्पर प्रेरित करने एवं नेटवर्किंग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक प्रभावी कदम सिद्ध हुआ।

अमरसिंह राजपुरोहित का 12वां चातुर्मास प्रवेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यहां कनकमंगला एसबीसी द नेस्ट अपार्टमेंट कमेटी के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु अमर सिंह राजपुरोहित का 12वाँ चातुर्मास प्रवेश हुआ। विधिवत हवन आदि अनुष्ठान किए गए। गुरु ने प्रवचन में बताया कि चातुर्मास चार पवित्र महीनों की अवधि है। हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण समय है। यह देवशयनी एकादशी से शुरू होता है और प्रबोधिनी एकादशी पर समाप्त होता है। इस दौरान भक्त आध्यात्मिक गतिविधियों जैसे कि व्रत, दान और आत्म-चिंतन करते हैं। चातुर्मास को

आत्म-सुधार और आध्यात्मिक विकास के लिए एक शुभ समय माना जाता है। इस दौरान भगवान विष्णु योग निद्रा में होते हैं, और भक्त उनकी पूजा में अधिक समय बिताते हैं। आयोजन में पहुंचे पर्यावरण जागृति वैदिक बन्नूर के अध्यक्ष समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित का गुरु ने सम्मान किया। इस अवसर पर नाथूसिंह, दीपक, रवि, मोहित, कुशाल, चिराग, रामन राजपुरोहित आदि उपस्थित रहे।

महिला मंडल विजयनगर का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर के सन 2025 -27 के कार्यकाल हेतु नवनिर्वाचित टीम का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को साध्वी श्री संयम लता जी के सानिध्य में अर्हम भवन विजयनगर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र एवं बहनों द्वारा प्रेरणा गीत के संगान के साथ किया गया। निवर्तमान अध्यक्षा मंजू गादिया ने नव निर्वाचित अध्यक्षा एवं उनकी टीम को आने वाले कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की तथा नव निर्वाचित अध्यक्षा महिमा पटावरी को शपथ ग्रहण करवाई। तत्पश्चात अध्यक्षा महिमा पटावरी

ने अपनी नवीन टीम की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया, सुनीता पटवारी, मंत्री सरिता छाजेड़, सह मंत्री हंसा दुगड़, प्रचार - प्रसार मंत्री अनीता जीरावला, संगठन मंत्री शिल्पा भंसाली सहित परामर्शिका मधु सेठिया, चंचलबाई मांडोत, भंवरी बाई कोठारी, लीला डागा, बिमला लोढ़ा, कमलाबाई बाबेल, इचू बाई पटावरी एवं कार्य समिति सदस्यों को शपथ दिलवाई। खुशी कोठारी को कन्या मंडल प्रभारी नियुक्त किया गया तथा खुशी मांडोत एवं खुशी मांडोत को कन्या मंडल संयोजिका एवं सह संयोजिका की शपथ दिलवाई गई। साध्वी संयम लता जी ने नव दायित्व प्राप्त टीम को गुरु इंगित के अनुरूप कार्य करने की प्रेरणा दी। पूर्व महामंत्री वीना बैद ने नवनिर्वाचित टीम को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें आध्यात्मिक मंच की गरिमा एवं अपनी अस्मिता बनाए रखते हुए नवीन अध्यक्ष के साथ मिलकर मंडल को नव ऊंचाइयां प्रदान करनी है।

सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप अध्यक्ष विकास बांठिया, मंडल की पूर्व अध्यक्ष प्रेम भंसाली, ज्ञानशाला संयोजिका ममता मांडोत, संघ संवाद से जितेंद्र घोषल ने नवनियुक्त टीम को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम का संचालन, उपाध्यक्ष सुमित्रा बर्दिया एवं आभार ज्ञापन निवर्तमान उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ श्रावक मनोहर बाबेल सहित बहनों की अच्छी उपस्थिति रही।

दायित्व बोध ग्रहण समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ सभा भवन गांधीनगर में आचार्य महाश्रमण जी के सुशिष्य डॉ. मुनि पुलकित कुमार जी के सानिध्य में तेरापंथ महिला मंडल बेंगलूरु राजाजीनगर का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

निवर्तमान अध्यक्षा उषा चौधरी ने सभी का स्वागत किया और नव मनोनित अध्यक्षा सुनीता कोठारी को शपथ दिलवाई। अध्यक्षा सुनीता कोठारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठन को मजबूत करने, अभातेमम के सभी आयामों को संपादित करने का लक्ष्य रखा और सभी को एकजुट होकर संघ के लिए कार्य करने का आह्वान किया। नव मनोनीत अध्यक्षा ने अपनी नव गठित टीम की घोषणा की।

जिसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष लता नवलखा, उपाध्यक्ष सरिता हीरावत, मंत्री अरुणा कोठारी, सह मंत्री सुरेखा श्रीश्रीमाल, सह मंत्री भावना पोरवाड़, कोषाध्यक्ष सरिता संचेती, संगठन मंत्री रंजीता बोथरा, प्रचार प्रसार मंत्री मंजू संचेती और कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलाई। कन्यामण्डल संयोजिका सिया सहलोत एवं सह संयोजिका दिया बरलोटा को भी शपथ दिलाई गई।

मुनि डॉ. पुलकितकुमारजी ने मंगल उद्बोधन प्रदान करते हुए अध्यक्ष के दायित्व को कैसे निर्वाह करना एवं कैसे संघ-संगठन के प्रति अपनी मर्यादाओं का पालन करते हुए गुरु इंगित द्वारा बताए गए पद् चिन्हों पर चलते हुए कार्य करने है, ऐसी प्रेरणा प्रदान की। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्या शशिकला नाहर, कर्नाटक प्रभारी मधु कटारिया ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन लता नवलखा ने किया।

जिसके जीवन में गुरु नहीं उसका जीवन शुरू नहीं: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कहा कि जिसके जीवन में गुरु नहीं, उसका जीवन शुरू नहीं। साध्वी शीतलगुणाश्री ने कहा कि जिसके जीवन में गुरु नहीं उसका जीवन शुरू नहीं आत्मा की आंतरिक चेतना को जागृत करने के लिए विज्ञान और सरकार के पास कोई साधन नहीं है।

गुरु ही सहारा है। गुरु के ज्ञान की अलौकिक शक्ति का चमत्कार भौतिकवाद के चकाचौंध में हम जैसे संतों का निर्माण हो रहा है, उन्हीं की देन है। गुरु एक ऐसा प्रकाश स्तम्भ है जो कभी अपने लिए मार्गदर्शक नहीं बनता, अपितु उसकी रोशनी से उसके शिष्यों की मंजिल आसान होती है, गुरु एक ऐसा प्रकाश स्तम्भ है जो ज्ञान रूपी प्रकाश भी देता है और प्रेरणा भी, जो मार्ग भी दिखाता है और मंजिल तक भी पहुंचाता है। गुरु पवित्रता का प्रवाह है नैतिकता का निर्वाह है। संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद के साधना आराधना हेतु मंदिर कक्ष का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन कमलादेवी पूनमचंद परिवार, सूत्र बोहरा ने का लाभ बरदीचंद मांगीलाल परिवार, श्री शंखेश्वरदादा विराजमान करने का लाभ मोहनलाल रतनचंद परिवार, दादागुरुदेव विराजमान करने का लाभ देवीचंद ओटमल परिवार, कलश स्थापना करने का लाभ मोहनलाल रतनचंद परिवार, अखंड दीपक का लाभ संघवी महावीर घेवरचंद परिवार, भैरव जी को विराजमान करने का लाभ संतोषभाई जुगराज लोढ़ा, आंगी का लाभ विक्रम मोबाइल समेत काफी संख्या में गुरु भक्तों ने लाभ लिया। सभी लाभार्थी परिवार का बहुमान किया गया। महावीर संघवी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिनकुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में मुनिराज श्री मलयप्रभसागर जी एवं साध्वी हर्षपूर्णा जी की पावन निश्रा में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा की सदस्याओं ने गुरु पूर्णिमा के पावन प्रसंग पर लाभार्थी प्रेमलता, सज्जराज खटोड़ परिवार की तरफ से दादागुरुदेव की पूजा पढाई। परिषद की अध्यक्ष आरती जैन ने सभी सदस्याओं एवं लाभार्थी परिवार का धन्यवाद सहित आभार प्रकट किया। परमेश्वरी संखलेचा ने बताया कि बहुत अच्छी संख्या में महिला परिषद सदस्याएं एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। इनर व्हील क्लब बेंगलूरु ब्लॉसम द्वारा राजाजीनगर स्थित रश ऐरेना खेल मैदान में आयोजित क्रिकेट स्पर्धा में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मातेश्वरी भक्त मंडल ट्रस्ट बेंगलूरु द्वारा श्री कृष्णा गौ सेवा आश्रम गौशाला कन्नूर में गौशाला के प्रमुख संत पुखराज महाराज के सानिध्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया। पूर्व विधायक अरविंद लिंबावली, मंजुला लिंबावली, महेंद्र मुणोत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। गायक कलाकार महावीर सांखला, राजू कुमावत, कैलाश पंवार ने भजनों की प्रस्तुति से समा बांध दिया। कार्यक्रम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के लाभार्थी परिवार प्रकाश चौहान, नारायण लाल सोलंकी, भंवरलाल भायल, माणक चन्द परिहार, गोवर्धन लाल दुबलादीया, राजेश जैन का संत पुखराज एवं ट्रस्ट के सदस्यों ने सम्मान किया। संत पुखराज ने अपने प्रवचन में भक्तों को गौ सेवा से जुड़ने का आह्वान किया। मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा गुरु ने हमें ज्ञान एवं संस्कारों से पोषित किया। गुरु पूर्णिमा के पावन प्रसंग पर हम सच्चे मन से गुरु को नमन करते हुए मन में यह संकल्प करें कि हम उनके बताए रास्ते पर चलेंगे।

गुरु की महिमा होती है अपरम्पार: लोकेश मुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गुरु पूर्णिमा के व्याख्यान की शुरुआत करते हुए श्री लोकेश मुनि ने फरमाया कि गुरु की महिमा अपरम्पार है। हमने भगवान एवं देवताओं को नहीं देखा है। गुरु के बिना हम अधुरे हैं। गुरु ही हमें सद्मार्ग एवं सच्चा मार्ग दिखाते हैं। अन्यथा हम भटक सकते हैं।

पूज्य गुरुदेव श्री ज्ञान मुनि जी ने फरमाया कि आज गुरु पूर्णिमा है, गुरु की महिमा का दिन है, सब कुछ गुरु ही हमें बताते हैं। जैन दर्शन के तीन तत्व पर प्रकाश डाला गया है।

पहला तत्व देव, दूसरा तत्व गुरु और तीसरा तत्व धर्म है। गुरु

का पद सबसे ऊंचा होता है। गुरु ही हमें देव का मार्ग दिखाते हैं।

जवाहरात को जांचने का काम जोहरी ही कर सकता है। कहते हैं भगवान रूठ जाए तो हम गुरु के पास जा सकते हैं, परंतु अगर गुरु रूठ जाए तो हम कहां जाएं। इसलिए गुरु का हमें आदर सत्कार मान सम्मान करना चाहिए। उनके बताए हुए सही रास्ते पर चलना चाहिए। गुरु की असातना कभी नहीं करें और गुरु के सच्चे आशीर्वाद और चेले के सच्ची भक्ति से ही गुरु की महिमा होती है।

सभा का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ एवं संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने स्वागत किया।

विनय, धर्म में प्रवेश का मुख्य द्वार है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में चातुर्मास प्रारंभ प्रसंग पर आयोजित प्रवचन में महासती इंदुप्रभा जी ने कहा कि विनय, धर्म में प्रवेश का मुख्य द्वार है। विनय से विवेक की प्राप्ति होती है। चातुर्मास में हम अपने अहम को थोड़ा विश्राम दें और इस नशे से मुक्त होने का प्रयास करें कि मैं हूं तो सब कुछ है। सबका साथ सबका विकास श्रेष्ठ भावना है। इस अवसर पर साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि जीवदया और धर्म तप आज्ञा आराधना हेतु प्रभु ने चातुर्मास कल्प की व्यवस्था की। संतों का आगमन जीव के आवागमन को सीमित करने के लिए होता है। साध्वी निपुणप्रभा जी ने कहा कि आषाढ़ कार्तिक और फाल्गुन की तीन चौमासी होती है। जीवन में धर्म विकास के लिए उमंग उत्साह उदारता उपासना उपदेश श्रवण और अनुमोदना करना सीखें। ऋद्धिप्रभा जी महाराज साहब ने गुरु पूर्णिमा संदर्भ में गीतिका प्रस्तुत की।

सभा का संचालन महामंत्री अभय कुमार बांठिया ने किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने आगंतुकों का स्वागत किया। साध्वी शशिप्रभा जी ने मंगलपाठ सुनाया।

संविधान सम्मान अभियान का शीर्षक गीत जारी

संविधान का अपमान करने वाली पार्टी है कांग्रेस: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि भाजपा ने संविधान और संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर को सर्वोच्च सम्मान दिया है, लेकिन संविधान का अपमान करने वाली पार्टी कांग्रेस है। उन्होंने भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में भाजपा अनुसूचित जाति एवं जनजाति मोर्चा द्वारा संविधान सम्मान अभियान के तहत 'माने-मनक्के सम्मान, हर-घर सम्मान' फिल्म के शीर्षक गीत का विमोचन करने के बाद यह बात कही। भाजपा ने संविधान और बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर को हर तरह से श्रद्धांजलि दी है। भाजपा ने डॉ. अंबेडकर के जन्म से लेकर उनकी मृत्यु तक के महत्वपूर्ण स्थानों को मान्यता देने और उनके सम्मान में अंतर्राष्ट्रीय स्मारक बनाने का काम किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा ने कहीं भी संविधान का अपमान नहीं किया है। 1975 में कांग्रेस पार्टी ने आपातकाल लगाकर हमारे संविधान की हत्या कर दी थी। लेकिन अब विपक्षी दल के नेता राहुल गांधी संविधान को हाथ में लेकर घूम रहे हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि उनकी यह स्थिति इसलिए है क्योंकि वे यह दिखा रहे हैं कि यह वही संविधान है जिसकी इंदिरा गांधी ने हत्या की थी। राहुल गांधी हिंदुत्व को कोसते हैं और कहते हैं कि वे ईश्वर में विश्वास नहीं करते। लेकिन वे मुस्लिम दरगाहों और ईसाई चर्चों में जाकर प्रार्थना करते हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि जब

भाजपा कार्यकर्ता उनकी आलोचना करते हैं, तो वे माथे पर तिलक लगाकर कहते हैं कि वे हिंदू हैं। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेसियों ने शुरू से ही संविधान का सम्मान किया होता, तो राहुल गांधी आज संविधान की किताब हाथ में लेकर घूमने की स्थिति में नहीं आते। उन्हें अपराधबोध हो रहा है क्योंकि वे आज संविधान का सम्मान कर रहे हैं। उन्होंने संविधान के साथ विश्वासघात किया है। इसलिए, इसे छिपाने के लिए, राहुल गांधी वर्तमान में संविधान की किताब हाथ में लेकर घूम रहे हैं। भाजपा उपाध्यक्ष एन. महेश ने कहा कि कुरान मुसलमानों का धर्मग्रंथ है, बाइबिल ईसाइयों का धर्मग्रंथ है, भगवद् गीता हिंदुओं का धर्मग्रंथ है, लेकिन सभी भारतीयों का धर्मग्रंथ भारत का संविधान है। लोगों को यह विश्वास दिलाना होगा कि यह सत्य है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान एक कानूनी पुस्तक है जो सभी भारतीयों के जीवन को आकार और नियमन देती है, और हम एक ऐसा माहौल देख रहे हैं जहाँ जिन लोगों ने कभी संविधान का सम्मान नहीं किया, वे संविधान की पुस्तक को थामे घूम रहे हैं। इस सब के मद्देनजर, यदि हम संविधान की आकांक्षाओं को हर घर और हर मन तक पहुँचाने का भरसक प्रयास नहीं करते हैं, तो संभावना है कि कोई हमारे संविधान को खतरे में डाल दे। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष बंगारू हनुमंथु ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर का अपमान करके लोगों को गुमराह कर रही है। उन्होंने राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि वे आज भारतीयों के वोट बैंक को खुश करने और उसका मजाक उड़ाने के लिए संविधान की पुस्तक को थामे घूम रहे हैं। हमारे संविधान में 106 संशोधन हुए हैं। इन 106 संशोधनों में से 75 कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए थे। 31 संशोधन गैर-कांग्रेसी सरकारों द्वारा किए गए थे। इनमें से 22 संशोधन भाजपा सरकार के दौरान किए गए थे। 14 अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में और 8 नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में किए गए थे। उन्होंने कहा कि लोगों को यह जानना चाहिए कि ये 106 संशोधन किस उद्देश्य से किए गए थे।

लोगों को लगता है कि मोदी देश के लिए हैं और कुमारस्वामी राज्य के लिए: निखिल कुमारस्वामी

चिक्कबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के लिए और केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी राज्य के लिए जो भावना रखते हैं, वह न केवल जेडीएस कार्यकर्ताओं में, बल्कि राज्य की जनता में भी है। जनता दल-जेडीएस पार्टी के सदस्यता पंजीकरण अभियान का शुभारंभ करने के लिए चिक्कबल्लापुरा विधानसभा क्षेत्र में एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि कुमारन्ना के मुख्यमंत्री रहते हुए किए गए योगदान का लाभ लोग आज भी उठा रहे हैं। जब मैं राज्य के कई हिस्सों का दौरा करता हूँ, तो लोग चाहते हैं कि कुमारन्ना मुख्यमंत्री बनें। जेडीएस पुराने मैसूरु क्षेत्र तक सीमित पार्टी नहीं है। हमारी पार्टी के 50 प्रतिशत विधायक कल्याण कर्नाटक और कित्तूर कर्नाटक क्षेत्रों से चुने जाते हैं। उन्होंने कहा कि मैं इन क्षेत्रों का नियमित रूप से दौरा करूँगा। हम तीन साल तक किसी वामपंथी पार्टी के माध्यम से सत्ता हथियाने की कोशिश नहीं करेंगे।

अगले 2028 में भाजपा-जेडीएस गठबंधन 150 से ज्यादा सीटें जीतेगा, हम गठबंधन सरकार बनाने जा रहे हैं। हमारे नेता कुमारन्ना हैं। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा और कुमारन्ना ही असली नेता हैं। उन्होंने कहा कि कुमारन्ना दोबारा मुख्यमंत्री बनें, यह हमारी नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं की इच्छा है। चिक्कबल्लापुरा और कोलार ऐसे जिले हैं जो तब से जेडीएस पार्टी के लिए मजबूत रहे हैं। रामनगर और चिक्कबल्लापुरा हमारे लिए दो आँखों की तरह हैं। शिदलघट्टा के विधायक रविकुमार चिंतामणि और पूर्व विधायक जे.के. कृष्णा रेड्डी दो मजबूत स्तंभ हैं।

जब ज्यादा युवा राजनीति में आएँगे, तभी बदलाव संभव है। समाज के सबसे हाशिए पर पड़े व्यक्ति में भी समस्याओं का समाधान करने की इच्छाशक्ति होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि चुनावों में कुछ लोगों को नतीजे मिले हैं, कुछ को नहीं, लेकिन चुनावों में हार-जीत तो आम बात है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री ए. मंजू, विधायक बी.एन. रविकुमार, पूर्व विधान परिषद सदस्य आर. चौदरेड्डी, रोशन अब्बास, जिला अध्यक्ष मुक्ता मुनियप्पा, प्रभा नारायण गौड़ा, तालुक अध्यक्ष के.बी.मुनिराजू, पार्टी पदाधिकारी और नेता उपस्थित थे।

ईडी ने बागेपल्ली विधायक एसएन सुब्बारेड्डी के आवास पर की छापेमारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने गुरुवार को बागेपल्ली विधायक एस.एन. सुब्बारेड्डी के आवास पर अघोषित विदेशी संपत्ति रखने के आरोपों के सिलसिले में अचानक छापेमारी की।

ईडी अधिकारियों ने कथित तौर पर विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) की जांच के सिलसिले में सुब्बारेड्डी और कुछ अन्य लोगों के आवासों पर छापेमारी की है। सूत्रों ने बताया कि विधायक के आवास सहित बेंगलूरु में कम से कम पाँच जगहों पर विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) की धारा 37 के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह जाँच रेड्डी और उनके परिवार के सदस्यों की अघोषित विदेशी संपत्ति के आरोपों से संबंधित है। सूत्रों ने बताया कि विधायक द्वारा कथित तौर पर विदेशी बैंक खातों में रखी गई कुछ जमा राशि, वाहनों की खरीद और मलेशिया, हांगकांग, जर्मनी आदि में अचल संपत्तियों में निवेश ईडी की जाँच के दायरे में हैं। बागेपल्ली विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले विधायक चिक्कबल्लापुर जिले में हैं और टिप्पणी के लिए उनसे तुरंत संपर्क नहीं किया जा सका।

निगम कर्मचारियों की समस्याएं सुनें राज्य सरकार: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय बड़े उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि विधायकों की शिकायतें सुनना ही काफी नहीं है। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि वह अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गए निगम कर्मचारियों की समस्याओं को सुनने का साहस दिखाए। इस संबंध में उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को कर्मचारियों की जायज मांगों को पूरा करने पर तत्काल ध्यान देना चाहिए। हालाँकि, उन्होंने आलोचना की कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के पास विधायकों के विद्रोह को दबाने के लिए कांग्रेस पार्टी में व्याप्त बेचैनी को कम करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है। मैं यह नहीं कह सकता कि यह गलत है। लेकिन, निगम कर्मचारियों ने क्या पाप किया है? उनकी जायज मांगों को पूरा करने में देरी क्यों हो रही है? मुख्यमंत्री स्वयं मानवीय आधार पर तत्काल कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं? क्या जनता के लिए दिन-रात काम करने वाले उनकी आजीविका की भी गारंटी नहीं होनी चाहिए? निगमों का कोई भी दैनिक कार्य नहीं रुकना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासकों को यह नहीं भूलना चाहिए कि स्वच्छता, सफाई और स्थानीय शासन की दृष्टि से नगरपालिकाएँ महत्वपूर्ण हैं।

नेतृत्व परिवर्तन सिर्फ एक राजनीतिक तमाशा है: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि नेतृत्व परिवर्तन सिर्फ एक राजनीतिक तमाशा है। मैं ऐसी कोई और ड्रामा कंपनी नहीं खोलना चाहता। शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अनावश्यक विश्लेषण किए जा रहे हैं। इसीलिए ऐसी चर्चाएँ बार-बार आ रही हैं। एक-एक करके, एक व्यक्ति अलग-अलग तरह के बयान दे रहा है। ये सभी मनगढ़ंत हैं। उन्होंने कहा कि मुझे एक जैसे बयान देना पसंद नहीं है। एक-एक करके, एक व्यक्ति अलग-अलग तरह के बयान दे रहा है। उन्होंने कहा कि वह सुरजेवाला की राय का सम्मान करते हैं। आलाकमान सब कुछ देख रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उचित समय पर उचित निर्णय लिया जाएगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उन्हें विधायक सुब्बारेड्डी के घर पर प्रवर्तन निदेशालय के छापे की जानकारी नहीं है। किसी ने भी उनसे इस बारे में चर्चा नहीं की है कि सरकारी पदों पर जनता समुदाय के अधिकारियों के साथ अनुचित व्यवहार किया जा रहा है। अगर कोई ऐसा अनुरोध करता है, तो हम उसकी जाँच करेंगे। आंतरिक आरक्षण के कारण फिलहाल सरकारी नियुक्तियाँ स्थगित कर दी गई हैं। आरक्षण कानूनी दायरे में ही दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आंतरिक आरक्षण विवाद सुलझने के बाद नियुक्तियाँ की जाएँगी।

क्या राज्य की खुफिया एजेंसी कोमा में पहुँच गई है?

अगर सरकार नहीं चला पा रहे हैं तो इस्तीफा दे दें: सी.टी. रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने सवाल उठाया है कि क्या राज्य की खुफिया एजेंसी कोमा में पहुँच गई है। यहां भाजपा के प्रदेश कार्यालय 'जगन्नाथ भवन' में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि कर्नाटक किसी अच्छे कारण से चर्चा में नहीं है। यह अच्छी बात नहीं है कि कर्नाटक सामूहिक बलात्कार, भगदड़, आत्महत्या और हत्या जैसे कारणों से चर्चा में है। उन्होंने मांग की कि अगर यह सरकार, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री शासन नहीं चला पा रहे हैं तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य और देश को आप बर्बाद नहीं कर सकते। तीन महीने में 340 बलात्कार के मामले सामने आए हैं। क्या यह अच्छी खबर है? उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार, महंगाई, बलात्कार, हत्या और आतंकवादी गतिविधियों के लिए चर्चा में है।

दो दिन पहले, मंगलवार को, एनआईए ने राज्य के दो हिस्सों में छापेमारी की थी। आजीवन कारावास की सजा पाए तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें मनोचिकित्सक डॉ. नागराज, एएसआई चांद भाषा और फरार आतंकवादी जुनैद अहमद की माँ अनीस फातिमा भी शामिल हैं। एनआईए को राज्य से जानकारी मिल रही है। परप्पना अग्रहारा जेल में अवैध गतिविधियाँ चल रही हैं। एनआईए को जानकारी मिली है कि एक राष्ट्र-विरोधी, राष्ट्र-विरोधी तंत्र तैयार किया गया है। हमारी खुफिया एजेंसी को यह जानकारी क्यों नहीं मिल रही है? रवि ने कहा दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी खुफिया एजेंसी को पता ही नहीं चलता कि लोग कब शामिल होते हैं। उन्हें यह भी पता नहीं चलता कि लोग कब मरते हैं। उन्होंने जेल को ही सुपरमार्केट बना दिया है। जेल में सब कुछ उपलब्ध होना रक्षा क्षेत्र की विफलता का एक उदाहरण है। रान्या राव मामले के बाद, जबकि यह ज्ञात था कि संवेदनशील क्षेत्रों में प्रवेश करने वालों की जाँच होनी चाहिए, उस डॉक्टर डॉ. नागराज की लगातार जाँच क्यों नहीं की जा रही थी? क्या राज्य का खुफिया विभाग यह सब जानने में अक्षम हो गया है? नासिर एक एलईटी आतंकवादी है। उसके खिलाफ आरोप सिद्ध हो चुके हैं। ऐसे आतंकवादी को हमारी जेलों में हर तरह की मदद मिलती है। क्या हम राज्य और देश को अपनी मर्जी से इस्तेमाल करने दे रहे हैं? हो सकता है कि बंदियों के अलावा जेल के कुछ अन्य कर्मचारी भी ऐसी गतिविधियों में शामिल रहे हों। ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहाँ असामाजिक तत्वों ने जेल के बाहर अपनी केंद्रीय स्थिति बना ली है। हालाँकि, यह मानना असंभव लगता है कि जेल अधिकारी और खुफिया अधिकारी इस बात से अनभिज्ञ हैं कि जेल से ही असामाजिक तत्वों की गतिविधियाँ संचालित हो रही हैं, जेल के माध्यम से ही षड्यंत्र रचे जा रहे हैं, जेल के माध्यम से ही निर्देश दिए जा रहे हैं और जेल से ही नियंत्रण किया जा रहा है। आंतरिक सुरक्षा प्रभाग (आईएसडी) खोला गया है। वहाँ कुशल अधिकारी होने चाहिए थे। लेकिन, यह दोषियों के स्थानांतरण का केंद्र बन गया है। कुशल अधिकारियों को उपयुक्त स्थान नहीं मिल रहे हैं। इस सरकार में सरकारी खुफिया तंत्र, आईएसडी, विफल हो गया है क्योंकि पैसे देने वालों को रेट कार्ड के आधार पर महत्वपूर्ण पद दिए जा रहे हैं।

अगर आप मुख्यमंत्री से पूछें, तो वे कहते हैं कि उन्हें सब कुछ पता है। अगर आप गृह मंत्री से बेलगावी और मेंगलूरु सहित किसी भी मामले के बारे में पूछें, तो वे कहते हैं कि उन्हें कुछ नहीं पता। अगर आप उपमुख्यमंत्री से पूछें, तो वे कहते हैं कि वे मामले की तह तक जाएँगे। मुख्यमंत्री एक सर्वज्ञ व्यक्ति हैं जो भूत, वर्तमान और भविष्य के बारे में सब कुछ जानते हैं। उन्होंने पूछा कि इस स्थिति में हमारी खुफिया जानकारी का क्या हुआ है? ऐसा लगता है कि कांग्रेस पार्टी और यह सरकार आतंकवाद को लेकर गंभीर नहीं हैं। यह संदिग्ध है कि क्या उनमें आतंकवादी मामलों को भी गैर-गंभीर मामलों के रूप में देखने की मानसिकता है। कुकर बम विस्फोट उनके लिए कोई गंभीर मामला नहीं है। रामेश्वरम कैफे बम विस्फोट को जाँच से पहले एक आंतरिक विवाद बताया गया था। एक अन्य ने कहा कि यह एक सिलेंडर विस्फोट था। एक आजीवन कारावास की सजा पाए व्यक्ति को मोबाइल फोन और सब कुछ मिल रहा है। वह तंबूओं का दौरा करके राजनीतिक गतिविधियाँ कर रहे हैं। तंबू मैसूरु, बेंगलूरु, दिल्ली, कलबुर्गी स्थानांतरित किए जा रहे हैं। प्रशासन चरमरा गया है। उन्होंने व्यंग्यात्मक रूप से कहा कि खुफिया विभाग को नहीं पता कि किससे कहना है।

अगर कुछ सच बोला जाए, तो उन्हें तकलीफ होगी। जब लोग मरते हैं, तो वे मसाला डोसा खाते हैं। या तो उन्होंने अपनी मानवता खो दी है, या वे इस मानसिकता में आ गए हैं कि उनका हमसे कोई लेना-देना नहीं है।

सिद्धरामैया ने दोहराया कि वह पूरे पाँच साल के कार्यकाल के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नई दिल्ली में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक से पहले, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की संभावना से साफ इनकार किया है। उन्होंने दोहराया कि वह पूरे पाँच साल के कार्यकाल के लिए पद पर बने रहेंगे। राष्ट्रीय राजधानी में पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धरामैया ने कहा मीडिया में आई उन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है कि कांग्रेस आलाकमान ने मुझे ढाई साल के कार्यकाल के बाद पद छोड़ने या उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के लिए जगह बनाने को कहा है।

मैं पाँच साल तक मुख्यमंत्री रहूँगा। मैंने यह पहले ही स्पष्ट कर दिया है। मैंने यह बयान 2 जुलाई को दिया था। मैं उसी कुर्सी और उसी पद पर बना रहूँगा। गत 2 जुलाई को, बेंगलूरु के बाहरी इलाके नंदी हिल्स में आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक से पहले, मुख्यमंत्री ने कहा था कि वह 2028 तक, पूरे कार्यकाल के लिए इस पद पर कार्यरत रहेंगे। मुख्यमंत्री ने उन दावों को खारिज कर दिया कि पार्टी आलाकमान ने उन्हें 30 महीने के कार्यकाल के बाद सत्ता साझा करने का निर्देश दिया था और कहा ढाई साल का समय कभी तय नहीं हुआ था। यह सही नहीं है। आलाकमान ने हमें यही बताया है कि वे जो भी फैसला लेंगे, हमें उसका पालन करना होगा। हम आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। मैं और शिवकुमार, दोनों ही आलाकमान के फैसलों का पालन करते हैं। सिद्धरामैया ने यह भी संकेत दिया कि वह 2028 के विधानसभा चुनावों में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। 2023 की तरह, मैं पार्टी का नेतृत्व करूँगा। हालांकि, आलाकमान ही कोई फैसला लेगा। कर्नाटक के प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला द्वारा कांग्रेस विधायकों से मुलाकात के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरजेवाला ने विधायकों के साथ राज्य में मुख्यमंत्री बदलने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा नहीं की। उन्होंने मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना से भी इनकार किया। इस बीच, कांग्रेस के कुछ विधायकों ने बेंगलूरु में लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली के आवास पर बैठक की। जारकीहोली मुख्यमंत्री के वफादारों में से एक हैं।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सरकार फर्जी खबरों के खिलाफ विधेयक पेश करेगी: गृहमंत्री जी. परमेश्वर

शांति समिति की बैठक में सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने का आग्रह

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने घोषणा की है कि सरकार फेक न्यूज से निपटने के लिए एक अलग विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है, जिसका मसौदा पहले ही तैयार हो चुका है।

उन्होंने बुधवार शाम को जिला पंचायत में आयोजित जिला शांति समिति की बैठक में भाग लेने के बाद कहा कि यह विधेयक आगामी विधानसभा सत्र में पेश किया जाएगा। बैठक में विधायकों, डॉक्टरों, धार्मिक नेताओं, शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों, लेखकों, बुद्धिजीवियों, अकादमी प्रमुखों, मुस्लिम समुदाय के नेताओं और अन्य प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। मीडिया से बात करते हुए, डॉ. परमेश्वर ने कहा फेक न्यूज विधेयक के साथ-साथ, हम अभद्र भाषा से संबंधित कानूनों को भी मजबूत बनाने पर काम कर रहे हैं। शांति समिति की बैठक सफल रही - हमारा उद्देश्य सार्थक बदलावों की शुरुआत करते हुए एक कड़ा संदेश देना था। चर्चा के दौरान हमें कई बहुमूल्य सुझाव मिले और हम निर्णय लेने से पहले उन पर सावधानीपूर्वक विचार करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कानून-व्यवस्था का उल्लंघन जारी रहा तो पुलिस और कड़ी कार्रवाई करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा समस्याएँ तब पैदा होती हैं जब लोग कानून अपने हाथ में लेते हैं। अवैध गाय परिवहन जैसे मामलों में, लोगों को खुद कार्रवाई करने के बजाय पुलिस को सूचित करना चाहिए। सरकार की गारंटी योजनाओं की आलोचना के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने जवाब दिया ये प्रमुख कार्यक्रम हैं जिनके लिए एक समर्पित बजट आवंटित किया गया है। हमने वित्तीय प्रभावों पर विचार किया और कार्यान्वयन से पहले पक्ष-विपक्ष पर गहन चर्चा की। जहाँ तक आलोचना का सवाल है, हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है। परमेश्वर ने स्पष्ट किया कि शांति समिति की बैठक का उद्देश्य दक्षिण कन्नड़ को नकारात्मक रूप में चित्रित करना नहीं था। दक्षिण कन्नड़ एक ऐसा जिला है जो अपनी शैक्षिक, चिकित्सा और आईटी उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है, और बैंकिंग क्षेत्र का केंद्र है।

यहाँ के लोग न केवल शिक्षित हैं, बल्कि अपने योगदान के लिए विश्व स्तर पर जाने जाते हैं। उन्होंने आगे कहा जब मैं पार्टी का घोषणापत्र तैयार करने के लिए दक्षिण कन्नड़ गया था, तो वहाँ भारी प्रतिक्रिया यह थी कि सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखना जरूरी है। पहले यहाँ के लोगों की पहचान धर्म या जाति से नहीं होती थी। दुख की बात है कि वर्तमान विभाजनकारी स्थिति मानव निर्मित है। हमें इसे स्वीकार करने और सुधारात्मक कदम उठाने की जरूरत है। हम सभी इस जिले के गौरवशाली इतिहास से वाकिफ हैं। बढ़ते नशीले पदार्थों के खतरे के बारे में, डॉ. परमेश्वर ने कहा मुख्यमंत्री ने नशीले पदार्थों के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया है। हम कर्नाटक को एक और 'उड़ता पंजाब' नहीं बनने देंगे। अब तक नशीले पदार्थों से जुड़े 2,500 मामले दर्ज किए जा चुके हैं और 500 किलो गांजा जब्त किया गया है। मैं बेंगलूरु में 80 करोड़ रुपये से जुड़े एक बड़े नशीले पदार्थ मामले को सुलझाने के लिए पूर्व पुलिस आयुक्त की भी सराहना करता हूँ। निश्चिंत रहें, हम नशीले पदार्थों के खतरे को नियंत्रित करेंगे। मैंने पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया है कि वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक संस्थान एक नशा-विरोधी समिति का गठन करे। यदि परिसर में नशीले पदार्थों से संबंधित कोई भी घटना होती है, तो संस्थान - जिसमें प्रधानाचार्य भी शामिल हैं - को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। परमेश्वर ने अन्य प्रशासनिक मुद्दों पर भी बात की और कहा हम जल्द ही खनन और रेत नीति के कार्यान्वयन पर चर्चा करेंगे। हम लोगों से लाल पत्थर की खदान और व्यापार के लिए उचित लाइसेंस प्राप्त करने का आग्रह करते हैं। हम वैध व्यवसायों को बंद नहीं करना चाहते हैं। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने कहा अगर सर्वसम्मति से सहमति बनती है, तो हम सभी समुदायों और धर्मों के नेताओं को शामिल करते हुए एक सौहार्द रैली आयोजित करने को तैयार हैं। यह सुझाव शांति समिति की बैठक में आया था। उन्होंने सभी से जिला प्रशासन के साथ सहयोग करने का आग्रह करते हुए कहा अगर जिला प्रशासन कुशलता से काम करे, तो ज्यादातर समस्याओं का समाधान आसानी से हो सकता है।

मेंगलूरु पुलिस यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले केरल-पंजीकृत वाहनों को करेगी जब्त

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंकुश लगाने के लिए, मेंगलूरु शहर पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले केरल में पंजीकृत वाहनों, खासकर तेज गति से वाहन चलाने वाले वाहनों को जब्त करने का फैसला किया है। मेंगलूरु और उसके आसपास के इलाकों में केरल में पंजीकृत वाहनों द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने के मामलों में वृद्धि देखी गई है। बताया जा रहा है कि लगभग 90 प्रतिशत ऐसे वाहन छात्रों के हैं, जो मुख्य रूप से दोपहिया वाहन चलाते हैं। शहर और आसपास के विभिन्न कॉलेजों में पढ़ने वाले इन छात्रों पर लापरवाही से वाहन चलाने और जनता की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने का आरोप है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर नोटिस जारी करने के बावजूद, नियमों का पालन कम ही हो रहा है। परिणामस्वरूप, शहर के पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि यातायात नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर ऐसे वाहनों को तुरंत जब्त कर लिया जाए और जुर्माना भरने के बाद ही उन्हें छोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि कानून ऐसी कार्रवाई की अनुमति देता है और हाल ही में कासरगोड के एसपी के साथ हुई बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। एसपी ने भी इस पहल का समर्थन किया। आयुक्त ने आगे कहा कि संबंधित थाना क्षेत्रों की पुलिस कॉलेजों में यातायात नियमों के पालन के बारे में नियमित जागरूकता कार्यक्रम चला रही है। उन्होंने कहा कि अगर कॉलेज प्रशासन की सलाह के बावजूद छात्र नियमों का उल्लंघन करते रहे, तो वाहन जब्त करना अनिवार्य हो जाएगा। बार-बार उल्लंघन के कारण स्थानीय निवासियों के लिए जोखिम का हवाला देते हुए, जनता ने कॉलेज प्रबंधन से बाहरी छात्रों, खासकर केरल के छात्रों पर नजर रखने का आग्रह किया है। उन्हें छात्रों को स्थानीय कानूनों के बारे में शिक्षित करना चाहिए और उल्लंघन की स्थिति में सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। नागरिकों ने मांग की है कि कॉलेजों को अपने छात्रों के कार्यों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। बिना हेलमेट के वाहन चलाना, तीन लोगों की सवारी करना, गलत दिशा में वाहन चलाना और तेज गति से वाहन चलाने की घटनाओं में कथित तौर पर वृद्धि हो रही है। उल्लंघनों में कारों में रंगीन शीशों का इस्तेमाल और आक्रामक ड्राइविंग भी शामिल है। ऐसे मामले भी सामने आए हैं जहाँ स्थानीय लोगों ने इस तरह के व्यवहार पर सवाल उठाने पर उन्हें धमकाया भी गया। निवासियों की बढ़ती चिंता को देखते हुए, मेंगलूरु पुलिस अब शहर में यातायात अनुशासन बहाल करने के लिए प्रवर्तन उपायों को कड़ा कर रही है।

मछुआरे मालपे में पारंपरिक मछली पकड़ने की बहाली पर झींगा की भरपूर पकड़ का जश्न मना रहे

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। समुद्र ने आखिरकार मालपे के नाडाडोनी मछुआरों का साथ दिया है, जिन्होंने लंबे समय तक मानसून की सुस्ती के बाद प्रचुर मात्रा में झींगा पकड़ते हुए पारंपरिक नाव से मछली पकड़ना फिर से शुरू कर दिया है। इस साल, खराब मौसम के कारण मछुआरे सामान्य से देर से मछली पकड़ने निकले। परंपरागत रूप से, जून से मछली पकड़ने पर प्रतिबंध गहरे समुद्र में चलने वाले ट्रॉलरों की वापसी और पारंपरिक नावों से मछली पकड़ने की शुरुआत का संकेत देता है। हालाँकि, भारी बारिश और बार-बार आने वाले चक्रवातों के कारण परिचालन में देरी हुई, और अधिकांश नावें जुलाई में ही फिर से शुरू हो पाईं।

मालपे बोट फिशरमेन एसोसिएशन के अध्यक्ष सुंदर पी सालियन ने कहा पिछले साल की तुलना में इस बार मछली पकड़ने का काम काफी बेहतर है। उन्होंने कहा फिर भी, समुद्र में कभी-कभार आने वाले तूफान बड़ी नावों को समय से पहले लौटने पर मजबूर कर देते हैं, जिससे कभी-कभी नुकसान भी होता है। मालपे के मछुआरे रतन ने सकारात्मक रुझान की पुष्टि करते हुए कहा हालाँकि हमने देर से शुरुआत की, छोटे ट्रॉलर अब बड़ी मात्रा में छोटे झींगे पकड़ रहे हैं।

हालाँकि, हमें अभी भी अच्छी संख्या में बांगुडे (मैकेरल) और बुथाई (सार्डिन) नहीं मिले हैं। कुछ नावों ने कल्लूर मछली पकड़ने की भी सूचना दी है, जबकि कैरमपानी के पास मछली पकड़ने के अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। मछुआरे पिछले सीजन की कम पकड़ के लिए हल्की मछली पकड़ने और बैल ट्रॉलिंग जैसे अवैज्ञानिक तरीकों को जिम्मेदार ठहराते हैं, जिसके कारण उपज में गिरावट आई और भारी नुकसान हुआ। वर्तमान पकड़ी गई मछली की माँग बहुत अधिक है, खासकर ट्रॉलिंग प्रतिबंध के दौरान, जब पारंपरिक नाव मछली बाजार में छाई रहती है। परंपरा के अनुसार, पकड़ी गई मछली को समुद्र में जाने वाले सभी नाविकों के बीच समान रूप से बाँटा जाता है। मालपे में मछली पकड़ने का काम फिर से शुरू हो गया है, लेकिन बिंदूर क्षेत्र में नावों ने अभी तक यात्रा शुरू नहीं की है। बिंदूर की नावें आमतौर पर जुलाई में मछली पकड़ना शुरू करती हैं, लेकिन इस साल देरी जारी है। मछुआरे कई तरह के तरीकों का इस्तेमाल करते हैं, जिनमें गिलनेट, ट्रॉल और हाथ से पकड़े जाने वाले जाल शामिल हैं। मजदूरों की कमी के चलते, गहरे समुद्र में मछली पकड़ने वाले कई दल के सदस्य ज्यादातर दूसरे राज्यों से आए प्रवासी मजदूर अस्थायी रूप से घर लौट आए हैं और उनके ट्रॉलिंग प्रतिबंध हटने के बाद ही वापस आने की उम्मीद है।

डीके में 6,000 से अधिक बच्चे दृष्टि संबंधी समस्याओं से पीड़ित

मोबाइल के उपयोग को ठहराया जिम्मेदार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ (डीके) में एक चौंकाने वाली स्वास्थ्य समस्या सामने आई है, जहाँ 6,000 से ज्यादा बच्चे दृष्टि संबंधी समस्याओं से ग्रस्त पाए गए हैं। इनमें से लगभग 5,000 छात्रों को चश्मे की जरूरत है। यह चिंताजनक प्रवृत्ति सरकारी और निजी, दोनों स्कूलों में देखी गई है, और संस्थान के प्रकार के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने इस बढ़ती समस्या के पीछे मोबाइल फोन के बेतहाशा इस्तेमाल को मुख्य कारण बताया है। 6 से 16 साल की उम्र के बच्चों में दृष्टि दोष के लक्षण तेजी से दिखाई दे रहे हैं। कुछ बच्चों को हल्की दृष्टि संबंधी समस्याएँ हैं, जबकि अन्य को तत्काल चिकित्सा सहायता की जरूरत है। माता-पिता द्वारा स्क्रीन टाइम सीमित करने की बार-बार चेतावनी के बावजूद, कई बच्चे इन निर्देशों की अनदेखी कर रहे हैं, जिससे उनकी स्थिति और बिगड़ रही है। कोविड-19 महामारी के बाद से, बच्चों की मोबाइल फोन पर निर्भरता और भी बढ़ गई है, और यह सिर्फ आँखों से जुड़ी समस्याओं तक ही सीमित नहीं है, कई बच्चों में अन्य स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएँ भी विकसित हो रही हैं, जो चिंता का एक बड़ा कारण बन गई हैं। बच्चों में बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, खासकर मोबाइल फोन की लत के कारण, को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने दक्षिण कन्नड़ में मनोस्थैर्य (मानसिक शक्ति) कार्यक्रम शुरू किया है। शिक्षा विभाग ने इस समस्या के समाधान के लिए समर्पित अधिकारियों की नियुक्ति की है और शिक्षकों व विभागीय कर्मचारियों के लिए नियमित कार्यशालाएँ आयोजित की जा रही हैं। हालाँकि, प्रभावित बच्चों की संख्या के बारे में सटीक आँकड़ों का अभाव, शिक्षा विभाग के भीतर भी, एक बड़ी कमी बनी हुई है। मनोस्थैर्य कार्यक्रम के प्रभारी अधिकारी डॉ. सुदर्शन ने कहा मोबाइल की लत कम करने के लिए विभिन्न रणनीतियों को लागू करने के बावजूद, बच्चे इसके जाल में फँसते जा रहे हैं।

उन्हें मोबाइल की दुनिया से दूर करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। बच्चों को मोबाइल फोन उपलब्ध कराते समय सावधानी बरतना ही एकमात्र उपाय है। मेंगलूरु के प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक डॉ. किरण कुमार पी.के. ने कहा कई माता-पिता अब अपने बच्चों को मोबाइल का उपयोग कम करने में मदद के लिए परामर्शदाताओं से संपर्क कर रहे हैं। समस्याएँ केवल दृष्टि और मानसिक स्वास्थ्य तक ही सीमित नहीं हैं - बच्चे कमजोर बुद्धि, नींद संबंधी विकार और भाषा विकास में देरी का भी सामना कर रहे हैं। यह एक बेहद चिंताजनक स्थिति बन गई है। लोक शिक्षण एवं साक्षरता विभाग के उप निदेशक गोविंदा मदिवाल ने कहा स्कूलों में मोबाइल फोन का इस्तेमाल पूरी तरह से प्रतिबंधित है। हालाँकि, छात्र अभी भी घर पर या कहीं और इसका भरपूर इस्तेमाल करते हैं। शिक्षक लगातार छात्रों को मोबाइल के इस्तेमाल के हानिकारक प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, इसका इस्तेमाल कम नहीं हुआ है, जो निराशाजनक है। दक्षिण कन्नड़ जिले में कक्षा 1 से 10 तक के कुल छात्रों की संख्या 3,27,959 है। इसमें बंटवाल संभाग में 62,744, बेलटांगडी में 40,217, मेंगलूरु उत्तर में 67,214, मेंगलूरु दक्षिण में 69,312, मूडबिद्री में 21,215, पुत्तूर में 47,386 और सुल्लिया संभाग में 19,871 छात्र शामिल हैं।

266वां तेरापंथ स्थापना दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजराजेश्वरी नगर के तेरापंथ भवन में गुरुवार को 266वां तेरापंथ स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र एवं त्रिपदी वंदना के साथ हुआ।

तेरापंथी सभा एवं तेयुप के सदस्यों ने 'हमारे भाग्य बड़े बलवान, मिला यह तेरापंथ महान' का संगान किया। 266वें स्थापना दिवस पर अपने उद्गारों को अभिव्यक्ति देते हुए साध्वी श्री पुण्ययशाजी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा तेरापंथ के पास नेतृत्व की कला, समर्पण का शौर्य, अनुशासन की शैली, विजय की परम्परा और आचार्य भिक्षु का अथक श्रम है। आचार्य भिक्षु का संकल्प फौलादी चट्टान की तरह था। साहस उनका कवच और ढ़ाल थी, पुरुषार्थ उनका विश्वास था। इसलिए पांव पांव चलकर भी वे अपने मुकाम तक पहुंच गये। उनकी सहिष्णु-चेतना जीवन भर अंधेरी गलियों को बुहारती रही ताकि आने वाली पीढ़ी कभी अपने लक्ष्य से भटक न जाए। आज जरूरी है सहिष्णु-चेतना जगाने की। हम परिस्थितियों के साथ समझौता न करें। उन्हें अपने लक्ष्य के अनुसार ढ़ाले, तभी जिंदगी को नई पहचान दे सकेंगे। साध्वी विनीतयशा जी ने अपने वक्तव्य एवं साध्वी वर्धमानयशा जी ने ओजस्वीपूर्ण कविता के माध्यम से तेरापंथ की स्थापना का सुन्दर सटीक वर्णन किया। सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़, तेयुप अध्यक्ष विक्रम महेर, तेममं अध्यक्ष मंजु बोथरा, उपासिका हेमलता सुराणा ने भावाभिव्यक्ति दी। महिला मंडल की बहनों द्वारा प्रश्नोत्तर शैली में रोचक काव्य के द्वारा तेरापंथ की स्थापना एवं विशेषता को प्रतिपादित किया। तेरापंथ की धरोहर सभी 11 आचार्यों की विशिष्टताओं से सिंचित धर्मसंघ की घटनाओं का आकलन करते हुए मंच संचालन साध्वी बोधिप्रभा जी ने किया। संघगीत के सामूहिक संगान उपरांत मंगलपाठ श्रवण से गौरवपूर्ण अनुभूति के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

तटीय कर्नाटक के लिए 15 जुलाई तक अलर्ट जारी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तटीय क्षेत्र में बुधवार को रुक-रुक कर बारिश होती रही, हालाँकि जिले के कई हिस्सों में कुछ देर के लिए बारिश रुकी रही। मेंगलूरु में दिन की शुरुआत धूप और बादलों के मिश्रण के साथ हुई, जिसके बाद दोपहर में मध्यम बारिश हुई।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार, तटीय क्षेत्र के लिए गुरुवार से 15 जुलाई तक येलो अलर्ट जारी किया गया है, इस दौरान मध्यम से भारी बारिश की संभावना है। उडुपी जिले में बुधवार को मध्यम बारिश हुई। सुबह से दोपहर तक बादल छाए रहे और बीच-बीच में धूप भी खिली। दोपहर के बाद, उडुपी, मणिपाल, बिंदूर, कुंदापुर, कोटा, ब्रह्मवर, मालपे, करकला, हेबरी, शिरवा, पदुबिद्री, कौप और उचिला सहित कई इलाकों में बारिश की गतिविधियाँ तेज हो गईं और सभी जगहों पर मध्यम बारिश हुई। आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक पूरे क्षेत्र में मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है।

चातुर्मास आत्मशुद्धि का पर्व, साधना का समर्पण, और धर्म की सुगंध से भरा पावन काल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। इस वर्ष श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में चातुर्मास की शुभ शुरुआत तप कौमुदी साध्वी निर्मलाजी के सान्निध्य में, भावभीनी भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जस्विता के साथ संपन्न हुई। साध्वी नंदिनी जी ने चातुर्मास के प्रथम दिन प्रवचन में कहा कि चातुर्मास जीवन में नई चेतना और नवसंस्कारों का संचार करता है। यह आत्मचिंतन और आत्मसाक्षात्कार का काल है। हम सभी को इस चातुर्मास में सद्बुद्धि, धर्म और कल्याण की प्राप्ति हो यही मंगलकामना है। गुरु पूर्णिमा के विशेष प्रसंग पर साध्वीश्री ने श्रद्धापूर्वक कहा गुरु जीवन के दीप हैं। जिन्होंने जीवन की नाव को दिशा दी, उन्हें समर्पण ही सच्चा कृतज्ञता भाव है। अंधकार में जैसे दीपक, वैसे ही जीवन में गुरु है। उन्होंने कहा साधना का सप्तरंगी सौपान है चातुर्मास। यह आत्मा को जाग्रत करने वाला दिव्य क्षण है। जीवन में पानी तन को और वाणी मन को तृप्त करती है। आकाश से वर्षा और गुरुमुख से वाणी दोनों जीवन के स्रोत हैं। पानी जीवन को चलाता है, वाणी जीवन को बनाती है। साध्वीश्री ने सभी को प्रत्याख्यान का संकल्प लेकर जीवन में आत्मबल और संयम की ज्योति प्रज्वलित करने की प्रेरणा दी। अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया एवं त्रिशला बहु मंडल से नीमा देरासरिया ने विचार व्यक्त किए। जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय मंत्री कन्हैयालाल सुराणा एवं साथ ही श्रीरामपुरम, विजयनगर, हनुमंतनगर, मल्लेश्वरम सहित अनेक संघों के पदाधिकारीगण और श्रावकगण उपस्थित रहे। आभार ज्ञापन संघ उपाध्यक्ष रोशन नाहर, सहमंत्री राकेश दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का सुसंवादपूर्ण संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

लोन वर्राटू अभियान से लाल दहशत खत्म होने की ओर

अब तक 1005 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 28 लाख 50 हजार के इनामी चार महिला नक्सलियों सहित 12 नक्सलियों ने बुधवार को लोन वर्राटू अभियान के तहत दंतेवाड़ा के एसपी गौरव रॉय के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पित नक्सलियों का आंकड़ा एक हजार पार करने पर दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने केक कटकर खुशी जाहिर की।

सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि के साथ छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मिलने वाली अन्य सुविधाएं जैसे स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रशिक्षण, कृषि भूमि इत्यादि मुहैया कराई जाएगी। नक्सलियों को आत्मसमर्पण कराने में डीआरजी, बस्तर फाईटर्स, आसूचना शाखा दंतेवाड़ा, आरएफटी (आसूचना शाखा) दंतेवाड़ा, 111वीं वाहिनी सीआरपीएफ एवं 241वीं वाहिनी सीआरपीएफ बस्तर का योगदान रहा।

दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक कार्यालय के मुताबिक 12 आत्मसमर्पित नक्सलियों में आठ लाख की इनामी चंद्रना, गंगालूर (डीकेएसएम/पश्चिम बस्तर डिवीजन अध्यक्ष) तथा आठ लाख का इनामी अमित उर्फ हिंगा बारसा, जगरगुंडा (डीकेएसएम कंपनी नंबर 10 सदस्य) शामिल हैं। इनके साथ ही पांच लाख की इनामी अरुणा (डीकेएसएम मेडिकल टीम सदस्य), तीन लाख का इनामी देवा कवासी (लाइन नंबर 32 कमांडर), दो लाख का इनामी राजेश मड़काम (डीकेएसएम बीजापुर अध्यक्ष), एक लाख का इनामी पायके ओयाम (परिया कमेटी पार्टी सदस्य) तथा 50-50 हजार के इनामी कोसा सोढ़ी ईनमी(आरपीसी सदस्य), महेश लेकाम (आरपीसी सदस्य) तथा राजू करटाम (आरपीसी सदस्य) ने भी आत्मसमर्पण किया है।इनके अतिरिक्त साथ में हिड़मे कोवासी, जीबू उर्फ रोशन और अनिल लेकाम नामक नक्सलियों ने भी आत्मसमर्पण किया है, इन पर इनाम घोषित नहीं था।

उल्लेखनीय है कि जून 2020 में प्रारंभ हुए लोन वर्राटू (घर वापसी) अभियान के अंतर्गत अब तक 1005 नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण कर चुके हैं, इनमें से 205 इनामी नक्सली भी शामिल है। छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पित व गिरफ्तार नक्सलियों तथा मुखबिरों से क्षेत्र में सक्रिय नक्सलियों की गहन पूछताछ कर नक्सल प्रोफाइल तैयार किया गया है। इसके पश्चात थानावार नक्सलियों की सूची तैयार कर संबंधित थाना, कैंपों एवं ग्राम पंचायतों में सक्रिय इनामी नक्सलियों के नाम चस्पा किए गए। इसी क्रम में लोन वर्राटू अभियान को जून 2020 से दंतेवाड़ा पुलिस द्वारा संचालित किया जा रहा है, जिसके तहत नक्सली संगठन में सक्रिय लोगों से मुख्यधारा में लौटकर सम्मानजनक जीवन जीने की लगातार अपील की जा रही है।

कश्मीर की वुलर झील में 30 साल बाद खिला कमल

जम्मू/श्रीनगर, 10 जुलाई (ब्यूरो)।

बांदीपुरा में एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील वुलर है। विनाशकारी बाढ़ आ जाने के बाद यहां से कमल के फूल विलुप्त हो गए थे। करीब 30 साल बाद अब एक बार फिर वुलर झील कमल फूल का घर बन रही है। अब्दुल रशीद डार कश्मीर के बांदीपुरा में वुलर झील के किनारे बैठे हुए हैं और वह इसे हैरानी से देख रहे हैं। उनके सामने गुलाबी कमलों का एक पूरा समुद्र है और वह पूरी तरह से खिले हुए हैं। एक कमल को छूते हुए अब्दुल रशीद डार ने कहा, मुझे अपनी आंखों पर यकीन नहीं हो रहा। बचपन में मैं अपने पिता के साथ कमल के डंठल तोड़ने जाता था, लेकिन वो बहुत समय पहले की बात है। मुझे लगता था कि हमने ईश्वर का यह तोहफा हमेशा के लिए खो दिया है। यह पूरा बदलाव अपने आप नहीं हुआ है बल्कि वुलर कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी के संरक्षण की बदौलत आया है। अथॉरिटी ने बाढ़ से इकट्ठा हुई गाद को साफ करने के लिए झील से गाद निकालने का काम शुरू कर दिया था।वुलर कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी के जोनल ऑफिसर मुदासिर अहमद ने कहा, पिछले कुछ

सालों में जिन इलाकों से हमने गाद हटाई है, वहां कमल के फूल फिर से खिल रहे हैं। चूंकि, कमल के बीज गाद और मिट्टी में गहरे दबे हुए थे, इसलिए वे उग नहीं पाए। अब जब गाद हटा दी गई है, तो कमल फिर से उग आए हैं। डार के पिता कमल के स्टेम की खेती करते थे। उन्होंने कहा, यह एक चमत्कार है। बांदीपुरा और सोपोर कस्बों के बीच मौजूद और लगभग 200 वर्ग किलोमीटर में फैली यह झील कभी कमलों से भरी रहती थी। कमल के स्टेम को स्थानीय नदरू के नाम से जाना जाता है। यह कश्मीर में एक स्वादिष्ट व्यंजन है। स्थानीय बाजारों में नदरू 250 से 300 रुपए प्रति किलोग्राम बिकता है। इसका पुनरुत्थान वुलर झील के आसपास रहने वाले दर्जनों परिवारों के लिए नई उम्मीद लेकर आया है जो अपनी आजीविका के लिए मौसमी झील की उपज पर निर्भर हैं। घाटी की डल और मानसबल झील में भी कमल उगता है। इसके स्टेम की कटाई ही आजीविका का साधन है। इसकी कटाई का प्रोसेस काफी मुश्किल भरा है और किसान स्टेम को निकालने के लिए गर्दन तक पानी में उतरते हैं।सितंबर 1992 में कश्मीर में विनाशकारी बाढ़ आई थी। इसकी वजह से वुलर झील के इकोसिस्टम को काफी नुकसान पहुंचा। यहां पर भारी मात्रा में गाद जमा हो गई। इसकी वजह से कमल के पौधे दब गए और झील के प्रवाह पर काफी असर हुआ। यहां के लोगों के लिए यह रोजी-रोटी का नुकसान था। झील के किनारे बसे लंकरेशिपोरा गांव के रहने वाले गुलाम हसन रेशी ने कहा, उस साल कमल पूरी तरह खिल चुका था। फिर हमने कमल को हमेशा के लिए खो दिया। कम से कम अब तक तो हम यही सोचते थे।वुलर कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी ने इकोसिस्टम को बनाए रखने के लिए एक प्रोजेक्ट शुरू किया। इसका एक बड़ा काम झील की गाद निकालना था। अथॉरिटी की मेहनत काफी रंग लाई। पिछले साल कमल के फूलों में फिर से जान आने के संकेत मिलने लगे। वुलर कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी के जोनल ऑफिसर मुदासिर अहमद ने कहा कि इस साल अथॉरिटी ने झील में कमल के बीज बिखेरे। गुलाम हसन रेशी ने कहा, ड्रेजिंग ने सब कुछ बदल दिया कई सालों तक, गांव वाले कमल के बीज झील में डालते रहे, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।झेलम नदी से प्राप्त मुख्य जलस्रोतों वाली वुलर झील, दक्षिण एशिया के सबसे बड़े मीठे पानी के निकायों में से एक है और रामसर कन्वेंशन के तहत इसे अंतरराष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि भी घोषित किया गया है। यह कश्मीर में बाढ़ नियंत्रण, जल शोधन और जैव विविधता संरक्षण में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाती है। पिछले कुछ वर्षों में झील को गाद, अतिक्रमण और खराब प्रबंधन के बढ़ते खतरों का सामना करना पड़ा। कमल के फूलों की वापसी को अब एक आशाजनक संकेत के रूप में देखा जा रहा है, वुल्लर की लंबी और नाजुक पारिस्थितिक यात्रा में एक संभावित मोड़ के तौर पर भी देखा जा रहा है।

भारतीय ज्ञान को दरकिनार कर पश्चिमी अवधारणाओं को सार्वभौमिक सत्य बताया गया : धनखड़

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भारतीय ज्ञान प्रणाली को योजनाबद्ध ढंग से दरकिनार किए जाने तथा पश्चिमी अवधारणाओं को सार्वभौमिक सत्य के रूप में प्रस्तुत करने की आलोचना करते हुए कहा है कि यह मिटाने,नष्ट करने तथा विकृत करने की योजना के तहत किया गया और दुखद बात यह है कि आजादी के बाद भी यह सिलसिला चलता रहा।श्री धनखड़ ने गुरूवार को यहां भारतीय ज्ञान प्रणाली पर पहले वार्षिक सम्मेलन में औपनिवेशिक मानसिकता से परे भारत की पहचान को पुनः स्थापित करते हुए कहा कि भारत केवल 20वीं सदी के मध्य में बना राजनीतिक राष्ट्र नहीं है, बल्कि यह चेतना, जिज्ञासा और ज्ञान की प्रवाहित नदी के रूप में एक सतत सभ्यता है।उन्होंने कहा कि भारतीय विचारों को केवल आदिम और पिछड़ेपन का प्रतीक मानकर खारिज करना केवल एक व्याख्यात्मक भूल नहीं थी। यह मिटाने, नष्ट करने और विकृत करने की योजना थी। इससे भी अधिक दुखद यह है कि स्वतंत्रता के बाद भी यह चलता रहा।

उन्होंने कहा कि पश्चिमी अवधारणाओं को सार्वभौमिक सत्य के रूप में प्रस्तुत किया गया। साफ़ शब्दों में कहें तो असत्य को सत्य के रूप में सजाया गया।

उन्होंने सवाल किया,जो हमारी बुनियादी प्राथमिकता होनी चाहिए थी, वह तो विचार के दायरे में भी नहीं थी। हम अपनी मूल मान्यताओं को कैसे भूल सकते हैं?श्री धनखड़ ने कहा , भारत का वैश्विक शक्ति के रूप में उदय उसकी बौद्धिक और सांस्कृतिक गरिमा के उत्थान के साथ होना चाहिए। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि ऐसा उदय ही टिकाऊ होता है और हमारी परंपराओं के अनुकूल होता है। एक राष्ट्र की शक्ति उसकी सोच की मौलिकता, मूल्यों की सामयिकता और बौद्धिक परंपरा की दृढ़ता में निहित होती है। यही सॉफ्ट पावर (सांस्कृतिक प्रभाव) है जो दीर्घकालिक होता है और आज के विश्व में अत्यंत प्रभावशाली है।भारत की बौद्धिक यात्रा में ऐतिहासिक व्यवधानों का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा,इस्लामी आक्रमण ने भारतीय विद्या परंपरा में पहला व्यवधान डाला, जहां समावेशन की बजाय तिरस्कार और विध्वंस का मार्ग अपनाया गया। ब्रिटिश उपनिवेशवाद दूसरा व्यवधान लेकर आया जिसमें भारतीय ज्ञान प्रणाली को पंगु बना दिया गया, उसकी दिशा बदल दी गई। विद्या के केंद्रों का उद्देश्य बदल गया, दिशा भ्रमित हो गई। ऋषियों की भूमि बाबुओं की भूमि बन गई। ईस्ट इंडिया कंपनी को 'ब्राउन बाबू' चाहिए थे जबकि राष्ट्र को विचारकों की जरूरत होती है।

उन्होंने कहा,हमने सोचना, चिंतन करना, लेखन और दर्शन छोड़ दिया। हमने रटना, दोहराना और निगलना शुरू कर दिया। ग्रेड्स (अंक) ने चिंतनशील सोच का स्थान ले लिया। भारतीय विद्या परंपरा और उससे जुड़े संस्थानों को सुनियोजित ढंग से नष्ट किया गया।

उपराष्ट्रपति ने भारत के विश्वविख्यात विश्वविद्यालयों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब यूरोप के विश्वविद्यालय अस्तित्व में नहीं थे, तब भारत के तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला, वल्लभी और ओदंतपुरी ज्ञान के महान केंद्र थे। इनके विशाल पुस्तकालयों में हजारों पांडुलिपियाँ थीं। उन्होंने कहा कि इन वैश्विक विश्वविद्यालय में कोरिया, चीन, तिब्बत और फारस जैसे देशों से भी विद्यार्थी आते थे। ये ऐसे स्थल थे जहां विश्व की बुद्धिमत्ता भारत की आत्मा से आलिंगन करती थी।

श्री धनखड़ ने ज्ञान को व्यापक रूप में समझने का आह्वान करते हुए कहा, ज्ञान केवल ग्रंथों में नहीं होता यह समुदायों में, परंपराओं में, और पीढ़ियों से हस्तांतरित अनुभव में भी जीवित रहता है।उप राष्ट्रपति ने कहा कि संस्कृत, तमिल, पाली, प्राकृत आदि सभी शास्त्रीय भाषाओं के ग्रंथों के तत्काल डिजिटलीकरण की व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सामग्री शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए सरलता से सुलभ होनी चाहिए।

श्री धनखड़ ने परंपरा और नवाचार के बीच संबंध की चर्चा करते हुए कहा कि अतीत की ज्ञान-परंपरा नवाचार की विरोधी नहीं बल्कि प्रेरक होती है। उन्होंने कहा कि अध्यात्म और वैज्ञानिकता साथ-साथ चल सकते हैं लेकिन इसके लिए यह जानना होगा कि अध्यात्म क्या है।उप राष्ट्रपति ने कहा,आज हम विभाजित और संघर्षपूर्ण विश्व से जूझ रहे हैं। ऐसे में भारत की वह ज्ञान परंपरा जो आत्मा और जगत, कर्तव्य और परिणाम, मन और पदार्थ के बीच संबंधों पर हजारों वर्षों से चिंतन करती रही है एक समावेशी, दीर्घकालिक समाधान के रूप में पुनः प्रासंगिक हो उठती है।इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शांतिश्री धुलीपुडी पंडित, प्रो. एम.एस. चैत्र , प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय टोली सदस्य तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट निमिषा की फांसी पर रोक की याचिका पर 14 को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय हत्या के एक मामले में केरल निवासी नर्स निमिषा प्रिया की यमन में 16 जुलाई को निर्धारित फांसी की सजा पर रोक और उसकी रिहाई के लिए केंद्र सरकार को कूटनीतिक प्रयास करने का निर्देश देने की मांग संबंधी एक याचिका पर 14 जुलाई को सुनवाई करेगी।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की आंशिक कार्य दिवस पीठ ने 'सेव निमिषा प्रिया एक्शन काउंसिल' नामक एक संगठन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता रागेंथ बसंत के शीघ्र सुनवाई के अनुरोध के बाद संबंधित याचिका को (14 जुलाई के लिए) सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

अधिवक्ता बसंत ने 'विशेष उल्लेख' के दौरान अदालत से यह अनुरोध किया था।

वरिष्ठ अधिवक्ता ने पीठ के समक्ष दलील दी कि शरीयत कानून के अनुसार, अगर पीड़ितों के रिश्तेदार 'खूंबहा' स्वीकार करने को तैयार हों, तो किसी व्यक्ति को रिहा किया जा सकता है। खूंबहा का मतलब है कि पीड़ित परिवार को मुआवजे का प्रस्ताव दिया जाये और वे इसे लेने को तैयार हों तो अभियुक्त की सजा माफ की जा सकती है। कई अरब मुल्कों में ऐसा कानून लागू है।उन्होंने आग्रह करते हुए अदालत के समक्ष कहा, कृपया आज या कल सूचीबद्ध करें, क्योंकि 16 जुलाई फांसी की तारीख है। राजनयिक माध्यम से बातचीत के लिए भी समय की आवश्यकता होती है।

याचिका में फांसी पर रोक और रिहाई के लिए भारत सरकार से कूटनीतिक बातचीत के जरिए प्रयास करने की गुहार लगायी गयी है।पीठ की ओर से न्यायमूर्ति धूलिया ने अधिवक्ता से पूछा कि उस व्यक्ति को मौत की सज़ा क्यों सुनाई गयी। इस पर श्री बसंत ने जवाब दिया, निमिषा (नर्स) केरल की रहने वाली एक भारतीय नागरिक है। वह वहाँ नर्स की नौकरी के लिए गयी थी। स्थानीय व्यक्ति ने उसे प्रताड़ित करना शुरू किया और उसकी (यमन के एक व्यक्ति) हत्या कर दी गयी।

निमिषा को वर्ष 2017 में यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या का दोषी पाए जाने के बाद मौत की सज़ा सुनाई गयी थी। निमिषा ने कथित तौर पर अपने पासपोर्ट को वापस पाने के लिए महदी को बेहोशी का इंजेक्शन दिया था।

निमिषा को कथित तौर पर महदी द्वारा दुर्व्यवहार और यातना का सामना करना पड़ा था।इससे पहले निमिषा की माँ ने उसकी रिहाई के प्रयास के लिए यमन जाने की अनुमति दिल्ली उच्च न्यायालय से मांगी थी।

उनकी इस उस याचिका पर केंद्र सरकार ने नवंबर 2023 में उच्च न्यायालय को सूचित किया था कि यमन के सर्वोच्च न्यायालय ने उसकी अपील खारिज कर दी है।

फडणवीस ने किया मुंबई सिंदूर फ्लाईओवर का उद्घाटन

मुंबई 10 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को दक्षिण मुंबई में पुनर्निर्मित मुंबई सिंदूर फ्लाईओवर का उद्घाटन किया।

फ्लाईओवर के उद्घाटन के अवसर पर श्री फडणवीस के साथ महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर भी मौजूद थे। यह फ्लाईओवर वाहनों के लिए आज अपराह्न तीन बजे खोला जायेगा। यह फ्लाईओवर दक्षिण मुंबई में पूर्व-पश्चिम यातायात को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह नया पुल 150 साल पुराने कर्नाक पुल की जगह लेगा, जिसे मध्य रेलवे द्वारा असुरक्षित घोषित किए जाने के बाद अगस्त 2022 में ध्वस्त कर दिया गया था।

यह छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मस्जिद बंदर और मोहम्मद अली रोड क्षेत्रों के बीच एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग की यात्रा को सुगम बनाता है। कार्नाक ब्रिज का नाम बदलकर सिंदूर फ्लाईओवर करने का निर्णय पाकिस्तान में आतंकवादी शिविरों पर भारत के सफल सैन्य हमलों के बाद लिया गया था।

हिमाचल और पूर्वोत्तर में बाढ से प्रभावित लोगों की मदद कर रही है सेना

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय सेना बाढ से जूझ रहे हिमाचल प्रदेश और पूर्वोत्तर में बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान में नागरिक प्रशासन की मदद कर रही है।सेना की ओर से गुरूवार को बताया गया कि हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में हाल ही में आई बाढ़ के बाद स्थानीय प्रशासन द्वारा चलाये जा रहे राहत और बचाव अभियान में सेना की टुकड़ियां राज्य आपदा मोचन बल , राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और स्थानीय अधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर मदद कर रही हैं।

सेना ने थुनाग, बग्सियाड और पंडोह सहित प्रमुख स्थानों पर टुकड़ियाँ तैनात की हैं जो आवश्यक आपूर्ति जारी रखने के लिए महत्वपूर्ण पहुंच मार्गों को खोल रही है। इसके अलावा थुनाग में चिकित्सा सहायता और राहत सामग्री के वितरण में भी मदद की जा रही है।

सेना के जवान दुर्गम गाँवों में नागरिक प्रशासन के साथ मिलकर राहत सामग्री भी पहुंचा रहे हैं।बाढ से बेहाल पूर्वोत्तर क्षेत्र में भी सेना ने ऑपरेशन जल राहत- दो के तहत नागालैंड, असम और मणिपुर में व्यापक मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियान शुरू किया है। सेना ने इस अभियान के लिए कुल 40 राहत टुकड़ियां तैनात की हैं।

इस अभियान में अब तक 3820 लोगों को बचाया गया है और भोजन के 1361 पैकेट वितरित किये गये हैं।सेना की ओर से 2095 लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान की गई है और 15 हजार से अधिक पानी की बोतलें वितरित की गयी हैं।सेना ने कहा है कि वह प्राकृतिक आपदा के समय संकट में फंसे लोगों की मदद करने की प्रतिबद्धता पर अड़िग है और राहत तथा बचाव अभियानों में मदद करती रहेगी।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

शैतान छांगुर ने कराए 1500 से ज्यादा हिंदू लड़कियों का धर्मांतरण

लखनऊ, 10 जुलाई (ब्यूरो)।
शैतान जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा ने डेढ़ हजार से ज्यादा हिंदू लड़कियों का धर्मांतरण कराया। खास बात यह रही कि स्थानीय प्रशासन और पुलिस इससे आंखें मूंदे रही। अवैध धर्मांतरण कराने वाले छांगुर बाबा ने तीन-चार हजार से अधिक हिंदुओं को निशाना बनाया था, जिनको वह अपना अनुयायी और मुरीद बताता था। इनमें महिलाओं की संख्या 1500 से अधिक होने की आशंका जताई गई है। छांगुर बाबा के अवैध धर्मांतरण रैकेट की जांच करने वाली एसटीएफ को इसके पुख्ता सुराग मिले थे, जिसके बाद जांच का जिम्मा यूपी एटीएस को सौंप दिया गया। अब एटीएस अवैध धर्मांतरण का शिकार लोगों को चिन्हित कर रही है, हालांकि उनमें से अधिकतर छांगुर बाबा के खिलाफ बोलने को तैयार नहीं हैं।

छांगुर बाबा बलरामपुर आने से पहले महाराष्ट्र और दुबई में अपना नेटवर्क बना चुका था। महाराष्ट्र में भी उसने बड़ी संख्या में लोगों का अवैध तरीके से धर्मांतरण कराया है। वह मुंबई में एक दरगाह के बाहर अंगूठी बेचता था, देखते ही देखते वह अवैध धर्मांतरण के अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का हिस्सा बन गया। हिंदुओं को इस्लाम धर्म में शामिल कराने में जुटीं खाड़ी देशों की कई संस्थाओं में उसकी गहरी पैठ बन गई। वहीं बलरामपुर आने के बाद उसने आसपास के जिलों में अवैध धर्मांतरण कराना शुरू कर दिया।

उसके करीबी रिश्तेदार और अनुयायी जगह-जगह जाकर बाकायदा इस्लाम धर्म में लोगों को शामिल होने के लिए प्रेरित करने के कार्यक्रम करते थे। उसके कई रिश्तेदारों पर आजमगढ़ में इसी तरह अवैध धर्मांतरण कराने पर दो वर्ष पूर्व मुकदमा भी दर्ज हुआ था। एसटीएफ के मुताबिक बलरामपुर और आसपास के जिलों में उसने पुलिस, प्रशासन, एलआईयू के कुछ अफसरों को मुंहमांगी रकम देकर खरीद लिया था। इसी वजह से उसका विरोध करने वालों पर तत्काल मुकदमा दर्ज कर लिया जाता था। उसके समर्थक विरोध करने वालों के साथ मारपीट पर उतारू हो जाते थे और बाद में पीड़ित के खिलाफ ही मुकदमा दर्ज करा देते थे।

छांगुर बाबा और उसकी करीबी नीतू रोहरा उर्फ नसरीन को अदालत ने बुधवार को सात दिन की रिमांड पर एटीएस के सुपुर्द करने का आदेश दिया है। दोनों की रिमांड अवधि बृहस्पतिवार से शुरू होगी। इस दौरान छांगुर बाबा से आईबी और एनआईए के अधिकारी भी पूछताछ करेंगे। साथ ही, विदेशों से आने वाली रकम के बारे में भी सवाल किए जाएंगे, जो कई एनआरई-एनआरओ खातों से भेजी गई थी। छांगुर बाबा मधुपुर ग्राम में स्थित चांद औलिया दरगाह में सालाना उर्स कराता था, जिसमें विदेश से भी लोग आते थे। उसने नवीन घनश्याम और नीतू की नाबालिग बेटी का दुबई में धर्मांतरण कराया था, जिसकी वजह से उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी है। तीनों के धर्म परिवर्तन के बावजूद उनका पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक खाते हिंदू नाम से ही हैं। हजारों हिंदू और गैर-मुस्लिम महिला-पुरुषों का अवैध धर्मांतरण कराने वाला जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बलरामपुर व आसपास के जिलों की धार्मिक बसावट बदलना चाहता था। वह गैर-मुस्लिमों को इस्लाम अपनाने के लिए हर तरह का लालच देता था। एटीएस की कोर्ट में दी जानकारी के मुताबिक, उसका मंसूबा बलरामपुर में इस्लामी दावा केंद्र और मदरसा बनाने का था। एटीएस ने छांगुर और उसकी करीबी नीतू उर्फ नसरीन को रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट में बताया कि वह हिंदू धर्म के प्रति नफरत फैलाकर भारत को इस्लामी मुल्क बनाना चाहता था। एनआईए की विशेष अदालत के विशेष न्यायाधीश हुसैन अहमद अंसारी ने छांगुर और नसरीन की सात दिन की पुलिस रिमांड मंजूर की है। एटीएस के वकील ने अदालत को बताया कि जलालुद्दीन संगठित रूप से हिंदू, गैर-मुस्लिम समुदाय के गरीबों, असहाय मजदूरों, कमजोर वर्ग के लोगों, विधवा महिलाओं को आर्थिक मदद, शादी कराने, नौकरी का लालच देकर अवैध तरीके से धर्मांतरण कराता था। कई लोगों का धर्मांतरण डरा-धमकाकर भी कराया गया है। वह अवैध धर्मांतरण कर मुस्लिमों की संख्या बढ़ाकर देश की जनसांख्यिकी को प्रभावित कर रहा था।

छांगुर का साथी नवीन रोहरा दुबई से बलरामपुर आने के बाद बड़ी संख्या में जमीनें खरीद रहा था। उसके खाते में विदेश से करोड़ों रुपए आए जिनमें ज्यादातर उसकी पत्नी नीतू, छांगुर और महबूब के खातों में ट्रांसफर किए गए। बताया जा रहा है कि स्विस बैंक में भी नवीन का खाता है। एटीएस रिमांड के दौरान छांगुर और नीतू को बलरामपुर लेकर जाएगी जहां धर्मांतरण से जुड़े दस्तावेज बरामद किए जाने हैं। साथ ही उनसे विदेश से हो रही फंडिंग के बारे में भी पूछताछ की जाएगी। दोनों के मोबाइल समेत सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से डाटा भी जुटाया जाएगा। उम्मीद है कि इनसे अवैध धर्मांतरण से जुड़े अहम सुबूत मिलेंगे। इसके अलावा गिरोह के सदस्यों के बारे में भी पूछताछ की जाएगी।

योगी सरकार के शिक्षा सुधारों को मिली न्यायिक मान्यता

छोटे स्कूलों के विलय पर खंडपीठ ने भी लगाई मुहर

लखनऊ, 10 जुलाई (ब्यूरो)।
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के समेकन अभियान को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने एक बार फिर संवैधानिक और जनहित में ठहराया है। इससे शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और संसाधनों के समुचित उपयोग की दिशा में योगी सरकार को बड़ी न्यायिक राहत मिली है। हाईकोर्ट का यह फैसला योगी सरकार की शिक्षा नीति को न्यायिक वैधता प्रदान करता है। यह स्पष्ट संदेश है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल भवनों से नहीं, संगठित संसाधनों और प्रभावी क्रियान्वयन से मिलती है।

गुरुवार को न्यायमूर्ति एआर मसूदी और न्यायमूर्ति श्रीप्रकाश सिंह की खंडपीठ ने स्थानीय अधिवक्ता ज्योति राजपूत द्वारा दाखिल जनहित याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में 16 जून 2025 को जारी विद्यालयों के समेकन संबंधी सरकारी आदेश को चुनौती दी गई थी। साथ ही दूरदराज़ क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के लिए परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की मांग भी की गई थी।राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता अनुज कुदेसिया और मुख्य स्थाई अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार सिंह ने दलील दी कि 7 जुलाई 2025 को इसी विषय पर एकल पीठ द्वारा पहले ही सीतापुर के 51 बच्चों की याचिका पर विस्तृत निर्णय दिया जा चुका है। इसी आधार पर कोर्ट ने झखङ को सुनवाई योग्य न मानते हुए खारिज कर दिया।

इससे पहले 7 जुलाई को न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने सभी संबंधित याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा था कि सरकार का यह कदम अनुच्छेद 21ए का उल्लंघन नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समान अवसर उपलब्ध कराना है।

कोर्ट ने यह भी माना कि छोटे स्कूलों में संसाधन बिखरे हुए थे, जिससे बच्चों को अध्यापक, पुस्तकालय, खेल-कूद और डिजिटल सुविधा जैसी आवश्यक सुविधाएं नहीं मिल पा रही थीं। सरकार की ओर से कहा गया कि 50 से कम छात्र संख्या वाले या छात्रविहीन विद्यालयों को नजदीकी स्कूलों से जोड़ा गया है, ताकि सभी छात्रों को एकीकृत रूप से बेहतर शिक्षण सुविधा मिल सके। कोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार करते हुए शिक्षा सुधारों की दिशा में इसे संविधान सम्मत और दूरदर्शी नीति करार दिया।

हीटवेव से ग्रीन वेव की ओर बढ़ रहा उत्तर प्रदेश

यूपी में राष्ट्रीय औसत से तेजी से बढ़ रहा है ग्रीन कवर

लखनऊ, 10 जुलाई (ब्यूरो)।
उत्तर प्रदेश हीट वेव से ग्रीन वेव की ओर तेजी से अग्रसर है। उत्तर प्रदेश पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण वृद्धि के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। इस दिशा क्रम में पौधरोपण महा अभियान ने इस वर्ष 2025 में एक पेड़ मां के नाम थीम के तहत 37.21 करोड़ से अधिक पौधों का रोपण कर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। पिछले आठ वर्षों से प्रदेश में चल रहे पौध रोपण महाभियान के तहत अब तक 240 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। वन विभाग की ओर से जारी की गई वर्ष 2021-22 से लेकर 2024-25 तक रोपित किए गए पौधों की जीवितता लगभग 86.67 प्रतिशत दर्ज हैं। साथ ही इस अभियान के चलते प्रदेश में हरित आवरण और फॉरेस्ट कार्बन स्टॉक में भी राष्ट्रीय औसत से तीव्र वृद्धि दर्ज की गई है।

वन विभाग ने पौधरोपण की जीवितता सुनिश्चित करने के लिए विशेष मॉनिटरिंग और मूल्यांकन व्यवस्था की है। वन विभाग की अनुश्रवण शाखा की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021-22 में पौधों की जीवितता 76.87 प्रतिशत, 2022-23 में 83.73 प्रतिशत, 2023-24 में 90.04 प्रतिशत और 2024-25 में हुए सर्वेक्षण के अनुसार 96.06 प्रतिशत दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार 2020-21 से 2024-25 के काल में प्रदेश में लगाए गए पौधों में से लगभग 86.67 प्रतिशत से अधिक पौधे जीवित हैं। जो प्रदेश में ग्रीन कवर एरिया और पर्यावरण संतुलन बढ़ाने में उल्लेखनीय वृद्धि कर रहे हैं।

प्रदेश में एक पेड़ मां के नाम एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है। इस अभियान के तहत वर्ष 2017 से अब तक उत्तर प्रदेश में हरित आवरण में लगभग 5 लाख एकड़ की ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान प्रदेश में वन और वृक्ष आवरण 9.18 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 10 प्रतिशत हो गया है। जिसके तहत प्रदेश में वृक्षावरण में वर्ष 2017 से 2021 के बीच लगभग 2 लाख और 2021 से 2023 के बीच 1.38 लाख एकड़ की वृद्धि हुई थी। जो वर्तमान में बढ़कर लगभग 5 लाख एकड़ हो चुकी है, इस उपलब्धि के साथ उत्तर प्रदेश हरित आवरण वृद्धि में वर्तमान में देश में दूसरे स्थान पर है। भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून की वन स्थिति रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 तक यूपी के वन क्षेत्रों के बाहर वृक्षावरण में 3.72 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो राष्ट्रीय औसत 3.41 प्रतिशत से अधिक है। इसके अलावा, फॉरेस्ट कार्बन स्टॉक में 2.46 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो कि राष्ट्रीय औसत 1.13 प्रतिशत से लगभग दोगुनी है। जिस आधार पर लगभग 72 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड के अवशोषण का अनुमान है, जो जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में उत्तर प्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान है।

ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन की प्रक्रिया पूरी

आरक्षण तय करने की तैयारियां शुरू

लखनऊ, 10 जुलाई (ब्यूरो)।
यूपी में अगले साल अप्रैल-मई में होने वाले पंचायत चुनाव के लिए ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन की प्रक्रिया पूरी हो गई है। इस बार 504 ग्राम पंचायतें कम हुई हैं। अगले साल होने वाले पंचायत चुनाव को लेकर विभागीय स्तर पर शुरू कवायद के तहत ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन का काम पूरा हो चुका है। अगले चरण में अब ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत, जिला पंचायत व क्षेत्र पंचायत सदस्यों सहित विभिन्न पदों का आरक्षण किया जाना है। हालांकि आरक्षण की प्रक्रिया सितंबर या अक्टूबर में शुरू होने की संभावना है, लेकिन संबंधित विभागीय अधिकारियों ने आरक्षण को लेकर मंथन शुरू कर दिया है।

पंचायती राज विभाग ने ग्राम पंचायतों का पुनर्गठन का कार्य पूरा कर लिया है। इसमें 504 ग्राम पंचायतें कम हुई हैं और अब ग्राम पंचायतों की संख्या घटकर 57695 हो गई है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सीटों के आरक्षण का निर्धारण पुरानी नियमावली से वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर ही किया जाना है। फिलहाल अब वार्डों के निर्धारण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और इसके लिए जल्द ही आपत्तियां और सुझाव मांगे जाएंगे। चूंकि पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण निर्धारित करने से पहले पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन होना बाकी है और इसके गठन में और समय लग सकता है। गठन के बाद भी आयोग को आरक्षण तय करने में तीन महीने से अधिक समय लगने की संभावना है। इसलिए संभावना है अक्टूबर तक आरक्षण की प्रक्रिया शुरू हो सकेगी।वर्ष 2021 में हुए पंचायत चुनाव में आरक्षित सीटों का भूगोल बदल जाएगा। ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत, एससी के लिए 20.69 प्रतिशत व एससी श्रेणी के लिए 0.56 प्रतिशत सीटें आरक्षित होंगी। आरक्षित सीटों में संबंधित वर्ग की महिलाओं के लिए भी 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित की जाएंगी।

यूपी पंचायत चुनाव

एक परिवार के सभी वोटर एक ही पोलिंग बूथ पर वोट देंगे

लखनऊ, 10 जुलाई (ब्यूरो)।
प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने निर्देश दिया है कि आने वाले चुनावों में इस बात का ध्यान रखा जाए कि परिवार के सभी सदस्यों का पोलिंग बूथ एक ही हो। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बृहस्पतिवार को वाराणसी में आयोजित प्रशिक्षण सत्र में जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर मतदेय स्थल पर अधिकतम 1200 मतदाताओं की संख्या के आधार पर सम्भाजन किया जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को अपडेट करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि परिवार के सभी सदस्यों का नाम एक ही पोलिंग बूथ की मतदाता सूची में रहे।

उन्होंने निर्देश दिया कि जेंडर रेशियो में सुधार किया जाए। मतदाता सूची स्पष्ट, बिना गलतियों की और मतदाताओं की फोटो साफ सुथरी लगी हो, जिससे पहचान करने में परेशानी न हो। बीएलओ की नियमानुसार नियुक्ति और मतदाता सूची सम्बन्धित शिकायतों का समाधान गम्भीरता से कराए। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करने के साथ वेयर हाउस का नियमित निरीक्षण भी करें। छोटे-छोटे समूहों में बीएलओ को भी प्रशिक्षित किया जाए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पहली बार जिला निर्वाचन अधिकारियों का भौतिक प्रशिक्षण कराया जा रहा है ताकि मतदाता सूची पुनरीक्षण के समय या चुनाव के समय मतदाता को परेशानी न हो। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि नागरिकों से मतदाता फार्म भरवाते समय उनका मोबाइल नम्बर और पता सही-सही दर्ज करायें, जिससे उन्हें अपने आवेदन को ट्रैक करने में आसानी हो। दूसरे चरण के प्रशिक्षण सत्र में आजमगढ़, बलिया, मऊ, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली, भदोही, मिर्जापुर, सोनभद्र, कुशीनगर, महाराजगंज, देवरिया, कौशांबी, प्रयागराज, अयोध्या, अंबेडकरनगर बस्ती, प्रतापगढ, सिद्धार्थनगर, अमेठी, सुल्तानपुर एवं संतकबीरनगर सहित 23 जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारी मौजूद थे।

सदन में अलग बैठेंगे सपा से निष्कासित विधायक

लेकिन विधेयक पर डाल सकेंगे वोट

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)।
सपा से निष्कासित किए गए तीनों विधायक सदन में अलग बैठेंगे। हालांकि वह स्वतंत्र रूप से किसी भी बिल पर वोटिंग कर सकेंगे। जारी अधिसूचना के मुताबिक सपा से निष्कासित तीन विधायक मनोज पांडेय, राकेश सिंह और अभय सिंह अब विधानसभा मंडप में असंबद्ध विधायक की हैसियत से बैठेंगे। इनको विधानसभा मंडप में अब सपा सदस्यों से अलग सीट आवंटित की जाएगी। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे ने बृहस्पतिवार को तीनों विधायकों को असंबद्ध किए जाने की अधिसूचना जारी कर दी है।

प्रमुख सचिव के मुताबिक इन विधायकों को सदन में किसी भी प्रस्ताव पर मतदान करने से लेकर वे सभी अधिकार यथावत रहेंगे, जो दलगत विधायकों के पास हैं। तीनों विधायकों के निष्कासन के बारे में सपा अध्यक्ष द्वारा दी गई सूचना के आधार पर विधानसभा

अध्यक्ष सतीश महाना ने इन सभी को असंबद्ध सदस्य घोषित करने को मंजूरी दी है। राज्यसभा चुनाव के दौरान सपा के करीब 7 विधायकों ने पार्टी के खिलाफ भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में मतदान किया था। इसके कई महीने बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीती 23 जून को सिर्फ तीन विधायकों ऊंचाहार (रायबरेली) के विधायक मनोज पांडेय, गौरीगंज (अमेठी) के विधायक राकेश प्रताप सिंह और गोसाईगंज (अयोध्या) के विधायक अभय सिंह को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। इसके बाद सपा अध्यक्ष ने 5 जुलाई को तीनों विधायकों को पार्टी से निष्कासित किए जाने का पत्र विधानसभा अध्यक्ष को भेजा था।

यूपी में भाजपा अध्यक्ष का चुनाव बना टेढ़ी खीर

आलाकमान के हाथ में न तीर न कमान

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)।
भारतीय जनता पार्टी न राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कर पा रही है और न उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष का चयन कर पा रही है। भाजपा इतनी अंतरमहत्वाकांक्षा में घिर गई है कि आलाकमान के हाथ न तीर रह गया है न कमान। आलाकमान खुद ही अपनी-अपनी महत्वाकांक्षाओं में फंसा है। ऐसे में आम कार्यकर्ताओं में यह सवाल खड़ा होना लाजमी है कि भारतीय जनता पार्टी अभी केंद्र में और प्रदेश में बिना किसी कमान की है। चलिए अभी यूपी की बात करते हैं। भाजपा के लिए उत्तर प्रदेश में अध्यक्ष का चुनाव एक चुनौती बन गया है। यूपी में

भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती ओबीसी और दलित समुदाय को लेकर है। यही वजह है कि भाजपा इतनी उहापोह में फंसी है कि वह कभी ओबीसी को अध्यक्ष बनाना चाहती है तो कभी दलित को। ओबीसी वोट साधने का जुगाड़ सोचती है तो दलित वोट का मसला सामने मुंह बाए खड़ा हो जाता है। ऐसे में ब्राह्मण दो के झगड़े का फायदा उठाने के चक्कर पार्टी नेतृत्व के पीछे हाथ धोकर पड़ा है।

जबकि उत्तर प्रदेश की राजनीति को देखें तो पार्टी का किसी ब्राह्मण चेहरे पर दांव लगाना मुश्किल है, क्योंकि जिस तरह की राजनीतिक पिच पर अभी तक सपा नेता अखिलेश यादव ने बैटिंग की और कर रहे हैं, उसे देखकर नहीं लगता कि भाजपा किसी ब्राह्मण चेहरे को सामने लाकर जोखिम मोल लेगी, वह भी तब, जब यूपी में 2017 में विधानसभा चुनाव सामने है। भाजपा हाईकमान यह भी जानता है कि सवर्ण मतदाता उनका परंपरागत वोटर है, तो वो पार्टी से हटकर कहीं नहीं जाएगा। ऐसे में ओबीसी वोट को साधकर ही यूपी की वैतरणी पार की जा सकती है।

भाजपा की रणनीति इस पर भी काम कर रही है कि उसे 2024 के लोकसभा चुनाव में उम्मीद से कम सीटें क्यों मिली और सबसे ज्यादा इसका फायदा समाजवादी पार्टी को हुआ। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को उत्तर प्रदेश में अपने दम पर 62 सीटों पर जीत मिली थी। लेकिन इस बार पार्टी 33 सीटें ही जीत सकी है। इन सभी बिंदुओं पर गौर करने के बाद कहा जा सकता है कि भाजपा यूपी में किसी ओबीसी नेता को ही प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दे सकती है, जिससे अखिलेश के पीडीए की काट को भोथरा किया जा सके।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में देरी की एक वजह इस राज्य के जातीय और क्षेत्रीय समीकरण को भी माना जा रहा है। भाजपा किसी ऐसे चेहरे की तलाश में जो सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की काट बन सके। वहीं एक एंगल इटावा में कथावाचक प्रकरण के बाद ब्राह्मणों की नाराजगी से भी जुड़ गया है। भाजपा इन्हें साथ लाने के लिए किसी ब्राह्मण चेहरे पर भी दांव लगा सकती है। लेकिन इसकी उम्मीद कम है। कुल मिलाकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ अब किसी पिछड़े या ब्राह्मण चेहरे पर आकर अटक गई। इस रेस में कुछ नाम भी सामने आ रहे हैं। ब्राह्मण चेहरे के तौर पर पूर्व डिप्टी सीएम और राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा का नाम सबसे आगे चल रहा है। जबकि पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला और पूर्व सांसद सुब्रत पाठक को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। वहीं ओबीसी चेहरों में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, धर्मपाल सिंह और साध्वी निरंजन ज्योति को भी मौका मिल सकता है। दलित चेहरे में पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर का नाम सबसे आगे चल रहा है। यूपी भाजपा के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी का कार्यकाल जनवरी 2023 में ही समाप्त हो गया था। इसके बाद से भाजपा नए प्रदेश अध्यक्ष की तलाश नहीं कर पा रही है। भाजपा नए चेहरे पर दांव लगाना चाहती है। अभी तक किसी एक नाम पर मुहर नहीं लग पाई है।

संपादकीय

तबाही के सबक

हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। लगातार बादल फटने के बाद भयावह मंजर हमारे सामने उभरा है। निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का मंजर निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों,सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं। कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। यहां ढली इलाके में कई इमारतें गंभीर खतरे की जद में आ चुकी हैं। निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है। दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं। वास्तव, में हिमाचल व उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है। दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। विकास के नाम पर हमने पहाड़ों को काटकर चौड़ी सड़कें बना दी और इससे लगते पहाड़ों की जड़ें खोखली कर दी,जिससे भूस्खलन की गति अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सीढ़ीनुमा रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे। इस तरह हमने परंपरागत हल्की छत वाले घरों के बजाय भारी-भरकम कंक्रीट की छतों वाले घरों को प्राथमिकता दी है। हिमाचल में लाहौल-स्पीति को जोड़ने वाली अटल सुरंग इंजीनियरिंग का चमत्कार हो सकती है, लेकिन इसके अवरोध के बाद पुरानी रोहतांग दर्रा सड़क पर वापसी साबित करती है कि आपातकालीन योजना ने बुनियादी ढांचे के विस्तार के साथ तालमेल नहीं रखा है। इसी तरह कांगड़ा घाटी में रेल यात्रा में व्यवधान विरासत के बुनियादी ढांचे के प्रति आधिकारिक उदासीनता को ही दर्शाता है। यह रेलवे लाइन अभी दूर-दराज के इलाकों के लिये जीवन रेखा जैसी ही है। शिमला के ढली के पास खराब निर्माण और लापरवाही ने कई इमारतों और लोगों के जीवन को संकट में डाल दिया है। जो हमारे अवैज्ञानिक विकास की कीमत चुका रहे हैं। दरअसल,हमें अतीत की आपदाओं से सबक लेकर भविष्य की विकास योजनाओं की रूपरेखा तैयार करनी होगी। पहाड़ों की संवेदनशीलता को देखते हुए नये सिरे से निर्माण के मानक तय करने होंगे। वहीं दैनिक जल निकासी और बरसाती पानी के प्रवाह के लिये वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्था करनी होगी। निश्चित रूप से पहाड़ों में लगातार बढ़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचे में पहाड़ की प्राथमिकताओं को नजरअंदाज करने की कीमत हम चुका रहे हैं। भविष्य में ऐसी आपदाओं को टालने के लिये अतीत के सबक सीखकर हमें विकास के नये मानक तय करने होंगे। हमें मानना होगा कि पहाड़ विलासिता के लिये प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवनयापन के लिये होते हैं।

हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। लगातार बादल फटने के बाद भयावह मंजर हमारे सामने उभरा है। निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का मंजर निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों, सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है।

कुछ अलग

भाषाई दुराग्रह

हमारी राजनीति का स्तर कितना नकारात्मक व अवसरवादी हो चला है कि महाराष्ट्र में हिंदी विरोध को राजनीति साधने का अस्त्र बना लिया गया। विडंबना यह है कि जिस राज्य से सारे देश को एकता के सूत्र में पिरोने की सामाजिक सांस्कृतिक मुहिम संघ द्वारा चलायी जा रही है, उसी राज्य से राष्ट्र की संपर्क भाषा के खिलाफ भाषायी कट्टरपंथ को हवा दी जा रही है। विसंगति देखिए कि मराठी भाषा के नाम पर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे बीस साल बाद एक मंच पर एकजुट हुए हैं। कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र में हिंदी विरोध पर 'भरत मिलाप' हुआ है। कभी हिंदी विरोध के जो सुर तमिलनाडु में सुनायी देते थे, वे अब महाराष्ट्र में भी तेजी से मुखर हो रहे हैं। मुंबई को भारत की आर्थिक राजधानी कहा जाता है, जिसमें योगदान देने के लिये उत्तर भारत के राज्यों के तमाम लोगों योगदान देते हैं। जहां बनने वाली हिंदी फिल्में इस राज्य की समृद्धि का आधार रही हैं।

पहलगाम में हुआ 'कायरतापूर्ण' आतंकवादी हमला भारत की 'आत्मा, पहचान और गरिमा' पर सीधा हमला है

ब्रिक्स में भारत का बढ़ता वर्चस्व संतुलित दुनिया का आधार

ललित गर्ग

ब्राजील के रियो डी जनेरियो में रविवार को हुए 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई। इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में पहलगाम की आतंकी घटना पर कठोर शब्दों में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। मोदी ने शांति एवं सुरक्षा सत्र में कहा कि पहलगाम में हुआ 'कायरतापूर्ण' आतंकवादी हमला भारत की 'आत्मा, पहचान और गरिमा' पर सीधा हमला है। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिये। उन्होंने एक बार फिर इसके विस्तार की बात की और सदस्य देशों से भी आग्रहपूर्ण ढंग से दबाव बनाया कि कि ब्रिक्स को विस्तार होना चाहिए। ब्रिक्स यानी बी से ब्राजील, आर से रूस, आई से इंडिया (भारत), सी से चीन और एस से दक्षिण अफ्रीका- ये दुनिया की पांच सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का एक समूह है। ब्रिक्स एक ऐसा बहुपक्षीय मंच है, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग, वैश्विक विकास और सामूहिक सुरक्षा की भावना को बल देता है। ब्रिक्स समिट काफी सफल एवं निर्णायक रहा है। ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद, विशेषकर कश्मीर में फैले इस्लामी आतंकवाद को लेकर चर्चा ने इस मंच को वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाले संगठनों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। इसमें भारत की भूमिका, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्णायक भूमिका रही है। इन शक्तिसम्पन्न पांचों देशों का वैश्विक मामलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव है और दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स समूह मिलकर दुनिया में शांति, सह-जीवन, अहिंसा, लोकतांत्रिक मूल्य, समानता एवं सह-अस्तित्व पर बल देते हुए दुनिया को युद्ध, आतंक एवं हिंसामुक्त बनाया जाये। ब्रिक्स देशों के इस सम्मेलन में एक विशेष बिंदु जो उभरकर सामने आया वह था-अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का बदलता स्वरूप और इसके कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभाव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट रूप से यह रेखांकित किया कि आतंकवाद अब किसी एक राष्ट्र की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह एक वैश्विक संकट बन चुका है। उन्होंने कश्मीर में हो रहे आतंकवादी हमलों, पाकिस्तान समर्थित गतिविधियों और भारत की सीमाओं पर हो रही हिंसक घटनाओं को

उदाहरण के रूप में सामने रखा। मोदी ने ब्रिक्स मंच से यह भी स्पष्ट किया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन जब आतंक का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल होता है, तो वह मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाता है। भारत ने लंबे समय से कॉम्प्रेहेंसिव कॉन्वेंशन ऑन इन्टरनेशनल टेरिजम्स (सीसीआईटी) की पैरवी की है। इस बार ब्रिक्स मंच पर मोदी ने इस प्रस्ताव को फिर से प्रमुखता से उठाया और एक साझा परिभाषा व वैश्विक नीति की मांग की ताकि आतंकवादियों को सुरक्षा और राजनीतिक सहारा न मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी सुझाव दिया कि ब्रिक्स को एक साझा आतंकवाद निरोधी तंत्र बनाना चाहिए, जो सूचनाओं का आदान-प्रदान, निगरानी तंत्र और आतंक के वित्तपोषण को रोकने में सहयोग करे। भारत ने इस बार पाकिस्तान का नाम लिए बिना यह सिद्ध किया कि कश्मीर में आतंकवाद एक स्थानीय असंतोष नहीं, बल्कि बाहरी प्रायोजित आतंक है। ब्रिक्स देशों, विशेषकर रूस और ब्राज़ील ने इस बात को स्वीकारा कि कश्मीर में फैले आतंकवाद पर चिंता जायज़ है और उन्होंने भारत के दृष्टिकोण का समर्थन किया। यह कूटनीतिक जीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व कौशल को रेखांकित करती है। उन्होंने न केवल भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की, बल्कि वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एक नैतिक और व्यावहारिक आधार भी प्रस्तुत किया। भारत 2026 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करने जा रहा है। यह भारत के लिए भविष्य को गढ़ने का एक सुनहरा अवसर है। भारत अब न केवल आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि ब्रिक्स एक न्यायसंगत, सुरक्षित और आतंकवादमुक्त विश्व के निर्माण की दिशा में कार्य करे। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत की भूमिका न केवल आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक स्वरूप में दिखाई दी, बल्कि यह भी स्पष्ट हुआ कि भारत अब एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र के रूप में उभर चुका है। नरेंद्र मोदी ने जिस सूझबूझ, तर्कशक्ति और साहस के साथ कश्मीर मुद्दे को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया, वह भारत की कूटनीति के नए युग की शुरुआत है। आगामी वर्ष में जब भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा, तब यह विश्वास किया जा सकता है कि न केवल भारत, बल्कि समूचा विश्व भारत की नीति, नैतिक दृष्टि और नेतृत्व क्षमता का सम्मान करेगा। इस मंच से भारत केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि मानवता, शांति और न्याय की नई इबारत लिखेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई उन्होंने कहा कि आज दुनिया को एक बहुध्रुवीय और समावेशी व्यवस्था की जरूरत है। इसकी शुरुआत वैश्विक संस्थाओं में बदलाव से करनी होगी। मोदी ने कहा, 'बीसवीं सदी में बनाई गई वैश्विक संस्थाएं इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों से निपटने में नाकाम हैं। एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता के दौर में तकनीक हर हफ्ते अपडेट होती है, लेकिन एक वैश्विक संस्थान 80 सालों में एक बार भी अपडेट नहीं होती। बीसवीं सदी के टाइपराइटर इक्कीसवीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते। प्रधानमंत्री ने कहा, ग्लोबल साउथ के देश अक्सर डबल स्टैंडर्ड का शिकार रहे हैं। चाहे विकास हो, संसाधनों की बात हो, या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की, ग्लोबल साउथ को कभी प्राथमिकता नहीं दी गई है। इनके बिना, वैश्विक संस्थाएं ऐसे मोबाइल की तरह हैं, जिसमें सिम कार्ड तो है लेकिन नेटवर्क नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान ज्यादा है, उन्हें फैसले लेने का हक नहीं है। यह सिर्फ प्रतिनिधित्व का नहीं, बल्कि विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का भी सवाल है। भारत का मानना था कि समान सोच वाले देशों को साथ लेकर चला जा सकता है। आनेवाले समय में ब्रिक्स दुनिया की आधी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने लगेगा। निश्चित ही ब्रिक्स की ताकत से एक वैश्विक संतुलन स्थापित हो रहा है और अमेरिका एवं पश्चिमी देशों के अहंकार एवं दुनिया पर शासन करने की मंशा पर पानी फिरा है। हमारा भविष्य सितारों पर नहीं, जमीन पर निर्भर है, वह हमारा दिलों में छिपा हुआ है, दूसरे शब्दों में कहें तो हमारा कल्याण अन्तरिक्ष की उड़ानों, युद्ध, आतंक एवं शस्त्रों में नहीं, पृथ्वी पर आपसी सहयोग, शांति, सह-जीवन एवं सद्भावना में निहित है। 'वसुधैव कुटुम्बकम का मंत्र इसलिये सारी दुनिया को भा रहा है। इसलिये बदलती हुई दुनिया में, बदलते हुए राजनैतिक हालात में सारे देश एक साथ जुड़ना चाहते हैं। ब्रिक्स का संगठन ऐसा सपना है जिसे भारत रत्न स्व. प्रणव मुखर्जी ने भारत के विदेश मन्त्री के तौर पर 2006 में देखा था। प्रणव दा बदलते विश्व शक्ति क्रम में उदीयमान आर्थिक शक्तियों की समुचित व जायज सहभागिता के प्रबल समर्थक थे और पुराने पड़ते राष्ट्र संघ के आधारभूत ढांचे में रचनात्मक बदलाव भी चाहते थे। इसके साथ ही वह बहुधुरवीय विश्व के भी जबर्दस्त पक्षधर थे जिससे विश्व का सकल विकास न्यायसंगत एवं लोकतांत्रिक तरीके से हो सके। अब नरेन्द्र मोदी ने इसमें सराहनीय भूमिका निभाई है। उनके दूरगामी एवं सूझबूझ भरे सुझावों का ब्रिक्स देशों ने लोहा माना है। ब्रिक्स संगठन में भारत का वर्चस्व चीन की तुलना में बढ़ा है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता एवं कूटनीति का परिणाम है।

17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई। इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में पहलगाम की आतंकी घटना पर कठोर शब्दों में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं।

देश दुनिया से

अंतरिक्ष में अनुसंधान से मानवता हेतु नई उम्मीदें

सुखद है कि 41 वर्ष के बाद किसी भारतीय अंतरिक्ष यात्री ने न केवल अपने साथियों के साथ अंतरिक्ष में कदम रखा बल्कि डॉकिंग की नई उपलब्धि के साथ उसने वहां स्थित अंतरिक्ष स्टेशन में भी प्रवेश कर लिया। वे पहले भारतीय थे जिन्होंने न केवल 14 दिन के लिये इस स्टेशन में कदम रख लिया बल्कि दुनिया को भारत की ओर से वसुधैव कुटुम्बकम् का एक संदेश भी मिला। शुभांशु 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीद ही नहीं, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, बल्कि वे एक नई दुनिया और एक नया भारत बनाने के लिए कुछ विशेष शोध अभियान पर भी हैं। बेशक यह सपना निजी निवेशकों की भागीदारी के साथ देखा जा रहा है और उत्सुक साहसी पर्यटक इस सपने के पूरा होने की उम्मीद कर रहे हैं। अब सोचा जा रहा है कि वैज्ञानिक उपलब्धियों के इस निर्देश के साथ पर्यटन का एक नया क्षेत्र अंतरिक्ष में भी खोल दिया जाए। यह वैश्विक कमाई का एक बड़ा साधन बनेगा और क्योंकि भारत उपग्रहों के प्रक्षेपण में तो सफलता हासिल कर ही चुका है और तीसरी दुनिया के छोटे देशों के लिए संचार उपग्रह प्रक्षेपण कर रहा है। इसलिए अब वह अंतरिक्ष पर्यटन का मार्ग निर्देशक बन सकेगा। इस प्रकार अपने लिए कमाई का एक और उपयोगी मैदान खोल लेगा जहां निवेशकों को इस साहसिक अभियान को शुरू करने की हिम्मत के कारण अधिक प्रतिदान मिल सकेगा। लेकिन इससे भी अधिक इस अंतरिक्ष स्टेशन में हमारे यात्रियों के प्रवेश के बाद जिन उपलब्धियों की उम्मीद की जा रही है उसमें से मानवता के लिए महामारी बन रही बीमारियों के उपचार के लिए रास्ता खुलने की उम्मीद है। ये बीमारियां हैं मधुमेह और

कैंसर। इस शोध का एक लक्ष्य पृथ्वी पर मधुमेह के नियंत्रण में मदद करना है। दूसरी तेजी से फैलती बीमारी है कैंसर। अभी इस कैंसर का उपचार बहुत खर्चीला है। यह शुभ सूचना है कि शुभांशु शुक्ला और उनके साथी शिन पर रवाना होने के बाद 14 दिनों तक इन बीमारियों के चिकित्सा प्रयोगों का हिस्सा बनेंगे। अंतरिक्ष यात्रियों में से एक अंतरिक्ष में अपने पूरे प्रवास के दौरान निरंतर ग्लूकोज मीटर पहने रहेगा और वास्तविक समय के रक्त शर्करा माप की निगरानी पृथ्वी पर अनुसंधान करके की जाएगी। उड़ान के दौरान इसके नमूने इकट्ठे होंगे और सही उपचार के परीक्षण किए जाएंगे। जो सफल होगा, उसी से अब अंतरिक्ष के सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से रोगों का इलाज होगा। अंतरिक्ष उड़ानों से जोड़ों और रक्त प्रवाह पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच होगी। आसान शब्दों में कहें तो इसका अर्थ यह कि आर्थराइटिस या जोड़ों की बीमारियों का क्या कोई हल अंतरिक्ष का यह शोध हमें दे सकता है? कैंसर का अध्ययन भी यहां विशेष रूप से किया जा सकता है। समझा जाता है कि कैंसर की कोशिकाएं सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में आसानी से पुनर्जीवित हो सकती हैं। अगर ऐसा है तो ये स्टैम कोशिकाएं और इनका पुनर्जीवन आदमी की उम्र बढ़ाने को कैसे प्रभावित कर सकता है, इसका अध्ययन भी होगा। यह अध्ययन स्टैनफोर्ड स्टैम सैल इस्टीट्यूट और जेएम फाउंडेशन की मदद से किए जाएंगे। निस्संदेह, अगर इस अभियान में इस प्रकार कैंसर निदान की कोई बेहतर दवा या उपचार विकसित करने में सफलता मिल जाती है तो यह मानवता के लिये अच्छी खबर होगी। फिर 14 दिन तक हमारे ये सभी यात्री कम्प्यूटर स्क्रीन का ही निरंतर प्रयोग करेंगे। इससे यह भी पता चल जाएगा कि इसका शारीरिक और हमारी संज्ञा पर क्या प्रभाव पड़ता है। आमतौर पर कहा जाता है कि कम्प्यूटर के निरंतर इस्तेमाल से तेजी से आंखों की हरकतें प्रभावित होती है। इसलिए इस शोध को मानव जीवन के लिए बहुत उपयोगी माना जा रहा है। अब नहीं कहते कि इन सभी समस्याओं का पूरा-पूरा हल हम इसी यात्रा या शोध अभियान में ले आएंगे लेकिन एक सही शुरुआत तो हो गई। प्रायः किसी वैज्ञानिक शोध में कदम दर कदम सफलता हासिल की जाती है। इस बार क्योंकि इस शोध अभियान का एक भाग मानवीय चिकित्सा और हमारी दुरूह बीमारयों के इलाज के साथ जुड़ा हुआ है, इसलिए इस अभियान का महत्व और भी बढ़ जाता है। खासकर, हमारे देश के लिये जिसके बारे में कहा जाता है कि असह्य गरीबी और उचित पोषण के अभाव में यहां बीमारियों से लड़ने की शक्ति कम है। इसलिए अंतरिक्ष स्टेशन पर होने वाले इन प्रयोगों से हमें उन बीमारियों के समाधान में मदद मिल जाएगी। इसका मानव जीवन पर कितना उपकार होगा, यह तो स्पष्ट ही है। यह अभियान कई देश मिलकर चला रहे हैं। नासा के अभियान के साथ-साथ हमारा इसरो भी इस नेक अभियान में पूरा योगदान ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के जरिये दे रहा है। इसके बारे में अगर भारतीय गर्वित महसूस कर रहे हैं तो यह तार्किक है।

आप का नजरिया

मस्क की अमेरिका पाटा

अमेरिका पाटा अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क ने अपनी नईं पाटा यानि 'अमेरिका पाटा' की घोषणा करके दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र जहां अभी तक दो ही पार्टियों का भविष्य था वहां पर तीसरी पाटा के भविष्य पर चर्चा होना स्वाभाविक है। दरअसल एलन मस्क रिपब्लिकन पाटा के समर्थक ही नहीं बल्कि वित्तीय व्यवस्था के लिए वर्षो से स्व्रिय कर्ता-धर्ता रहे हैं। यही नहीं मस्क को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डिपार्टमेंट ऑफ इफीसिएंसी का मुखिया बनाया था जिसका दायित्व ही था कि सरकारी धन का दुरुपयोग रोकने के तरीकों को खोजना। इससे यह बात बहुत स्पष्ट है कि मस्क रिपब्लिकन पाटा के बहुत नजदीकी एवं शुभचितक रहे हैं। किन्तु वुछ दिन पहले ही राष्ट्रपति ट्रंप ने जब देश में उद्योगपतियों को मिलने वाली सहायता राशि एवं छूट को अनावश्यक बताकर इसे बंद करने की नीति अपनाईं तो मस्क को लगा कि अभी तक जो उनके व्यवसाय अमेरिकी सब्सिडी पर चल रहे हैं, उन्हें बहुत ज्यादा आर्थिक क्षति उठानी पड़ सकती है। अमेरिका में अकेले मस्क ही ट्रंप की इस नीति से तमतमाए हुए हैं। सच तो यह है कि समूचा उद्योग जगत सब्सिडी में कटौती से नाराज है। दरअसल अमेरिका अजीबोगरीब देश है। दुनियाभर को शिक्षा देता है कि उसे अपने उद्योगों को सब्सिडी नहीं देनी चाहिए। अमेरिका दुनिया को यह ज्ञान इस आधार पर देता है कि जो उद्योग अपने बल पर कम्पटीशन नहीं कर सकते, वे गुणवत्ता में पिछड़ कर बीमार हो जाएंगे। अमेरिकी प्राबंध शास्त्री दुनिया को यही शिक्षा देते हैं कि बीमार वंपनियों को जिलाने के लिए इनवेस्टन राशि के डूबने का डर ज्यादा होता है। हैरानी की बात तो यह है कि दुनियाभर में प्राबंध शास्त्री यही पढ़ाते हैं किन्तु सच यह है कि दूसरों को मना करने वाला ज्ञान भी दोहरे मानदंडों को ही अपना रखा है। बहरहाल ट्रंप से नाराजगी का यही मुख्य कारण बताया जा रहा है। इससे तो यही लगता है कि सब्सिडी से कारोबार चलाने वाले कईं ऐसे मस्क निकलेंगे जिनकी वजह से रिपब्लिकन पाटा का आधार प्राभावित हो सकता है। यही नहीं रिपब्लिकन पाटा की छवि भी उद्योग विरोधी बन सकती है जिसका लाभ डेमो्व्रोटिक पाटा बड़ी आसानी से ले सकती है। बड़ा सवाल यह है कि उद्योगपति एलन मस्क अमेरिका में दो पाटा सिस्टम को खत्म करके तीन पाटा सिस्टम की शुरुआत करना चाहते हैं अथवा वह एक स्व्रिय राजनीतिक भूमिका में आकर वह रिपब्लिकन पाटा के नेतृत्व को इतना भयभीत कर देना चाहते हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप उद्योगपतियों को और अधिक निशाना न बनाएं। मतलब यह कि एक उद्योगपति एलन मस्क से ज्यादा एक राजनेता एलन मस्क अपने औद्योगिक हितों की रक्षा करने के लिए रिपब्लिकन और डेमो्व्रोट दोनों से अच्छी सौदेबाजी करने में सक्षम होंगे। रही बात सीनेट और रिप्रोजेण्टेटिव ऑफ हाउस के चुनाव में सफलता की बात हो या मेयर के चुनाव की बात हो, इसके लिए जरूरी है कि एलन मस्क को अमेरिकी जनता का भारी समर्थन मिले। इस देश के चुनाव आयोग द्वारा अभी तक जो व्यवस्था लागू है, उसमें 30 प्रातिशत वोट मिलने पर सीटें हासिल कर पाना संभव नहीं है। अमेरिका चुनावी सिस्टम दो दलीय के अनुरूप ही बना है। एक व्यक्ति के रूप में एलन मस्क के लिए राजनीति में जमीन तलाशना बड़ी चुनौती है जबकि राष्ट्रपति चुनाव, संसदीय चुनाव या स्थानीय निकायों के चुनावों में सफलता हासिल कर पाना तो बहुत ही बड़ी चुनौती है। ऐसा नहीं है कि अमेरिका में लोग दो दलीय व्यवस्था से बहुत ज्यादा संतुष्ट हैं लेकिन देश की राजनीतिक स्थिरता के लिए अमेरिका में चुनावी सिस्टम को समर्थन मिला है। लब्बोलुआब तो यह है कि अमेरिका के मौजूदा चुनावी सिस्टम में दो दलीय पाटा व्यवस्था को चुनौती दे पाना मुश्किल है किन्तु यदि एलन मस्क अमेरिकी चुनाव व्यवस्था पर प्राहार करते रहे तो वह दिन दूर नहीं जब अमेरिका में भी बहुदलीय चुनाव पर बहस शुरू हो सकती है और अमेरिकी चुनाव आयोग वुछ सन्नियमों में ढील देकर मस्क के सपनों को साकार कर सके। फिलहाल तो इस वक्त अमेरिका पाटा की घोषणा करके उद्योगपति मस्क ने अमेरिका की लोकतांत्रिक संस्थाओं के तौर तरीकों पर जबरदस्त प्राहार किया है।

अमेरिका में अकेले मस्क ही ट्रंप की इस नीति से तमतमाए हुए हैं। सच तो यह है कि समूचा उद्योग जगत सब्सिडी में कटौती से नाराज है। दरअसल अमेरिका अजीबोगरीब देश है। दुनियाभर को शिक्षा देता है कि उसे अपने उद्योगों को सब्सिडी नहीं देनी चाहिए। अमेरिका दुनिया को यह ज्ञान इस आधार पर देता है कि जो उद्योग अपने बल पर कम्पटीशन नहीं कर सकते, वे गुणवत्ता में पिछड़ कर बीमार हो जाएंगे। अमेरिकी प्राबंध शास्त्री दुनिया को यही शिक्षा देते हैं कि बीमार वंपनियों को जिलाने के लिए इनवेस्टन राशि के डूबने का डर ज्यादा होता है।

दृष्टि कोण

लेन-देन की कूटनीति के दौर में भारत का इम्तिहान

एक चीनी कहावत है 'काश! हम मजेदार समय में जी सकें'। तेजी से आगे बढ़ती दुनिया में, बीता सप्ताह हमारे आसपास की दुनिया के कुछ रोचक पहलू सामने लाया। मामला कुछ भी हो, हालात का जायजा लेने में सप्ताहांत हमेशा अच्छा समय होता है। जब कभी चीन और पाकिस्तान के नेता मिलते हैं,तो अपने रिश्तों को लेकर, मंत्र सरीखे जिस वाक्यांश का आह्वान करते हैं :'दोनों मुल्कों का जुड़ाव पहाड़ों से ऊंचा, समुद्र से गहरा और शहद से मीठा है' – वह तेजी से एक ऐसी हकीकत बनता जा रहा है, जो भारत के सामने मुंह बाए खड़ी है, चाहे हम जिस ओर भी मुंह घुमाएं। भारतीय सेना के उप-सेनाध्यक्ष, जनरल राजीव सिंह द्वारा चीन को लेकर की गई यह वाकपटु टिप्पणी कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसका तरीका 'उधार के चाकू से काम चलाने' वाला रहा,जब उसने भारत को चोट पहुंचाने के लिए हर कदम पर पाकिस्तान की मदद की – यह इस बात की पुष्टि है, अगर पुष्टि करना जरूरी है, कि चीन ही भारत का सबसे बड़ा दुश्मन है। दो अन्य कारक भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। पहला, कि चीन का मुख्य प्रतिद्वंद्वी, यानि अमेरिका, वह भी पाकिस्तानियों के प्रति ज्यादा गर्मजोशी दिखा रहा है। दूसरा, अब जबकि दलाई लामा ने गत सप्ताहांत में उम्र के 90 साल पूरे कर लिए हैं, और अपने पुनर्जन्म को लेकर अटकलों को खुद ही यह कहकर विराम लगा दिया है कि उनका अगला जन्म चीन से बाहर होगा, एक आज़ाद और लोकतांत्रिक देश में, मसलन भारत-हालांकि, अभी साफ नहीं कि इस बदलती स्थिति पर केंद्र सरकार का नजरिया क्या रहेगा। अब लग रहा है कि इस सप्ताह क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की वाशिंगटन में होने जा रही बैठक से ऐन पहले जारी व्यक्तव्य में, पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान का नाम बतौर प्रायोजक लेने से परहेज रखा गया ,हालांकि 'सीमा पारीय आतंकवाद' की निंदा की गई है, एक सहमतिपूर्ण जुमला, जो संकेत देता है इससे परे

जाकर कुछ नहीं कहा जाएगा- वहीं इसी वक्त पाक वायुसेनाध्यक्ष ज़हीर अहमद बाबर सिद्धू भी अमेरिकी राजधानी में मेजबानी का लुत्फ ले रहे हैं। सिद्धू की यात्रा पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर के अमेरिका दौरे का अगला सिलसिला है, जब उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ असाधारण मुलाकात का मौका देकर नवाज़ा गया था। इसी बीच, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता वार्ता अपनी परिणति की ओर है और भारतीय दल घर वापसी कर चुका है। अगर भारत अपना कृषि क्षेत्र खोले बिना अपना काम निकाल पाया, तो यह बड़ी जीत होगी। अमेरिका इसे पाकिस्तान के साथ संबंध बढ़ाने के बदले में एक कदम के रूप में भी देख सकता है। लेकिन यहीं आकर इन दिनों चीजें बिगड़ने लगती हैं। अमेरिका को मालूम है कि मोदी सरकार के लिए पाकिस्तान का नाम घृणास्पद है, लेकिन फिर भी वह पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व से मिलना जारी रखे है। अमेरिकी शासन के कुछ हिस्से खफा हैं कि भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखे है। इसी बीच, रूस विश्व का पहला देश बन गया जिसने तालिबान सरकार को मान्यता दी है, मकसद है एशिया के भीतरी हिस्से में प्रभाव बढ़ाना। वह तालिबान जो पाकिस्तान का पड़ोसी है और अब दोस्त से दुश्मन बन चुका है। क्वाड वक्तव्य में कम-से-कम पहलगाम का जिक्र तो आया, भले पाकिस्तान का नाम सीधे न लिया हो। जबकि,पिछले हफ्ते, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन-नीत शंघाई सहयोग संगठन द्वारा जारी संयुक्त वक्तव्य पर दस्तखत करने से मना कर दिया था, क्योंकि इसमें न तो इस जघन्य कांड के पीछे रहे मुल्क का जिक्र था, न जगह का। बड़ा सवाल, बल्कि कई सारे सवाल यह हैं कि हिंद-प्रशांत महासागरीय क्षेत्र को लेकर बनाए ताकतवर समूह क्वाड में, जिसमें भारत मुख्य सहयोगी है, वह भी भारत द्वारा कही बातों का पूरा समर्थन क्यों नहीं करता। ये मुल्क, जानते हुए भी कि उनके एक सहयोगी क्वाड मुल्क को पाक-प्रायोजित आतंकी हमले से आघात लगा है, पाकिस्तान का सीधा नाम लेने से क्यों कतरा रहे? इतना ही नहीं, भारत इस नज़रिए को बदलने के लिए क्या कर सकता है? साफ है, मनगढ़ंत कहानियों पर काबू पाने के इरादे से मोदी सरकार ने पाकिस्तानी हॉकी टीम को भारत में होने जा रही दो प्रतियोगिताओं में खेलने की इजाजत दी। यानि एशिया कप और जूनियर वर्ल्ड हॉकी कप (पुरुष) में पाक हॉकी टीम खेलेगी, भले इसका कारण बताया जा रहा कि ये प्रतियोगिताएं द्विपक्षीय मैच न होकर अंतर्राष्ट्रीय श्रेणी में आती हैं।

नेपाल : आतंकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाने की आवश्यकता पर दिया जोर

काठमांडू,10 जुलाई (एजेंसियां) ।

काठमांडू में नेपाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटर कॉपरेशन एंड इंगेजमेंट नामक गैर सरकारी संस्था द्वारा आयोजित दक्षिण एशिया में आतंकवाद का प्रभाव संबंधी एक सेमिनार में आतंकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। सेमिनार में उपस्थित वक्ताओं ने नेपाल को आतंकवाद का ट्रांजिट प्वाइंट बनने देने से रोकने के लिए सतर्कता बरतने और कुछ कड़े कानून लाने का सुझाव दिया।

बुधवार को आयोजित सेमिनार में नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के प्रमुख राजनीतिक सलाहकार सुनील बहादुर थापा ने कहा कि दक्षिण एशिया में पाकिस्तान परस्त आतंकवाद अपनी जड़े जमा रहा है जो कि इस क्षेत्र की शांति एकता और अखंडता के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के विषय में किसी भी देश को दोहरा मापदंड नहीं अपनाना चाहिए। थापा ने कहा कि यदि भारत में आतंकवादी हमला होता है तो पड़ोसी होने के नाते हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि यह भारत में हुआ है और इसका हमसे क्या लेना-देना है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश में होने वाले आतंकी हमला पर हम चुप बैठे तो अगला शिकार हम खुद होने वाले हैं इसलिए नेपाल को विश्व में कहीं भी होने वाले आतंकी हमले का कड़ा विरोध तो करना ही चाहिए और आवश्यकता हो तो उसमें साथ भी देना चाहिए।

पूर्व विदेश मंत्री एनपी साउद ने कहा कि पाकिस्तान के आतंकवादियों के लिए नेपाल ट्रांजिट प्वाइंट बनता जा रहा है यह चिंता की बात है। काठमांडू से इंडियन एयरलाइंस के विमान के अपहरण की घटना हो या मुंबई-दिल्ली (भारत) में हुए आतंकी हमले में नेपाल का कनेक्शन यह दिखाता है कि नेपाल की भूमि का प्रयोग कर आतंकी घटना को अंजाम दिया गया है।

पूर्व विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान परस्त आतंकवाद नेपाल में अपनी जड़े नहीं जमाए इसके लिए सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता है।

न्यूज ब्रीफ

लॉस एंजिल्स में सुरंग ढही, अग्निशमन कर्मियों ने 31 श्रमिकों को बचाया

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के खूबसूरत शहर लॉस एंजिल्स में बुधवार रात एक सुरंग ढह गई। इस दौरान सुरंग में कम से कम 31 श्रमिक काम कर रहे थे। इन सभी को बचा लिया गया है। लॉस एंजिल्स कैलिफोर्निया प्रांत का सबसे बड़ा एवं देश का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। लॉस एंजिल्स मनोरंजन उद्योग, हॉलीवुड, और सुंदर समुद्र तटों के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर दुनिया भर में मशहूर हस्तियों, फिल्म, टेलीविजन, और जीवंत सांस्कृतिक दृश्यों के लिए भी जाना जाता है। लॉस एंजिल्स अग्निशमन विभाग ने बताया कि शहर के विलमिंगटन क्षेत्र में हुई इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। निर्माणाधीन यह सुरंग अपशिष्ट जल प्रबंधन परियोजना का हिस्सा है। विलमिंगटन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वालीं लॉस एंजिल्स काउंटी पर्यवेक्षक जेनिस हैन ने कहा कि सुरंग के अंदर मौजूद श्रमिकों को घटना के लगभग एक घंटे बाद बचा लिया गया। अग्निशमन विभाग के अनुसार, सुरंग में फंसे 31 निर्माण श्रमिकों में से किसी को भी कोई गंभीर चोट नहीं आई। इन श्रमिकों को लगभग 12 से 15 फुट ऊंचे मिट्टी के ढेर से सुरक्षित निकाला गया। मेयर करेन बास ने कहा कि उन्होंने इन श्रमिकों से बातचीत की है। सभी ने अग्निशमन विभाग का आभार जताया है। बास ने कहा कि अग्निशमन कर्मी लॉस एंजिल्स के सच्चे नायक हैं। लॉस एंजिल्स अग्निशमन विभाग ने कहा कि सुरंग ढहने की सूचना रात 7 :58 बजे मिली। तत्काल शहर की सभी खोज और बचाव टीमों को साउथ फिगेरोआ स्ट्रीट के 1700 ब्लॉक में संसाधन के साथ भेजा गया।

पाकिस्तान में राष्ट्रपति जरदारी से इस्तीफा मांगने की चर्चा को गृहमंत्री नकवी ने बताया अफवाह

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कई दिन से यह चर्चा है कि संघीय सरकार ने राष्ट्रपति आसिफ अली

जरदारी से इस्तीफा मांगा है। इस पर चुप्पी साधे शहबाज सरकार ने पहली बार मुंह खोला। सफाई देने के लिए गृहमंत्री मोहसिन नकवी को सामने किया गया। नकवी ने कहा कि यह मात्र अफवाह है। नकवी ने एक्स पोस्ट के माध्यम से संघीय सरकार का पक्ष सामने रखा। उन्होंने लिखा, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख को निशाना बनाकर चलाए जा रहे इस दुर्भावनापूर्ण अभियान के पीछे कौन है, इसकी हमें पूरी जानकारी है। उन्होंने लिखा, मैंने स्पष्ट रूप से कहा है कि राष्ट्रपति से इस्तीफा मांगे जाने या सेना प्रमुख के राष्ट्रपति पद संभालने की इच्छा रखने के बारे में न तो कोई चर्चा हुई है और न ही ऐसा कोई विचार है। मंत्री नकवी ने कहा, पाकिस्तान के राष्ट्रपति के सशस्त्र बलों के नेतृत्व के साथ मजबूत और सम्मानजनक संबंध हैं। गृहमंत्री नकवी ने राष्ट्रपति जरदारी के हवाले से कहा, मैं स्पष्ट रूप से जानता हूं कि ये झूठ कौन फैला रहा है, वे ऐसा क्यों कर रहे हैं और इस दुष्प्रचार से किसे फायदा हो रहा है। नकवी ने कहा कि सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर का एकमात्र ध्यान पाकिस्तान की मजबूती और स्थिरता पर है। इस कहानी में शामिल लोग शत्रुतापूर्ण विदेशी एजेंसियों के साथ मिलकर जो चाहें करें। जहां तक सरकार की बात है, तो हम पाकिस्तान को फिर से मजबूत बनाने के लिए जो भी जरूरी होगा, करेंगे।

ट्रंप का नया व्यापारिक हमला, फिलीपींस समेत 6 और देशों पर बढ़ाया टैरिफ

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिलीपींस सहित छह और देशों पर भारी आयात शुल्क

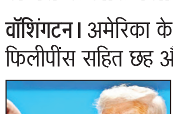

लगाने का ऐलान किया है। बुधवार को इन देशों के नेताओं को भेजे गए औपचारिक पत्रों में ट्रंप ने कहा कि 01 अगस्त से लागू होने वाले इन टैरिफ में लीबिया, इराक और अल्जीरिया से आने वाले आयात पर 30प्रतिशत, मोल्दोवा और ब्रुनेई पर 25प्रतिशत, और फिलीपींस पर 20प्रतिशत का शुल्क लगाया जाएगा। इस कदम के साथ इस सप्ताह टैरिफ की नई दरों से प्रभावित होने वाले देशों की संख्या 20 हो गई है। इससे पहले ट्रंप प्रशासन ने कंबोडिया, थाईलैंड, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, जापान और दक्षिण कोरिया सहित कई देशों पर भी शुल्क बढ़ाने की घोषणा की थी। ट्रंप ने एक कैबिनेट बैठक में स्पष्ट किया कि एक अगस्त की समयसीमा अंतिम है और वह इन टैरिफ को लेकर अब और बातचीत की गुंजाइश नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई देश बातचीत करना चाहता है, तो वे 01 अगस्त से पहले समझौता कर सकते हैं। साथ ही ट्रंप ने अपने पत्र में चेतावनी भी दी कि जितना वे (अन्य देश) अपने टैरिफ बढ़ाएंगे, उतना ही हम अपने शुल्क में जोड़ देंगे।

कनाडा में कॉमेडियन कपिल शर्मा के कैफे पर फायरिंग

हमलावर ने 9 गोलियां चलाईं, तीन दिन पहले उद्घाटन हुआ था

सर्रे, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया स्थित सर्रे में कॉमेडियन कपिल शर्मा के कैफे पर बुधवार रात फायरिंग हुई। कपिल शर्मा ने तीन दिन पहले, 7 जुलाई को कैप्स कैफे नाम के इस कैफे का उद्घाटन किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावरों ने कैफे पर 9 राउंड फायरिंग की।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि खालिस्तानी आतंकवादी हरजीत सिंह लाडी ने हमले की जिम्मेदारी ली है। हरजीत सिंह नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की लिस्ट में मोस्ट वांटेड आतंकवादियों में शामिल है और बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़ा है।हमलावर ने फायरिंग का वीडियो भी बनाया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें कैफे के बाहर एक कार में बैठा व्यक्ति गाड़ी के अंदर से लगातार फायरिंग करते दिख रहा है। हालांकि, अभी तक घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।गोलीबारी के बाद पुलिस और फोरेंसिक टीमें मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि हरजीत सिंह लाडी ने एक कॉमेडी शो के दौरान निहंग सिखों के खिलाफ टिप्पणी को लेकर कपिल शर्मा के कैफे पर गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया।सोशल मीडिया पर हरजीत सिंह लाडी और तूफान सिंह नाम के एक अन्य व्यक्ति ने वीडियो के जरिए कपिल शर्मा को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की चेतावनी दी और कहा कि माफी नहीं मांगी तो मामला और बिगड़ सकता है।दोनों ने यह भी दावा किया कि उन्होंने कई बार कपिल शर्मा के मैनेजर से संपर्क करने की कोशिश की, जिसे नजरअंदाज कर दिया गया। आ-खिरकार, उन्हें कॉमेडियन का ध्यान खींचने के लिए कैफे के बाहर फायरिंग करनी पड़ी।हालांकि, कपिल शर्मा ने निहंग सिखों पर क्या टिप्पणी की थी, यह साफ नहीं है। हालांकि, कुछ सूत्रों का अनुमान है कि यह नेटफ्लिक्स के किसी पुराने एपिसोड या किसी

लाइव शो से जुड़ा हो सकता है। इस साल की शुरुआत में, निहंग नेता बाबा बलबीर सिंह ने भी कपिल शर्मा के कंटेट पर आपत्ति जताई थी।एनआईए विश्व हिंदू परिषद नेता विकास प्रभाकर उर्फ विकास बग्गा की हत्या के मामले में हरजीत सिंह लाडी की तलाश कर रही है। विहिप नेता की अप्रैल 2024 में पंजाब के रूपनगर जिले में उनकी दुकान पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।हरजीत सिंह लाडी कनाडा और भारत में कई जबरन वसूली, हत्या और गिरोह से जुड़ी गतिविधियों से जुड़ा रहा है। वह बीकेआई की आड़ में काम करता हैं और उस पर कई टारगेट किलिंग्स और हत्या के प्रयासों का आर-ोप है। हाल के महीनों में कनाडा के सर्रे और ब्रैम्पटन शहरों में इस तरह के गिरोह-आतंक से जुड़े हमलों में तेजी देखी गई है।इससे पहले कनाडा के वैंकूवर में पंजाबी गायक एपी ढिल्लों के घर के बाहर 1 सितंबर, 2024 की रात को फायरिंग हुई थी। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें एक व्यक्ति ढिल्लों के घर के बाहर 14 गोलियां चलाता दिखा।लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा गैंग ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। वीडियो में सलमान खान के साथ ढिल्लों के म्यूजिक वीडियो 'ओल्ड मनी' में काम को हमले का कारण बताया गया। गैंग ने सोशल मीडिया पर धमकी दी थी कि ढिल्लों को सलमान खान से दूरी बनाए रखनी चाहिए, नहीं तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

पिछले महीने एक रिपोर्ट में, कनाडा की टॉप खुफिया एजेंसी, कैनेडियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस ने कहा था कि खालिस्तानी आतंकवादी भारत के खिलाफ हिंसा की योजना बना रहे हैं।एजेंसी ने कहा, 'खालिस्तानी मुख्य रूप से अपने प्रमोशन, फंड जुटाने और भारत में हिंसा को बढ़ावा देने या प्लानिंग के लिए कनाडा को अपने अड्डे के रूप में इस्तेमाल कर रहा है।'इससे पहले 8 जनवरी 2025 को जारी कनाडा के फॉरेन इंटरफेरेंस कमीशन की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि खालिस्तान समर्थक कनाडा में आराम से रह रहे हैं।इनमें वे लोग भी शामिल हैं, जो भारत में खालिस्तान मूवमेंट चलाने के लिए टेरर फंडिंग कर रहे हैं। भारत हमेशा से सवाल उठाता रहा है कि कनाडा खालिस्तानी आतंकियों को पनाह देता है।ट्रूडो के कार्यकाल में भारत-कनाडा के रिश्ते बिगड़े कनाडा में इस साल की शुरुआत में मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद से भारत के साथ उसके संबंध थोड़े बेहतर हुए हैं। इससे पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में दोनों देशों के रिश्ते अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे।ट्रूडो ने पिछले साल दावा किया था कि 2023 में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट्स शामिल थे। ट्रूडो ने भारत सरकार के एजेंट्स पर खुफिया जानकारी जुटाने, टारगेट किलिंग, कनाडा के नागरिकों को धमकाने और हिंसा में शामिल होने का आरोप लगाया था।भारत ने ट्रूडों के आरोप पर पलटवार कर इन्हें बेबुनियाद बताया था। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा था कि कनाडा बिना कोई पुख्ता सबूत दिए रटे-रटाए आरोप दोहरा रहा है।

जुलाई के नरसंहार केस में शेख हसीना और तीन अन्य के खिलाफ औपचारिक मुकदमा शुरू

ढाका, 10 जुलाई (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और तीन आरोपितों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 में औपचारिक मुकदमा शुरू हो गया। चारों पर पिछले साल जुलाई में हुए जन-विद्रोह के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराधों में शामिल होने का गंभीर आरोप है।

इस केस में गिरफ्तार पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल मामून ने न्यायाधिकरण से सरकारी गवाह बनने की इच्छा व्यक्त की है। खबर के अनुसार न्यायमूर्ति मोहम्मद गुलाम मुर्तुजा मोजुमदार की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 ने सुनवाई के दौरान अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना समेत चारों आरोपितों के खिलाफ औपचारिक आरोप तय करने का आदेश दिया। इस दौरान पूर्व पुलिस महानिरीक्षक मामून ने न्यायाधिकरण को सूचित किया कि वह स्वेच्छा से सरकारी गवाह बनना चाहते हैं। अन्य दो आरोपितों में पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमाल और चौधरी अब्दुल्ला अल मामून हैं। इस केस में अभी तक सिर्फ पूर्व आला पुलिस अधिकारी चौधरी मामून को ही गिरफ्तार किया जा सका है। न्यायाधिकरण शेख हसीना और असदुज्जमां खान को भगोड़ा घोषित कर चुका है। अभियोजन पक्ष ने कहा है कि चौधरी अब्दुल्ला अल मामून ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए सरकारी गवाह बन गया है। इसी के साथ शेख हसीना और तीन अन्य के खिलाफ औपचारिक मुकदमा शुरू हो गया। न्यायाधिकरण में अभियोजन पक्ष का प्रतिनिधित्व मुख्य अभियोजक मोहम्मद ताजुल इस्लाम ने किया। इस दौरान आरोपितों का प्रतिनिधित्व से वकील अमीर हुसैन ने किया। जुलाई आंदोलन से संबंधित किसी भी मामले में शेख हसीना के खिलाफ पहली औपचारिक सुनवाई शुरू हुई है। न्यायाधिकरण ने पहली जून को अपदस्थ शेख हसीना के खिलाफ मानवता के विरुद्ध अपराधों के औपचारिक आरोपों पर संज्ञान लिया था।

बुल रनिंग

स्पेन में सेन फरमिन फियेस्टा में बुल रनिंग में शामिल हुए लोग।

द. कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल की दोबारा गिरफ्तारी को कोर्ट की मंजूरी, मार्शल लॉ से जुड़े मामले में नया मोड़

सियोल, 10 जुलाई (एजेंसियां) ।

दक्षिण कोरिया की सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने गुरुवार तड़के देश के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल की दोबारा गिरफ्तारी को मंजूरी दे दी। यह गिरफ्तारी दिसंबर में उनके द्वारा थोड़े समय के लिए लगाए गए मार्शल लॉ से जुड़े गंभीर आरोपों को लेकर की गई है। अदालत ने विशेष अभियोजक की उस दलील को स्वीकार किया कि यून सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं।

यून सुक-योल को राजधानी सियोल के पास स्थित एक डिटेंशन सेंटर में फिर से भेज दिया गया है। गौरतलब है कि मार्च में उन्हें पहले ही रिहा कर दिया गया था, जब अदालत ने जनवरी में उनकी गिरफ्तारी को रद्द कर ट्रायल के दौरान हिरासत में रखने की आवश्यकता नहीं मानी थी।

पूर्व राष्ट्रपति यून के खिलाफ जांच की कमान विशेष अभियोजक चो यून-सुक की टीम संभाल रही है, जो उन पर राजद्रोह, सत्ता के दुरुपयोग, सरकारी कामकाज में बाधा और आधिकारिक दस्तावेजों की हेराफेरी जैसे गंभीर आरोपों में नए मुकदमे दर्ज करने की तैयारी में है।

टीम ने यून से दो बार पूछताछ करने के बाद रविवार को गिरफ्तारी वारंट के लिए आवेदन दायर किया था। यून के वकीलों ने इसे अत्यधिक और निराधार बताया था, लेकिन अदालत ने गिरफ्तारी को जायज ठहराया।

यून को शुरुआती तौर पर 20 दिनों तक हिरासत में रखा जा सकता है। यदि नए आरोपों में अभियोग तय होते हैं, तो वह 6 महीने तक हिरासत में रह सकते हैं। इस दौरान अदालत प्रारंभिक सुनवाई करेगी। दोषी पाए जाने पर उन्हें जेल की सजा सुनाई जा सकती है, जिसके बाद मामला उच्च अदालतों तक जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि यून ने पिछले साल 03 दिसंबर को यह कहते हुए मार्शल लॉ घोषित किया था, कि उनके राष्ट्रविरोधी उदारवादी विरोधी उनकी नीतियों को बाधित कर रहे हैं। लेकिन यह कदम केवल कुछ ही घंटों में समाप्त हो गया जब सांसदों ने सैनिकों की नाकाबंदी तोड़कर संसद में प्रवेश किया और मार्शल लॉ रद्द करने के लिए मतदान किया।

कोविड-19 वैक्सीन फ़ॉर्मूला चोरी का आरोपी चीनी हैकर इटली में गिरफ़्तार

वाशिंगटन, 10 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिकी अधिकारियों द्वारा वांछित एक चीनी नागरिक को इटली में गिरफ़्तार किया गया है। इस व्यक्ति पर कोरोना महामारी के दौरान अमेरिका से कोविड-19 वैक्सीन से जुड़ी गोपनीय जानकारी चुराने का आरोप है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, जू ज़ेवेई नामक 33 वर्षीय व्यक्ति एक सरकारी-प्रायोजित हैकिंग समूह का सदस्य था। आरोप है कि इस समूह ने 2020 की शुरुआत में, जब कोविड अपने चरम पर था, अमेरिका से कोविड-19 वैक्सीन से संबंधित रहस्य चुराए थे। अमेरिका द्वारा ज़ेवेई के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद, जेवेई को 3 जुलाई को मिलान के माल्पांसा हवाई अड्डे से इतालवी अधिकारियों ने गिरफ्तार किया।

जू ज़ेवेई पर अमेरिकी अदालत ने नौ आरोप लगाए हैं। उस पर चीन के मिनिस्ट्री ऑफ स्टेट सिक्योरिटी के लिए काम कर अमेरिकी विश्वविद्यालयों, इम्यूनोलॉजिस्ट (प्रतिरक्षा वैज्ञानिकों) और वायरोलॉजिस्ट (विषाणु वैज्ञानिकों) को निशाना बनाने का आरोप है, जो कोविड-19 के टीके, इलाज और जांच पर शोध कर रहे थे। चार्जशीट में ज़ेवेई के अलावा झांग यू नामक एक अन्य आरोपी का भी नाम शामिल है, जो फिलहाल चीन में है।

हाफनियम समूह का सदस्य - अमेरिका के अनुसार, ज़ेवेई हाफनियम नामक एक चीनी सरकारी संरक्षण प्राप्त हैकिंग समूह का हिस्सा है। इस समूह पर 2021 में माइक्रोसॉफ्ट के ईमेल सॉफ्टवेयर में घुसपैठ करके बड़े पैमाने पर जासूसी अभियान चलाने का आरोप लगा था।

चीन की प्रतिक्रिया - वाशिंगटन डीसी में स्थित चीनी दूतावास के प्रवक्ता लियू पेंग्यु ने ज़ेवेई की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि उन्हें मामले की कोई जानकारी नहीं है। हालांकि, उन्होंने कहा कि पहले भी कई बार इस तरह की अफवाहें सामने आई हैं।

घोर कलयुग: 6 साल की बच्ची की 45 साल के पुरुष से शादी

काबुल,10 जुलाई। अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत से हैरानीजनक खबर सामने आई है। खबर यह है कि यहां 6 साल की मासूम बच्ची की शादी 45 साल के एक व्यक्ति से कर दी गई। जब शादी की तस्वीरें सामने आईं तो खुद तालिबान अधिकारी हैरान रह गए और बच्ची को उसके ससुराल ले जाने से रोक दिया।

तालिबान अफसरों ने यह भी कहा कि जब वह 9 साल की हो जाएगी, तब उसे पति के घर भेजा जा सकता है। इस मामले से काफी आक्रोश फैल गया है लेकिन अभी तक विवाह कायम है। उस व्यक्ति ने जिसकी पहले से ही दो पत्नियां हैं, लड़की के परिवार को उसके बदले पैसे दिए। यह विवाह समारोह मरजाह ज़िले में हुआ जहां बाद में बच्ची के पिता और दूल्हे को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, किसी भी व्यक्ति पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है। 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से देश में बाल विवाह और जबरन विवाह में वृद्धि देखी गई है. अफगानिस्तान में बाल विवाह पहले से ही ज्यादा हैं।

केंद्र ने इरेडा बॉन्ड को धारा 54ईसी के तहत कर लाभ का दर्जा दिया

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के वित्तपोषण करने वाली कंपनी भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के बॉन्ड को आयकर अधिनियम की धारा 54ईसी के तहत कर-बचत का दर्जा प्रदान किया है। ये अधिसूचना 9 जुलाई, 2025 से प्रभावी हो गई है।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की तरफ से गुरुवार को जारी बयान में बताया गया कि वित्त मंत्रालय के अधीन केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड द्वारा जारी बॉन्ड को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54ईसी के तहत दीर्घकालिक निर्दिष्ट परिसंपत्ति के रूप में अधिसूचित किया है। यह अधिसूचना 9 जुलाई, 2025 से प्रभावी है। इससे नवीकरणीय ऊर्जा के लिए कम लागत पर धन जुटाने में सुविधा होगी तथा निवेशकों को पूंजीगत लाभ कर में छूट मिलेगी। बॉन्ड धारक आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54ईसी के तहत कर छूट के पात्र मंत्रालय के मुताबिक सीबीडीटी की अधिसूचना के अनुसार पांच वर्षों के बाद भुनाए जाने वाले और अधिसूचना तिथि को या उसके बाद आईआरईडीए द्वारा जारी किए गए बॉन्ड आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54ईसी के अंतर्गत कर छूट के लिए पात्र होंगे, जो निर्दिष्ट बॉन्ड में निवेश पर पूंजीगत लाभ कर में छूट प्रदान करता है। इन बॉन्ड से प्राप्त राशि का उपयोग विशेष रूप से उन अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए किया जाएगा, जो अपने परियोजना राजस्व के माध्यम से ऋण चुकाने में सक्षम हैं, और उन्हें ऋण चुकाने के लिए राज्य सरकारों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। बॉन्ड्स में निवेश करके 50 लाख रुपये तक के एलटीसीजी पर कर की बचत संभव नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि पात्र निवेशक एक वित्तीय वर्ष में इन बॉन्ड्स में निवेश करके 50 लाख रुपये तक के दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पर कर बचा सकते हैं। इरेडा को निधियों की कम लागत का लाभ मिलेगा, जो नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण विकास है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने वाशिंगटन दौरे पर जाएगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत करने और उसे अंतिम रूप देने का प्रयास आखिरी दौर में है। वाणिज्य मंत्रालय की एक टीम प्रस्तावित समझौते पर बातचीत के लिए शीघ्र ही वाशिंगटन जाएगी। वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते के पहले चरण को इस साल सितंबर-अक्तूबर तक पूरा करने का लक्ष्य है। इससे पहले दोनों देश अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए भारतीय वाणिज्य मंत्रालय की एक टीम जल्द ही वॉशिंगटन जाएगी। इस दौरान द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के अंतरिम और पहले चरण पर बातचीत होगी। हालांकि, इस यात्रा की तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के मुख्य वार्ताकार अग्रवाल ने कहा कि भारत ने अबतक 26 देशों के साथ 14 से अधिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) लागू किए हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत सहित कई देशों पर लगाए गए अतिरिक्त टैरिफ को एक अगस्त तक निलंबित कर रखा है।

आसियान के साथ व्यापार समझौते की समीक्षा वार्ता में तेजी के प्रयास: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की समीक्षा जल्द पूरी होने की उम्मीद है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि मौजूदा व्यापार समझौते की समीक्षा के लिए आसियान के साथ चर्चा जारी है। वह वार्ता में तेजी लाने के लिए उत्सुक हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने जारी बयान में बताया कि उन्होंने इस मुद्दे पर मलेशिया के निवेश, व्यापार और उद्योग मंत्री टी. जफरुल अजीज के साथ बैठक की है। जफरुल अजीज के साथ वचुर्अल बैठक के बाद उन्होंने कहा कि भारत-आसियान एफटीए की समीक्षा जल्द पूरी होने वाली है। मौजूदा व्यापार समझौते की समीक्षा के लिए आसियान के साथ चर्चा जारी है, वह बातचीत में तेजी लाने को उत्सुक हैं। उन्होंने बताया कि आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की चल रही समीक्षा और उससे जुड़ी चुनौतियों के समाधान पर चर्चा हुई। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा कि निष्पक्ष व्यापार और संतुलित विकास सुनिश्चित करने के लिए आसियान सदस्य देशों के साथ बातचीत में तेजी लाने की आशा है। हमने दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) पर आगे की बातचीत पर भी चर्चा की। गौरतलब है कि मलेशिया, आर्थिक मामलों पर आसियान की ओर से भारत का स्थायी समन्वयक है।

पीएम-किसान से करोड़ों किसान लाभान्वित, 1400 मंडियों को ई-नाम से जोड़ा गया: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए किसानों को 25 करोड़ मृदा हेल्थ कार्ड वितरित किए गए हैं। इसके साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड पहल के माध्यम से फसल ऋण सुलभ कराए गए हैं, जबकि 1,400 मंडियों को ई-नाम प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की तरफ से गुरुवार को जारी बयान में बताया गया कि पीयूष गोयल ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित 16वें एग्रीकल्चर लीडरशिप सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने कृषि क्षेत्र को अपने विकास एजेंडे में निरंतर अग्रिम स्थान दिया है। उन्होंने कहा कि पीएम-किसान सम्मान निधि स्कीम से बड़ी संख्या में किसान परिवारों को लाभ हुआ है। इसके अलावा 1,400 मंडियों को ई-नाम प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है। उर्वरक क्षेत्र में केंद्र सरकार ने किसानों को किफायती दामों पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त सब्सिडी प्रदान की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय किसानों के प्रयासों ने कृषि-निर्यात के मजबूत प्रदर्शन में योगदान दिया है और कृषि, पशुपालन और मत्स्य पालन निर्यात 4 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

बाजार की कमजोरी से निवेशकों को 1.22 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरावट का शिकार होकर बंद हुआ। कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल में कुछ तेजी भी आई। हालांकि थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इन दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। दिनभर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.41 प्रतिशत और निफ्टी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

दिनभर के कारोबार के दौरान रियल्टी, ऑयल एंड गैस और मेटल सेक्टर के शेयरों में लिवाली का जोर बना रहा। दूसरी ओर बैंकिंग, डिफेंस, आईटी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसके अलावा फार्मास्यूटिकल, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉल कैप इंडेक्स ने 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब सवा लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 460.17 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 461.39 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 1.22 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,161 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,961 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,062 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 138 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,639 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,196 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और

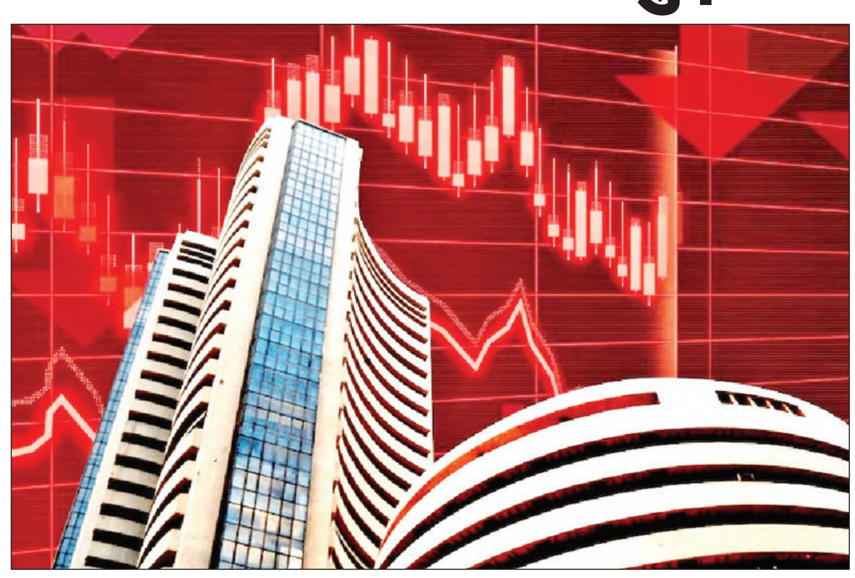

1,443 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 6 शेयर बढ़त के साथ और 24 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 11 शेयर हरे निशान में और 39 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 122.12 अंक उछल कर 83,658.20 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 206.20 अंक की मजबूती के साथ की 83,742.28 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी टिक नहीं सकी। थोड़ी ही देर बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक 401.11 अंक की कमजोरी के साथ 83,134.97 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई खरीदारी की वजह से सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 55 अंक की रिकवरी करके 345.80 अंक की गिरावट के साथ 83,190.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने 35.55 अंक टूट कर 25,511.65 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 47.95 अंक की बढ़त के साथ 25,524.05 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से 180 अंक से अधिक लुढ़क कर 135.65 अंक की कमजोरी के साथ 25,340.45 अंक तक गिर गया। हालांकि कारोबार के आखिरी वक्त में दिन के सौदों के निपटारे के कारण निफ्टी निचले स्तर से करीब 15 अंक की रिकवरी करके 120.85 अंक की गिरावट के साथ 25,355.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिनभर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से मारुति सुजुकी 1.44 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 1.44 प्रतिशत, टाटा स्टील 1.04 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 0.75 प्रतिशत और बजाज फिनसर्व 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, भारती एयरटेल 2.73 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 1.91 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 1.91 प्रतिशत, अपोलो हॉस्पिटल 1.47 प्रतिशत और श्रीराम फाइनेंस 1.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। भाव में गिरावट आने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,170 रुपये से लेकर 98,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 89,990 रुपये से लेकर 90,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,09,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 98,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 98,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 98,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 98,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 89,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

रूस में मजदूरों की कमी, भारत से 10 लाख श्रमिक बुलाने की तैयारी

रूस इस समय गंभीर श्रमिक संकट का सामना कर रहा है। यूक्रेन युद्ध के चलते लाखों रूसी युवा सेना में भर्ती हो चुके हैं, जिससे निर्माण और औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की भारी कमी हो गई है। इस कमी को पूरा करने के लिए रूस ने भारत की ओर रुख किया है। रूसी योजना के अनुसार, वर्ष 2025 के अंत तक भारत से करीब 10 लाख श्रमिकों को बुलाया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस की बड़ी कंपनियां चाहती हैं कि भारतीय मजदूर उनकी मेटल फैक्ट्रियों, मशीन निर्माण इकाइयों और कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स में काम करें। ये कार्य शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन इनकी मजदूरी अच्छी होगी। रूस, भारतीय श्रमिकों के लिए वीजा और दस्तावेजी प्रक्रिया को आसान बनाने हेतु भारत में एक नई व्यवस्था तैयार कर रहा है। मेटल फैक्ट्रियों, मशीन निर्माण इकाइयों और कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स में श्रमिकों की जरुरत, ताकि मजदूर बिना ज्यादा परेशानी के वहां काम करने जा सकें। हालांकि, भारतीय मजदूरों के सामने कुछ चुनौतियाँ भी होंगी।

आईडीबीआई की रणनीतिक बिक्री अक्टूबर तक पूरी होने की संभावना

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आईडीबीआई) की बिक्री प्रकिया अक्टूबर तक पूरी होने की संभावना है। केंद्र सरकार ने इसकी रणनीतिक विनिवेश की प्रक्रिया पर चर्चा पूरी कर ली है। केंद्र सरकार और एलआईसी 60 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी बेचेंगी। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि सरकार ने आईडीबीआई की शेयर खरीद समझौते पर चर्चा पूरी कर ली है, जो वित्तीय बोली लगाने वाले बोलीदाताओं को दिया जाएगा। ऐसे में इस बैंक की रणनीतिक बिक्री अक्टूबर तक पूरी होने की संभावना है। आईडीबीआई के निजीकरण की प्रक्रिया पिछले तीन साल से चल रही है।

सरकार ने अक्टूबर 2022 में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के साथ मिलकर आईडीबीआई बैंक के निजीकरण के लिए निवेशकों से रुचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित किए थे। इस प्रक्रिया के तहत केंद्र सरकार और एलआईसी की कुल 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना है। इसमें सरकार की 30.48 फीसदी और एलआईसी की 30.24 फीसदी हिस्सेदारी शामिल है।

उल्लेखनीय है कि आईडीबीआई भारत के प्रमुख बैंकों में से एक सरकारी बैंक है। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस बैंक को %अन्य क्षेत्र के बैंक% की श्रेणी में रखा है। यह बैंक भारत सरकार द्वारा 22 जून, 1964 को जारी की गई अधिसूचना द्वारा 01 जुलाई, 1964 से अस्तित्व में आया था।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में कमजोरी बनी हुई है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एशियाई बाजारों में भी खरीदारी का माहौल बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का जोर बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,263.26 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 192.87 अंक यानी 0.94 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,611.34 अंक के स्तर

पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.21 प्रतिशत टूट कर 44,365.71 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार जोश बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.14 प्रतिशत उछल कर 8,867.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 111.75 अंक यानी 1.42 प्रतिशत की जोरदार मजबूती के साथ 7,878.46 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 342.65 अंक यानी 1.40 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,549.56 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का माहौल बना हुआ है। एशिया के 9 बाजार में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। थाईलैंड स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से सेट कंपोजिट इंडेक्स में कोई कारोबार नहीं हो रहा है। गिफ्ट निफ्टी 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,505 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 249.65 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,571.63 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,077.10 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,596.52 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने मजबूत छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.01 प्रतिशत उछल कर 3,165.36 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.89 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,005.59 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,505.58 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 23,914.67 अंक के स्तर पर कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं।

पीएसजी ने रियल मैड्रिड को हराकर फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में बनाई जगह, चेल्सी से होगी टक्कर

ईस्ट रदरफोर्ड,10 जुलाई (एजेंसियां)। फेबियन रूइज के दो गोल और उस्मान डेम्बेले के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने बुधवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में रियल मैड्रिड को 4-0 से हराकर फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। अब फाइनल में पीएसजी का सामना रविवार को इंग्लिश क्लब चेल्सी से होगा।

मैच की शुरुआत से ही पीएसजी ने आक्रामक रवैया अपनाया और सिर्फ 24 मिनट में ही 3-0 की मजबूत बढ़त हासिल कर ली। यह मुकाबला खास इसलिए भी रहा क्योंकि यह पहली बार था जब किलियन एम्बाप्पे अपने पूर्व क्लब पीएसजी के खिलाफ खेले। हालांकि, पीएसजी की मजबूत रक्षापंक्ति ने उन्हें गोल करने का कोई मौका नहीं दिया।

मैच 6वें मिनट में उस्मान डेम्बेले ने राउल एसेन्सियो से गेंद छीनकर फेबियन रूइज को शानदार पास दिया, जिसे उन्होंने गोल में बदल दिया।

9वें मिनट में एंटोनियो रुडिगर की गलती का फायदा उठाकर डेम्बेले ने खुद गोल दागा और पीएसजी को 2-0 की बढ़त दिलाई।

24वें मिनट में हाकिमी और डेम्बेले की बेहतरीन समझबूझ के बाद रूइज ने अपना दूसरा गोल किया।

87वें मिनट में गोंसालो रामोस ने गोल करके पीएसजी की जीत पर मुहर लगा दी।

पीएसजी के गोलकीपर जानलुइगी डोनारूमा ने किलियन एम्बाप्पे के शुरुआती शॉट को रोकते हुए कुल दो बचाव किए। पीएसजी ने टूर्नामेंट के छह में से पांच मैचों में क्लीन शीट रखते हुए अपने डिफेंस की मजबूती साबित की है।

रियल मैड्रिड की ओर से ट्रेंट एलेक्जेंडर-अर्नोल्ड चोट के कारण टीम में शामिल नहीं थे। एम्बाप्पे को इस मुकाबले में शुरुआती एकादश में जगह मिली, लेकिन वे प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे।

अब पीएसजी की नजरें रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले पर टिकी होंगी, जहां वे पहली बार क्लब वर्ल्ड कप का खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। दूसरी ओर, चेल्सी 2021 में यह खिताब जीत चुकी है और एक बार फिर विजेता बनने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

न्यूज़ ब्रीफ

श्रीलंका को झटका हसरंगा बंगलादेश के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए

कैंडी। श्रीलंका के स्टार स्पिनर वानिंदु हसरंगा फिट नहीं होने के कारण बंगलादेश के खिलाफ शुक्रवार से शुरु हो रही टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। हसरंगा ने बंगलादेश के खिलाफ पहले एकदिवसीच मैच में टीम को जीत दिलायी थी पर वह अंतिम एकदिवसीय मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। जिससे श्रीलंकाई टीम को करारा झटका लगा है। मेजबान टीम श्रीलंका ने यह एकदिवसीय सीरीज 2-1 से जीती ली थी। हसरंगा की जगह पर अभी तक किसी अन्य खिलाड़ी के नाम की घोष्णा नहीं हुई है। यह स्पिनर अभी कोलंबो लौटकर हाई परफॉर्मेंस सेंटर में अपनी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरेगा। इस सीरीज में चरित असालंका टीम की कप्तानी करेंगे। श्रीलंका टीम इस प्रकार है : चरित असालंका (कप्तान), पथुम निसंका, कुसल मेंडिस, दिनेश चांडीमल, कुसल परेरा, कामिंडु मेंडिस, अविष्का फर्नांडो, दासुन शनाका, डुनिथ वेलालेज, महीश थीक्षाना, जेफरी वांडरसे, चमिका करुणारत्ने, मथीशा पथिराना, नुवान तुषारा, बिनुरा फर्नांडो और ईशान मलिंगा।

महिला क्रिकेट : भारत ने चौथे टी-20 में इंग्लैंड को छह विकेट से हराया, सीरीज़ पर किया कब्जा

मैनचेस्टर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथा टी-20 मैच छह विकेट से जीतकर पांच मैचों की सीरीज़ में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। यह जीत मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर दर्ज की गई, और इसी के साथ भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पहली बार घरेलू या विदेशी ज़मीन पर टी-20 द्विपक्षीय सीरीज़ अपने नाम की। 127 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की सलामी जोड़ी स्मृति मंधाना (32 गेंदों पर 31 रन) और शेफाली वर्मा (19 गेंदों पर 31 रन) ने तेज़ शुरुआत करते हुए सातवें ओवर तक 56 रन की साझेदारी की। हालांकि, शेफाली को ऑफ स्पिनर चार्ली डीन ने आउट कर इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई। जल्द ही स्मृति भी पवेलियन लौट गईं और इंग्लैंड की वापसी की उम्मीदें जागीं। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर (25 गेंदों पर 26 रन) और जेमिमा रॉड्रिग्स (22 गेंदों पर नाबाद 24 रन) के बीच 48 रन की साझेदारी हुई, जिसने टीम को लक्ष्य तक तीन ओवर शेष रहते पहुंचा दिया। इससे पहले, इंग्लैंड ने लगातार चौथी बार टॉस जीतकर बल्लेबाज़ी चुनी। लेकिन तीसरे मैच जैसी शुरुआत दोहराना इंग्लिश सलामी बल्लेबाज़ों के लिए मुश्किल साबित हुआ। सोफिया डंकली (19 गेंदों पर 22 रन) और डैनी वायट-हॉज (7 गेंदों पर 5 रन) को पावरप्ले में ही दीप्ति शर्मा और एन. श्री चरनी ने पवेलियन भेज दिया। इसके बाद एलिस कैप्सी (21 गेंदों पर 18 रन) और कप्तान टैमी ब्यूमोंट (19 गेंदों पर 20 रन) ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन भारतीय स्पिनरों ने शानदार नियंत्रण दिखाते हुए नियमित अंतराल पर विकेट निकालते रहे।

इटली ने टी20 विश्व कप क्रिकेट क्वालीफायर में स्कॉटलैंड को हराया

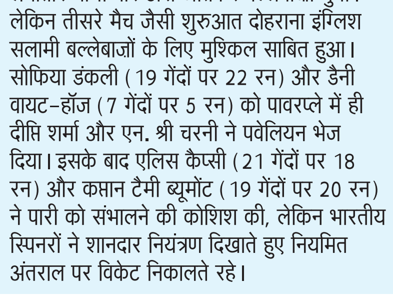

मुम्बई। इटली की टीम को आप अगले टी20 विश्व कप क्रिकेट 2026 में खेलते हुए देखें तो हैरान न हों। ये इसीलिए क्योंकि इटली ने यूरोप क्षेत्र के क्वालीफायर में उन्होंने स्कॉटलैंड को हराया है। अगले साल 2026 में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप में कुल 20 टीमें हिस्सा लेगी। इसमें 13 टीमों ने अभी तक टूर्नामेंट का टिकट हासिल कर लिया पर 7 स्पॉट अभी भी खुले हैं जिनके लिए मुकाबला जारी है। 2026 टी20 विश्व कप में मिल सकता है अवसर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जो बर्न्स की कप्तानी में इटली की टीम पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट में जगह बनाने के करीब पहुंच गयी है। इसके लिए उसे 11 जुलाई को नीदरलैंड्स हो हराना होगा। 5 जुलाई से हुए यूरोपीय क्वालीफायर में अब तक तब पांच टीमों ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के प्रयास किये हैं। इसमें अंतिम दो ग्वेर्नसे एकमात्र टीम है जो बाहर हो गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ब्रिक्स संगठन...

तुर्की के नेता आर्दोआन की ग्लोबल महत्वाकांक्षा है। तुर्की वैश्विक स्तर पर बड़ा नेता बनना चाहता है। इसलिए वह हर उस संगठन में शामिल होना चाहता है, जो वैश्विक राजनीतिक पर असर डालता हो। इसके अलावा ब्रिक्स कोई सैन्य गठबंधन नहीं है, जिससे अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचे। सऊदी अरब भी ब्रिक्स देशों के संगठन में शामिल होना चाहता है। यह तुर्की को कतई रास नहीं आ रहा, क्योंकि तुर्की इस्लामिक देशों का खलीफा बनने के सपने देख रहा है, इसलिए वह सऊदी अरब से आगे निकलना चाहता है।

ताकि कोई ...

सुप्रीम कोर्ट ने एक याची के वकील से पूछा, आप विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनावों से क्यों जोड़ रहे हैं?

उसने कहा कि वे प्रोसेस के खिलाफ हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, चुनाव आयोग जो कर रहा है उसे उसका अधिकार संविधान ने दिया है। सवाल है कि क्या चुनाव आयोग को इंटेंसिव डिवीजन का अधिकार है या नहीं। आप अधिकार को चैलेंज नहीं कर रहे हैं? इस पर याचिका दाखिल करने वाला पक्ष मौन रह गया। उस पक्ष ने कहा कि आधार कार्ड को भी नागरिकता प्रमाण के रूप में शामिल किया जाना चाहिए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि आधार कार्ड का इस्तेमाल नागरिकता के लिए नहीं हो सकता। यह गृह मंत्रालय का काम है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, राशन कार्ड वगैरह को मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए उपयोग कर सकते हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि तेजी से शहरीकरण, लगातार माइग्रेशन, युवा वोटर्स का मतदान के लिए पात्र होना और विदेशी अवैध प्रवासियों के नाम का मतदाता सूची में शामिल होना वोटर लिस्ट के रिवीजन के पीछे अहम वजह है।

वोटर लिस्ट ...

देश के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि मतदाता सूची में संशोधन का फार्मूला पूरे देश में लागू किया जाएगा। मतदाता सूची से प्रत्येक घुसपैठिए को बाहर किया जाएगा। असम और बंगाल समेत पूरे देश में 11 दस्तावेजों की जांच की जाएगी। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची की यह गहन समीक्षा देश के हर राज्य में की जाएगी। इसमें घर-घर जाकर मतदाताओं की पुष्टि की जाएगी। बिहार में वोटर्स की लिस्ट की जांच के बाद, अब यही काम पश्चिम बंगाल और असम में होगा। मुख्य चुनाव आयोग इस अभियान के जरिए यह सुनिश्चित करना चाहता है कि कोई भी गैर-भारतीय मतदाता सूची में शामिल न हो।

यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है, जब इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों की मौजूदगी पर पहले से ही राजनीति गरमाई हुई है। बिहार में चुनाव के बाद, असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में यह अभियान चलाया जाएगा, जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले सभी राज्यों की मतदाता सूचियों की विशेष गहन समीक्षा पूरी करने की योजना है। विपक्षी दलों ने इस फैसले पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि नागरिकता तय करना सरकार का काम है, न कि चुनाव आयोग का। विपक्षी दल यह भी तर्क दे रहे हैं कि बिहार में ज्यादातर लोगों के पास आधार या राशन कार्ड जैसे दस्तावेज ही हैं। लेकिन चुनाव आयोग ने 11 विशिष्ट दस्तावेजों की सूची जारी की है, जिनमें ये शामिल नहीं हैं।

चुनाव आयोग का यह अभियान पश्चिम बंगाल और असम में खास तौर पर महत्वपूर्ण है। इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों की मौजूदगी को लेकर लंबे समय से राजनीतिक विवाद रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन राज्यों में मतदाता सूची में बड़ी संख्या में ऐसे लोग शामिल हैं जो भारतीय नागरिक नहीं हैं। चुनाव आयोग का यह अभियान घुसपैठियों को मतदाता सूची से बाहर करने में मदद कर सकता है।

चुनाव आयोग ने मतदाता सूची की समीक्षा के लिए 11 दस्तावेजों की सूची जारी की है, लेकिन इसमें आधार कार्ड, पैन और ड्राइविंग लाइसेंस शामिल नहीं हैं। इसका कारण यह है कि ये दस्तावेज पहचान का प्रमाण तो हैं, लेकिन नागरिकता के प्रमाण नहीं हैं। हालांकि, फॉर्म 6 (नए वोटर बनने के लिए) में आधार का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे यह सवाल उठता है कि अगर आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है तो इसे क्यों स्वीकार किया जाता है। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त भी इस बात पर चिंता जता चुके हैं कि आधार का इस्तेमाल गैर-नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल होने का मौका दे सकता है।

वोटर लिस्ट का गहन रिवीजन जरूरी है ताकि मतदान के लिए पहले से रजिस्टर्ड लोगों की प्रामाणिकता की पुष्टि की जा सके। भारत जैसे देश में अवैध इमीग्रेशन एक बड़ी समस्या है। इसलिए वोटर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया में ढिलाई नहीं बरती जा सकती। विशेषज्ञों का मानना है कि पहली बार मतदाता बनने वालों के लिए सिर्फ घोषणा ही नहीं, बल्कि नागरिकता का प्रमाण भी अनिवार्य होना चाहिए।

बिहार के सीमांचल क्षेत्र में जनसंख्या से कहीं अधिक आधार कार्ड और निवास प्रमाणपत्र जारी होने की गड़बड़ी से सरकार चिंतित है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया जैसे जिलों में मुस्लिम आबादी 47 प्रतिशत तक पहुंच गई है। चुनाव आयोग को हर विधानसभा क्षेत्र में 10 हजार फर्जी वोटरों की आशंका है, जिसके चलते मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू किया गया है।

प्रत्येक विधानसभा...

कटिहार में 45 प्रतिशत और पूर्णिया में 39 प्रतिशत हो गई। कुल मिला कर इन चारों जिलों में मुस्लिम आबादी 47 प्रतिशत हो गई। सीमांचल में तेजी से हो रहे जनसांख्यिकी बदलाव से केंद्र सरकार चिंतित है। चुनाव आयोग के मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का आधार भी यही है।

पुनरीक्षण अभियान का सर्वाधिक विरोध राज्य के मुस्लिम इलाकों में है। मुस्लिमों का बड़ा हिस्सा अरसे से विपक्षी महागठबंधन का समर्थन करता रहा है। महागठबंधन विरोध के बहाने मुस्लिमों को गोलबंद करना चाहता है। पूरे देश की करीब 90 फीसदी आबादी के पास आधार कार्ड है। वहीं, बिहार के सीमांचल में यह आंकड़ा आबादी से भी ज्यादा है। किशनगंज में आधार कार्ड की संख्या आबादी का 105.16 फीसदी, अररिया में 102.23 फीसदी, कटिहार में 101.92 फीसदी और पूर्णिया में 101 फीसदी है। यह क्षेत्र सामरिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील माने जाने वाले सिलीगुड़ी कॉरिडोर के चिकेन नेक के करीब है। सीमांचल सहित कुछ चुनिंदा जिलों से जुड़े विस क्षेत्रों में औसतन दस हजार फर्जी मतदाता हैं। आबादी से अधिक आधार कार्ड प्रथम दृष्टया इसे सही साबित करता है। बिहार में अक्टूबर-नवंबर में चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में विपक्ष सवाल उठा रहा है कि महज तीन से चार महीने में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान कैसे पूरा किया जा सकता है?

उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग के सक्रिय होते ही मुस्लिमों की अवैध आबादी भी सक्रिय हो गई। मतदाता सूची से नाम हटे इसके लिए निवास प्रमाण पत्र पाने के लिए मार मची हुई है। किशनगंज में पहले एक महीने में निवास प्रमाण पत्र के लिए 25 हजार आवेदन आते थे। उसकी संख्या एक हफ्ते 1.27 लाख हो गई। घुसपैठियों को बचाने के लिए राजद और कांग्रेस बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण का विरोध कर रही है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पिछले दिनों कहा कि निवास प्रमाण पत्र बनवाने की होड़ से पता चलता है कि किशनगंज में घुसपैठिए कितनी बड़ी संख्या में मौजूद हैं।

बिहार में आगामी 4-5 महीनों में चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले चुनाव आयोग तैयारियों में लगा हुआ है। चुनाव आयोग इसी कड़ी में वोटर लिस्ट का निरीक्षण कर रहा है। सभी मतदाताओं से कागज मांगे जा रहे हैं ताकि उनका नाम वोटर लिस्ट में फिर से शामिल किया जा सके। जैसे ही यह प्रक्रिया चालू हुई है, बिहार के मुस्लिम बहुल जिले किशनगंज में निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन की संख्या 5-6 गुना बढ़ गई है। किशनगंज में इस बढ़त ने जिले में घुसपैठ और डेमोग्राफी चेंज के सवाल दोबारा खड़े कर दिए हैं। पैन कार्ड, आधार कार्ड और पासपोर्ट जैसे दस्तावेजों में समय और प्रमाण लगते हैं जबकि निवास प्रमाण पत्र आसानी से बन जाता है। यह मसला केवल वोट से ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ता है। किशनगंज बिहार का अकेला ऐसा जिला है जहां मुस्लिम आबादी 70 प्रतिशत से अधिक है और यहां डेमोग्राफी बदलाव तेजी से हुआ है। किशनगंज में बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की घुसपैठ भी बड़े स्तर पर हुई है।

देश की आजादी के समय किशनगंज हिंदू बहुल इलाका था। लेकिन बीते कुछ दशकों में यहां की डेमोग्राफी काफी तेजी से बदली है। अब यहां हिंदू अब एक तिहाई भी नहीं रह गए हैं। यहां हिंदू बीते कुछ दशक में अल्पसंख्यक हो चुके हैं। इस बदलाव की सबसे बड़ी वजह घुसपैठ है। यह जिला पश्चिम बंगाल की सीमा पर बसा हुआ है। यहां से लगातार बांग्लादेशी घुसपैठिए और रोहिंग्या गिरफ्तार हुए हैं। किशनगंज की सीमा नेपाल से भी सटी हुई है। किशनगंज में फर्जी आधार और पैन जैसे दस्तावेज बनाने वाले पकड़े गए हैं। यानि यहां बांग्लादेशी और रोहिंग्या को मदद करने वाले भी मौजूद हैं। इसके अलावा, यहां बड़ी संख्या में बंगाली बोलने वाले हैं जो इन घुसपैठियों को आम जनसंख्या में मिलने का मौक़ा देता है।

किशनगंज के जिलाधिकारी विशाल राज ने कहा कि लोग घबराहट में आवासीय प्रमाणपत्र के लिए आवेदन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग के नए नियमों के तहत मतदाता पहचान के लिए जन्मस्थान और तारीख से जुड़े दस्तावेज अनिवार्य कर दिए गए हैं। ऐसे में लोग जल्दबाजी में आवश्यक प्रमाणपत्रों की तलाश में जुटे हैं। वहीं दूसरी ओर इस मामले को लेकर राजद और कांग्रेस जैसे विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यह एक खास तबके को मतदान से बाहर करने की साजिश है। राजद के एक नेता ने कहा, जिनके पास जन्म प्रमाणपत्र या जमीन के कागज नहीं हैं, वे भी दशकों से इस देश के नागरिक हैं। अब उन्हें घुसपैठिया बताना अमानवीय है।

विपक्ष ने मतदाता पुनरीक्षण के विरोध में कल यानि 9 जुलाई को किशनगंज में प्रदर्शन किया। किशनगंज के सांसद के पुत्र और सर्वोच्च न्यायालय में अधिवक्ता जैरिफ हुसैन ने सर्वोच्च न्यायालय में 8 जुलाई को एक याचिका दाखिल की है। इसमें चुनाव आयोग द्वारा जारी आदेश को चुनौती दी गई है। उल्लेखनीय है कि किशनगंज बिहार का महत्वपूर्ण सीमावर्ती जिला है। जो पश्चिम में अररिया, दक्षिण-पश्चिम में पूर्णिया, पूर्व में पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिला एवं पूर्व में पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले से घिरा हुआ है। इस जिले से सटे उत्तर दिनाजपुर जिला की सीमा पर बांग्लादेश और एवं किशनगंज जिले के ठाकुरगंज, दिघलबैंक एवं टेढ़ागाछ प्रखंड सीमा से नेपाल जुड़ता है। इस नाते यह जिला बहुत ही संवेदनशील है।

प्रतिबंधित आईएमओ ...

अवैध तरीके से भारत में घुसे थे। इसके अलावा ये सभी रात के अंधेरे में अवैध गतिविधियों में भी शामिल पाए गए हैं।

अहम बात ये कि इन सभी के पास से जो स्मार्टफोन मिले हैं। उसमें इन लोगों ने आईएमओ ऐप इंस्टॉल कर रखे थे। इसी के जरिए ये बांग्लादेश में लगातार सम्पर्क में थे। इस ऐप की खासियत यह है कि ये मुफ्त, सरल और सुरक्षित इंस्टेंट मैसेजिंग और वीडियो कॉलिंग की सुविधा देता है। लो इंटरनेट पर भी यह बहुत ही अच्छे से काम करता है। इसमें व्हाट्सएप की ही तरह एंड टू एंड इन्क्रिप्टेड मैसेज और कॉल की सुविधा है। इस कारण से इसे ट्रैक कर पाना मुश्किल होता है। आईएमओ ऐप भारत में प्रतिबंधित है। इन ऐप्स का इस्तेमाल पाकिस्तान में बैठे आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में सक्रिय कार्यकर्ताओं और अन्य गुर्गों को कोडेड संदेश भेजने के लिए कर रहे थे।

पकड़े गए बांग्लादेशी मुख्यत: फरीदपुर, ढाका, बरीसाल,चटगांव और जमालपुर के रहने वाले हैं। डीसीपी भीष्म सिंह इस मामले में कहते हैं कि हमें इनपुट मिला था कि कुछ संदिग्ध लोग मुकुंदपुर फ्लाईओवर के आसपास देखे गए हैं। इसके बाद जब हमारी टीम ने पड़ताल की और इन्हें पकड़ा तो इसका खुलासा हुआ। ये सभी फ्लाईओवर के आसपास भीख मांग रहे थे। इसके साथ ही दिल्ली कैंट से भी पांच बांग्लादेशियों को पकड़ा गया है, जिसमें जिम्मू खातून, उसका 40 दिन का बेटा, उकिल अमीन, अब्दुल रहीम और मोहम्मद जहीदुल इस्लाम शामिल है।

ऊंची हस्तियों...

श्रीमुखी जैसी फिल्म अभिनेत्रियां और यूट्यूबर लोकल बॉय नानी, हर्षा साई जैसे इन्फ्लुएंसर्स भी नामजद हैं। ईडी को शक है कि अवैध बेटिंग ऐप्स के प्रमोशन के जरिए बड़े पैमाने पर मनी लॉन्ड्रिंग हो रही थी और हजारों यूजर्स को चूना लगाया जा रहा था।

कानून के शिकंजे में फंसने के बाद अब ये हस्तियां अपनी सफाई पेश कर रही हैं। विजय देवरकोंडा ने कहा कि उनका ऐ-23 ऐप स्किल बेस्ड गेमिंग है, सुप्रीम कोर्ट ने रमी को लीगल माना है, कोई बेटिंग नहीं। राणा दग्गुबाती ने कहा कि उनका कॉन्ट्रैक्ट 2017 में खत्म हो गया, सब लीगल था। प्रकाश राज ने कहा कि उन्होंने 2016 में जंगली रमी प्रमोट किया, लेकिन एक साल में छोड़ दिया क्योंकि नैतिकता से मैच नहीं कर रहा था। लेकिन जांच एजेंसी का कहना है कि यह अवैध धंधा बहुत बड़े पैमाने पर चल रहा है, जिसे बड़ी-बड़ी फिल्मी और खेल हस्तियां सपोर्ट कर रही हैं और करोड़ों रुपए का वारान्यारा किया जा रहा है। इसके पीछे बड़े-बड़े राजनीतिक सूत्रधार भी बैठे हैं। इस धंधे के कई महत्वपूर्ण सुराग ईडी को हाथ लगे हैं। इस घोटाले का बड़ा दायरा देखते हुए इस मामले में कुछ अन्य जांच एजेंसियों को भी शामिल किए जाने पर विचार किया जा रहा है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फिलहाल अपनी जांच तेज कर दी है। उन लोगों को भी खोजा जा रहा है जिन्हें इन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्मों द्वारा ठगा गया। ऐप्स से होने वाली आय की अनुमानित राशि और इन मशहूर हस्तियों की वास्तविक भूमिका का पता लगाने के लिए एक व्यापक जांच चल रही है। उनके बयान दर्ज होने के बाद ही उनके अपराध के बाबत फैसला किया जाएगा। ईडी अब इन सभी स्टार्स और इन्फ्लुएंसर्स से पूछताछ करने जा रहा है कि उन्होंने कितने पैसे में प्रमोशन किया, पेमेंट कैसे मिला और टैक्स डिटेल्स क्या है। जांच में सामने आया है कि इन ऐप्स के जरिए हजारों करोड़ रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ है। ये ऐप्स युवाओं को जल्दी पैसा कमाने का लालच देते हैं, लेकिन बाद में लोग आर्थिक और मानसिक तौर पर टूट जाते हैं।

बीते साल भी महादेव बेटिंग ऐप का मामला सामने आया था। उस मामले में भी कई बॉलीवुड, टॉलीवुड और टीवी सितारों का नाम उछला था। उस मामले में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भी लिप्त होने का मामला उजागर हुआ था। ईडी की पूछताछ और जांच के बाद साफ होगा कि यह कितना बड़ा घोटाला है।

मंदिरों के धन...

समस्या की तरह उभर रहा है। नवंबर 2021 में तमिलनाडु सरकार ने मंदिरों में चढ़ने वाले पैसे और सोना समेत हर तरह के दान की निधि से चार कला और विज्ञान कॉलेज खोलने की योजना बनाई थी। विपक्षी दलों में इस पर तब भी विरोध किया था। हालांकि इस पर मद्रास हाईकोर्ट ने यह कहकर अंतरिम रोक लगा दी थी कि मंदिर का धन श्रद्धालुओं की ओर से धार्मिक आस्था के कारण दिया जाता है। साथ ही इसका उपयोग मंदिर के ट्रस्टियों की अनुमति के बिना भी नहीं किया जा सकता।

इसके बाद ताजा विवाद जुलाई 2025 में फिर सामने आया। एआईएडीएमके ने फिर आरोप लगाया कि तमिलनाडु सरकार मंदिरों के चढ़ावे को कॉलेज के निर्माण में कर रही है। ये विवाद तब और सुलग गया जब अप्रैल 2025 को करुणानिधि स्मारक पर श्रीविल्लिपुत्तूर मंदिर के गोपुरम (मंदिर का ऊपरी हिस्सा) की छवि बनाई गई। भाजपा ने इसे हिंदू आस्था पर हमला कहा। तमिलनाडु भाजपा के उपाध्यक्ष नारायणन तिरुपति ने कहा कि यह अहंकार और मूर्खता की पराकाष्ठा है। देश के 10 राज्यों में 1,10,000 हिंदू मंदिर सरकार के नियंत्रण में हैं। तमिलनाडु में मंदिरों के 4.78 लाख एकड़ भूमि, 36,425 मंदिर और 56 मठ सरकार के नियंत्रण में हैं। सरकारी विभाग 35,000 से अधिक मंदिरों का रखरखाव करता है। इन मंदिरों से मिलने वाली निधि का उपयोग अस्पतालों, अनाथालयों, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य सामाजिक संस्थाओं के निर्माण और रखरखाव में किया जाता है।

इसी साल अप्रैल में यह तथ्य सामने आया कि सरकार की ओर से तमिलनाडु के 21 मंदिरों में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए सोने को पिघलाकर 24 कैरेट की छड़ों के रूप में बदलकर इन्हें बैंक में जमा कर दिया गया है। इसके जरिए निवेश से मिले ब्याज का उपयोग विकास कार्यों के लिए किया जाता है। इस निवेश से सरकार को हर साल लगभग 17.81 करोड़ रुपए का ब्याज मिल रहा है। सरकार ने विधानसभा में कहा कि सरकार की इस योजना से मंदिरों को आर्थिक लाभ मिला है। इस विभाग को मिले फायदों को इस तरह से भी जाना जा सकता है कि जब जुलाई 2025 में 1,10,000 हिंदू मंदिर महासचिव ने मंदिर निधि के दुरुपयोग पर सवाल उठाए तो डीएमके के मंत्री पीके शेखर बाबू ने उन पर निशाना तो साधा ही पर साथ में ये भी बताया कि विभाग ने मंदिर धन का उपयोग करके 25 स्कूल, 9 कॉलेज और एक पॉलिटेक्निक संस्थान स्थापित किया जा चुका है। इसके अलावा 19 अस्पताल भी स्थापित किए गए।

विडंबना यह है कि सिर्फ मंदिर ही सरकार के अधीन रखे गए हैं। किसी मस्जिद या चर्च को या उनकी संपत्ति को सरकार के न तो अधीन रखा गया और न ही सरकार का उन पर किसी भी तरह का नियंत्रण है। मंदिर को ही सरकारी तंत्र में शामिल कर श्रद्धालुओं की ओर से धर्म के नाम पर दिए गए दान को सार्वजनिक उपयोग के लिए किया जा रहा है। इस लिहाज से ये धार्मिक असंतुलन के साथ हिंदुओं की आस्था के साथ भी दोगलापन है। इस तरह के नीतिगत पक्षपात के लिए न केवल आवाज उठाना सही है बल्कि मंदिर के साथ सभी धार्मिक संस्थाओं के साथ एक जैसा व्यवहार सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

आज से 9 अगस्त तक चलेगा सावन का महीना

इस साल सावन का महीना 11 जुलाई 2025 से शुरू होकर 9 अगस्त 2025 तक चलेगा। सावन का पहला सोमवार 14 जुलाई को पड़ेगा और सावन का अंतिम सोमवार 4 अगस्त को पड़ रहा है। सावन महीने में 4 सोमवार व्रत होंगे और चार मंगला गौरी व्रत होंगे। वहीं धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस समय मंत्र जप का भी बहुत महत्व होता है। 'ओम नमः शिवाय' मंत्र का जप करने से सभी तरह के दुख-दर्द दूर हो जाते हैं। शिव भगवान को यदि प्रसन्न करना है तो सावन माह में पूरे विधि विधान के साथ उनकी पूजा जरूर करनी चाहिए। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस साल सावन का महीना 11 जुलाई 2025 से शुरू होकर 9 अगस्त 2025 तक चलेगा। सावन का पहला सोमवार 14 जुलाई को पड़ेगा और सावन का अंतिम सोमवार 4 अगस्त को पड़ रहा है। इस साल सावन में कुल 4 सोमवार आ रहे हैं। सावन महीने में 4 सोमवार व्रत होंगे। सावन माह में सोमवार के दिन का भी विशेष महत्व होता है। सावन सोमवार व्रत मनोकामना पूर्ति के लिए किया जाता है। इस दिन भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने से सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। इसलिए धार्मिक दृष्टि से सावन सोमवार का विशेष महत्व होता है। इस महीने राशि के अनुसार विशेष उपाय करने शिवजी की कृपा प्राप्त होती है।

सावन के प्रत्येक सोमवार और सभी मंगलवार बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। सावन के सभी सोमवार को शिवजी का व्रत रखा जाता है। वहीं सावन के मंगलवार को मंगला गौरी व्रत होता है। सुहागिन महिलाओं के लिए सावन के मंगला गौरी व्रत का खास महत्व होता है। महिलाएं पति की दीर्घायु के लिए यह व्रत रखती हैं। इसके साथ ही सावन के दोनों प्रदोष व्रत, नाग पंचमी, रक्षा बंधन और हरियाली तीज जैसे प्रमुख व्रत त्योहार भी धूमधाम से मनाए जाते हैं। सावन के सोमवार का भक्तों को बहुत इंतजार रहता है। इस महीने में भोलेशंकर की विशेष अराधना की जाती है। लोग भोले शंकर का रुद्राभिषेक कराते हैं। सावन मास भगवान शिव का सबसे पसंदीदा माह है और इस दौरान यदि कोई श्रद्धालु पूरी आस्था के साथ भोलेनाथ की आराधना करता है तो उसकी सभी मनोकामना

पूर्ण होती है इस महीने भगवान शिव की विधि-विधान के साथ पूजा होती है। सावन के पावन महीने में शिव के भक्त कावड़ लेकर आते हैं और उस कांवड़ में भरे गंगा जल से शिवजी का अभिषेक करते हैं।

कब से कब तक रहेगा सावन

इस वर्ष सावन का महीना 11 जुलाई 2025 से शुरू होकर 9 अगस्त 2025 तक चलेगा। इस दौरान कुल चार सोमवार आएंगे। सावन का समापन रक्षाबंधन पर्व के साथ होगा, जो भाई-बहन के रिश्ते का प्रतीक है, जो इस बार 9 अगस्त को मनाया जाएगा।

शुभ योग

इस बार सावन के पहले ही दिन एक विशेष योग बन रहा है, जिसे शिववास योग कहा जाता है। इस शुभ संयोग में भगवान शिव माता पार्वती के साथ कैलाश पर्वत पर विराजमान रहेंगे। मान्यता है कि इस योग में शिवजी की पूजा और जलाभिषेक करने से साधक को सौभाग्य, सुख-समृद्धि और मनचाहा वरदान प्राप्त होता है।

सावन में 4 सोमवार

सावन में 4 सोमवार व्रत रहेंगे। इसके अलावा कई विशेष शुभ योग भी आएंगे। ऐसी मान्यता है कि इस माह में किए गए सोमवार के व्रत का फल बहुत जल्दी मिलता है।

सावन सोमवार की तिथियां

पहला सोमवार- 14 जुलाई 2025
दूसरा सोमवार- 21 जुलाई 2025
तीसरा सोमवार- 28 जुलाई 2025
चौथा सोमवार- 4 अगस्त 2025

मंगला गौरी व्रत तिथि

पहला मंगला गौरी व्रत - 15 जुलाई
दूसरा मंगला गौरी व्रत - 22 जुलाई
तीसरा मंगला गौरी व्रत - 29 जुलाई
चौथा मंगला गौरी व्रत - 5 अगस्त

सावन का महत्व

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि सावन के महीने में भगवान शिव की पूजा अर्चना का विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है इस दिन जो भी पार्वती और भगवान भोलेनाथ की आराधना करता है उसे सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान भोलेनाथ को अपने पति के रूप में पाने के लिए माता पार्वती ने कठोर तपस्या की थी। इसके फलस्वरूप महादेव ने पार्वती जी को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार करने का वर दिया। मान्यता है कि जो भी सावन के सोमवार में भगवान भोलेनाथ की पूरी श्रद्धा के साथ पूजा करता है उसे मनचाहा वर या वधू प्राप्त होता है। इसके अलावा सावन के सोमवार का व्रत रखने से कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है और इसके अलावा राहु-केतु का अशुभ प्रभाव दूर होता है।

मां पार्वती को भी सावन अत्यंत प्रिय

भगवान शंकर को जिस तरह से सावन मास प्रिय है। ठीक उसी तरह से मां पार्वती को भी सावन का महीना अत्यंत प्रिय है। मान्यता है कि सावन महीने में सोमवार के दिन भगवान शंकर की पूजा करने से मनचाहा वरदान प्राप्त होता है। वहीं सावन के मंगलवार को मंगला गौरी व्रत रकने से मां पार्वती की कृपा से अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है।

सावन व्रत त्योहार

12 जुलाई जया पार्वती व्रत
14 जुलाई सावन का पहला सोमवार, संकष्टी चतुर्थी
15 जुलाई नाग पंचमी (कृष्ण पक्ष)
16 जुलाई कर्क संक्रांति
17 जुलाई कालाष्टमी
21 जुलाई सावन का दूसरा सोमवार व्रत, कामिका एकादशी
22 जुलाई भौम प्रदोष व्रत
23 जुलाई सावन शिवरात्रि
24 जुलाई हरियाली अमावस्या
27 जुलाई हरियाली तीज
28 जुलाई सावन का तीसरा सोमवार व्रत
29 जुलाई नाग पंचमी (शुक्ल पक्ष)
31 जुलाई तुलसीदास जयंती
4 अगस्त चौथा सोमवार व्रत
5 अगस्त श्रावण पुत्रदा एकादशी
6 अगस्त प्रदोष व्रत
8 अगस्त वरलक्ष्मी व्रत
9 अगस्त रक्षाबंधन, नारली पूर्णिमा, श्री सत्यनारायण व्रत

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

सावन माह में पृथ्वी पर क्यों आते हैं महादेव, जानें कहां करते हैं वास

सावन का पवित्र महीना भगवान शिव को समर्पित है। इस महीने में कांवड़ यात्रा की शुरुआत होती है। साथ ही महादेव का विशेष चीजों के द्वारा अभिषेक किया जाता है।

धार्मिक मत है कि महादेव की पूजा करने से साधक के सभी दुख दूर होते हैं और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सावन के महीने भगवान शिव पृथ्वी पर वास क्यों करते हैं। अगर नहीं पता, तो ऐसे आइए हम आपको बताएंगे इसके बारे में।

पौराणिक कथा के मुताबिक, एक बार राजा दक्ष ने विशाल यज्ञ का आयोजन किया। उन्होंने यज्ञ के लिए सभी को आमंत्रण दिया, लेकिन भगवान शिव को आमंत्रित नहीं दिया। जब इस बात की जानकारी मां पार्वती को हुई, तो उन्होंने भी यज्ञ में जाने के लिए जिद की, लेकिन महादेव ने जाने इंकार कर दिया। इसके बाद मां पार्वती ने महादेव की बात को नहीं माना और वह यज्ञ में शामिल होने के लिए चली गईं।

वहां पहुंच कर उन्होंने देखा कि यज्ञ में सभी के लिए स्थान है, लेकिन महादेव के लिए नहीं है और राजा दक्ष ने भगवान शिव का अपमान किया। इसको देखकर मां पार्वती क्रोधित होकर यज्ञ की अग्नि में कूद कर अपने प्राण त्याग दिए। उन्होंने प्रण लिया कि जब भी दोबारा जन्म होगा, तो महादेव को अपने पति के रूप में स्वीकार करेंगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार, तभी से सावन के महीने में महादेव पृथ्वी पर आकर सृष्टि का संचालन करते हैं। इस माह में कनखल में शिव जी दक्षेश्वर रूप में विराजमान रहते हैं।

इसके बाद मां पार्वती ने दूसरा जन्म माता सती और राजा हिमालय की पुत्री के रूप में लिया। उन्होंने महादेव को पति के रूप में पाने के लिए सावन के महीने में तपस्या की। उनकी तपस्या को भगवान शिव प्रसन्न हुए और मां पार्वती को पत्नी के रूप में स्वीकार किया। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां पार्वती की तपस्या की वजह से ही महादेव को सावन का महीना प्रिय है।

सावन में क्यों नहीं कटवाते बाल और दाढ़ी जानिए धार्मिक और वैज्ञानिक कारण

भोलेनाथ का प्रिय महीना सावन 11 जुलाई 2025 से शुरू होने जा रहा है। इस दौरान शिवालयों में भोलेनाथ के भक्त जलाभिषेक करेंगे। जगह कांवड़ यात्राएं निकली जाएंगी। इसके साथ ही इस महीने में खास बात देखने को मिलती है कि पुरुष दाढ़ी और बाल नहीं कटवाते हैं।

सावन के महीने में दाढ़ी और बाल बढ़ाए हुए कई सारे लोग आपको अपने आस-पास देखने के लिए मिलेंगे। क्या आपने कभी सोचा है कि सावन के महीने में ऐसा क्यों होता है? दरअसल, इसके पीछे धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों तरह के कारण है। आज हम इसके बारे में आपको बताने जा रहे हैं।

धार्मिक कारण यह है

सबसे पहले बात करते हैं सावन के महीने में दाढ़ी और बाल न कटवाने का धार्मिक कारण क्या है। दरअसल, इस दौरान भगवान शिव की पूजा और तपस्या पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। इस दौरान लोग स्वयं को भूलकर अपने शारीरिक श्रृंगार को छोड़ दें।

यह समय सिर्फ शिवजी की तपस्या पर ध्यान देने का हो। इसलिए दाढ़ी और बाल कटवाने से मना किया जाता है। ताकि उसमें समय बर्बाद न हो। इसके आलावा यह भी माना जाता है कि ऐसा करने से व्रत अखंडित रहता है।

वैज्ञानिक कारण ये हैं

सावन के महीने में दाढ़ी और बाल न कटवाने का वैज्ञानिक कारण यह है कि बारिश के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। उस दौरान बाल कटवाने या दाढ़ी बनवाने से कटने या छिलने का डर रहता है। इससे घाव या संक्रमण होने का खतरा बढ़ सकता है।

दरअसल, मानसून के सीजन में धूप की कमी के कारण घाव देरी से भरते हैं। लिहाजा, इस दौरान कटने या छिलने से लगी हुई चोट को भरने में लंबा समय लगता है। यदि सही से देखभाल न की जाए, तो संक्रमण होने से स्थितियां गंभीर हो सकती हैं।

वहीं, दाढ़ी और बाल प्राकृतिक अवरोध का काम करते हैं। नमी और गंदगी के कारण मानसून के समय में फंगल इन्फेक्शन और त्वचा संबंधी बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इसी वजह से इस दौरान दाढ़ी और बाल न कटवाने की सलाह दी जाती है।

सूर्य गोचर कर्क राशि में, अब सिंह, तुला सहित पांच राशियों के शुरु होंगे सुनहरे दिन

सूर्य गोचर कर्क राशि में 16 जुलाई को होने जा रहा है। 16 जुलाई को सूर्य शाम में 5 बजकर 17 मिनट पर कर्क राशि में प्रवेश कर जाएंगे। सूर्य का यह गोचर इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि, ज्योतिष शास्त्र में सूर्य और चंद्रमा के मित्रवत संबंध बताए गए हैं। ऐसे में सूर्य का यह गोचर कई राशियों के लिए बहुत ही शुभ साबित होने वाला है। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य को मान-सम्मान, आत्मा, ऊर्जा, लीडरशिप क्वालिटी का कारक ग्रह माना गया है। ऐसे में सूर्य अपना मित्रवत राशि कर्क में बैठकर कर्क, सिंह, कन्या सहित 5 राशियों को लाभ दिलाने वाले हैं। इन राशियों को लाभ के साथ कई अच्छे अवसर मिलेंगे साथ ही इन राशियों के धन लाभ कमाने का भी मौका मिलेगा।

कर्क राशिवालों को मिलेंगे अच्छा अवसर

सूर्य का गोचर आपकी राशि में होने जा रहा है यानी आपके लग्न भाव में सूर्य का यह गोचर रहेगा। पहले भाव में सूर्य के गोचर को अच्छे परिणाम देने वाला बताया गया है। साथ ही आर्थिक मामलों में भी आपको थोड़ी बहुत राहत इस दौरान मिल सकती है। आपको इस दौरान कुछ ऐसे अवसर मिलेंगे जो आपको धन लाभ दिला सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को कमाई के भी कई अच्छे अवसर मिलेंगे लेकिन, आपको कोशिश करनी है कि आप उन अवसरों को अच्छे से पहचान लें।

सिंह राशिवालों के विदेश यात्रा के योग

सूर्य का गोचर सिंह राशिवालों के 12वें भाव में होने जा रहा है। ऐसे में अपने स्वराशि सिंह राशिवालों की किस्मत सूर्यदेव चमकाने वाले हैं। सिंह राशि के लोगों को विदेशी संबंधों से लाभ मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों की इस दौरान विदेश की यात्रा हो सकती हैं। कामकाज के सिलसिले में आपको कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। आपके पारिवारिक जीवन में इस दौरान स्थिरता आएगी। आप अपने दोस्तों, परिवार और जीवनसाथी के साथ अच्छा टाइम स्पेंड करेंगे जिससे आपके रिश्तों में मजबूती आएगी।

कन्या राशिवालों को कार्यक्षेत्र में होगा लाभ

सूर्य का गोचर कन्या राशिवालों के 11वें भाव में होने जा रहा है। ऐसे में आप अपने सभी काम सही ढंग से करते नजर आएंगे। जिसका असर आपकी पर्सनल लाइफ के साथ साथ प्रोफेशनल लाइफ पर भी दिखाई देगा। हालांकि, यह गोचर सबसे ज्यादा सरकारी नौकरी करने वालों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। क्योंकि, इस दौरान आपको अपनी मेहनत के लिए बढ़िया लाभ मिल सकता है। अगर आप कोई जमीन जायदाद खरीदने का मन बना रहे थे तो यह समय बहुत शुभ रहेगा।

तुला राशिवालों की बढ़ेगी कमाई

सूर्य का गोचर तुला राशिवालों के 10वें भाव में होने जा रहा है। ऐसे में आपके व्यक्तिगत संबंधों में वृद्धि होने की संभावना है। साथ ही आपको पेशेवर जीवन में सफलता मिलती जाएगी। प्राइवेट नौकरी करने वालों के भी वेतन में वृद्धि व्यवसाय में एक के बाद एक कई सुनहरे अवसर मिल सकते हैं। आप अपने कार्यक्षेत्र में इस दौरान काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। व्यक्तिगत मोर्चे पर, आपके परिवार के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे, खासकर आपके पिता के साथ। इस दौरान आपको समाज में भी मान सम्मान और आपको एक अलग पहचान मिलेगी। परिवार के साथ जो भी मतभेद थे अब वह सभी दूर होंगे और परिवार के साथ आपका अच्छा सामंजस्य बना रहेगा।

वृश्चिक राशिवालों की चमकेगी किस्मत

वृश्चिक राशि के लोगों के लिए सूर्य का गोचर आपके 9वें भाव में होगा। ऐसे में आपकी सामाजिक छवि इस दौरान मजबूत होगी। आप जो भी प्रयास करेंगे उसमें आपको सफलता मिलती जाएगी। साथ ही पारिवारिक रिश्तों में भी आपको विशेष ध्यान देने की जरूरत है। नौकरीपेशा लोगों के करियर में इस दौरान अचानक परिवर्तन देखने को मिलेगा यह सकारात्मक परिवर्तन होगा। यदि आपका काम सरकारी क्षेत्र और यात्रा उद्योग से संबंधित है तो आपको सफलता मिलेगी। आप अपने परिवार के साथ अधिक समय बिता सकते हैं और आपकी रुचि अध्यात्मिक कार्यों में अधिक रहेगी। व्यापारी वर्ग के लोगों को सरकारी क्षेत्र से लाभ मिल सकता है। इस दौरान माता पिता के साथ अपने संबंध तो अच्छे रहेंगे लेकिन पिता के स्वास्थ्य का थोड़ा ख्याल रखें।

निमरत कौर ने मां को दी जन्मदिन की बधाई, बोलीं - आप मेरी पहली गुरु

गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर अभिनेत्री निमरत कौर ने अपनी मां अविनाश कौर के लिए एक भावुक पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने मां के प्रति गहरा प्रेम और सम्मान व्यक्त करते हुए उन्हें अपना पहला घर और गुरु बताया। एयरलिफ्ट अभिनेत्री ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी मां के साथ 18 तस्वीरों की श्रृंखला शेयर की। ज्यादातर में एक्ट्रेस अपनी मां के साथ हंसती, मुस्कुराती और क्वालिटी टाइम बिताती नजर आ रही हैं। इनमें उनके बचपन की एक तस्वीर भी है।

निमरत ने तस्वीर शेयर कर कैप्शन में लिखा, कहते हैं कि आपके जीवन में गुरु तब आता है जब आत्मा तैयार होती है। मेरे नामकरण से भी पहले, मेरी आत्मा अपनी अनंत खोज के माध्यम से आपके साथ जुड़ गई और इसके लिए मैं धन्य हूं, मां। उन्होंने कहा, मैं जानती हूं कि यह ऐसा है जो समय की सीमाओं से परे है। सीखती हूं कि कैसे आप हर मुश्किल में भी शांत रहती हैं, कैसे आप जिंदगी में कुछ भी होने पर धैर्य और गरिमा बनाए रखती हैं, और कैसे आप रोजमर्रा की साधारण चीजों को भी असाधारण बना देती हैं। आप मेरा पहला घर, मेरी गुरु, मेरा खास स्थान हो। जन्मदिन मुबारक हो मां... आपसे मिलने, गले लगाने और साथ में बर्थडे केक खाने का बेसब्री से इंतजार है।

निमरत कौर का जन्म राजस्थान के पिलानी में एक सिख परिवार में हुआ था। उनके पिता मेजर भूपिंदर सिंह सेना में थे और उनकी मां एक गृहिणी हैं।

निमरत ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके पिता का 1994 में हिज्ब-उल-मुजाहिदीन के आतंकवादियों ने अपहरण कर लिया था और उनकी हत्या कर दी थी। उस समय उनका परिवार पटियाला में रहता था। इस हादसे के बाद, उनका परिवार उत्तर प्रदेश के नोएडा में शिफ्ट हो गया, जहां उन्होंने दिल्ली पब्लिक स्कूल में पढ़ाई की। बाद में उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से बी.कॉम ऑनर्स की पढ़ाई की।

वर्कफ्रंट की बात करें तो, निमरत कौर पिछली बार स्काई फोर्स में नजर आई थीं। फिल्म 24 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। वह वेब सीरीज 'कुल: द लिगेसी ऑफ द रायसिंघ्स' में भी नजर आईं, जिसका निर्देशन साहिर रजा ने किया।

महिलाओं की उम्र और त्वचा पर सवाल उठाने की आदत हो बंद : नेहा धूपिया

अभिनेत्री नेहा धूपिया ने महिलाओं के उम्र और रूप-रंग को लेकर होने वाली आलोचनाओं पर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि महिलाओं को उनके लुक के लिए 20 की उम्र में हो या 40 की, हर बार जांचने की आदत बंद होनी चाहिए। नेहा ने यह बात एक कार्यक्रम में त्वचा विशेषज्ञों के सामने कही, जहां एक डॉक्टर ने उनसे उनकी 40 की उम्र में जवां दिखने का राज पूछा।नेहा ने जवाब में कहा, मैं सालों से योग कर रही हूं, जिसने मुझे शारीरिक और मानसिक रूप से संतुलित, शांत और स्वस्थ रखने में मदद की। इसका असर मेरे चेहरे पर भी दिखता है।

उन्होंने साफ कहा कि कोई भी व्यक्ति अपने मनचाहे तरीके से खुद को सुंदर और स्वस्थ रख सकता है, लेकिन खासकर महिलाओं के लुक या दिखने में कैसी है, इस पर कमेंट करना ठीक नहीं है। नेहा ने कहा, महिलाओं से उनके खूबसूरत या जवां दिखने का 'रहस्य' पूछना बहुत सामान्य हो गया है, जो एक तरह की पीछे से की गई आलोचना है। ऐसे कमेंट्स का हमें सपोर्ट नहीं करना चाहिए। हमें महिलाओं को 20 या 40 की उम्र में उनके लुक के लिए जांच की नजरों से देखना बंद करना होगा।

उन्होंने योग के प्रति अपनी कृतज्ञता जताते हुए कहा बताया कि यह अभ्यास उन्हें खास महसूस कराता है। उन्होंने कहा, असली सुंदरता आप जैसे हैं, वैसे ही खुद को स्वीकार करने में है।

नेहा की यह टिप्पणी सामाजिक सोच में बदलाव की जरूरत को दिखाती है, जहां महिलाओं को उनके व्यक्तित्व और उपलब्धियों के लिए महत्व दिया जाए, न कि केवल उनके रूप-रंग के लिए।

वर्कफ्रंट की बात करें तो नेहा फिल्म 'बैड न्यूज' में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क मुख्य भूमिकाओं में थे। यह फिल्म साल 2019 की फिल्म 'गुड न्यूज' का सीक्वल है।

इसके अलावा, नेहा रियलिटी शो 'एमटीवी रोडीज: डबल क्रॉस' के 20वें सीजन में गैंग लीडर के रूप में दिखीं। इस सीजन को एल्विश यादव गैंग के कुशाल तंवर ने जीता। वहीं, गैंग प्रिंस के हरताज सिंह गिल दूसरे स्थान पर रहे।

वॉर 2 में ऋतिक संग काम करना अविस्मरणीय रहा : कियारा आडवाणी

अभिनेत्री कियारा आडवाणी वॉर 2 में ऋतिक रोशन के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने ग्रीक गॉड के साथ काम करने के अनुभव को अविस्मरणीय बताया। कियारा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ऋतिक रोशन के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने का अनुभव शानदार और कभी न भूल पाने वाला रहा।

अपनी अगली फिल्म के लिए उत्साह जताते हुए कियारा ने कहा, आदि सर और अयान के साथ ही पूरी शानदार टीम के साथ काम करने का अनुभव भी काफी उत्साह भरा रहा, हम वॉर 2 के एक्शन और रोमांच को दुनिया के सामने पेश करने के लिए उत्साहित हैं और बेसब्री से इंतजार है।इसी के साथ ही मंगलवार को ऋतिक ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट के साथ मोस्ट अवेटेड सीक्वल की शूटिंग पूरी होने की घोषणा की थी। कियारा की तारीफ करते हुए ऋतिक ने लिखा, कियारा आडवाणी, मैं दुनिया को आपका विलेन का रोल दिखाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। आपके साथ स्क्रीन साझा करना शानदार रहा है।फिल्म में कियारा और ऋतिक की मुख्य ऑन-स्क्रीन जोड़ी है।

सुपर 30 अभिनेता ने अपने नोट में लिखा, कैमरा बंद होने पर वार2 के लिए मिली-जुली भावनाएं, 149 दिनों की अथक दौड़-भाग, एक्शन, डांस, खून-पसीना, चोटें... और यह सब इसके काबिल था!उन्होंने लिखा था, एनटीआर सर, आपके साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं अयान की सिनेमैटिक फिल्म को देखने का इंतजार नहीं कर सकता!! वॉर 2 की पूरी कास्ट और क्रू को, अपनी प्रतिभा साझा करने और हर एक दिन अपना सब कुछ देने के लिए धन्यवाद।

ऋतिक ने लिखा कि कबीर को रैप-अप कहना हमेशा थोड़ा दुखद होता है, सामान्य महसूस करने में कुछ दिन लगेंगे। अब 14 अगस्त 2025 को आप सभी के सामने अपनी फिल्म पेश करने की यात्रा पर। इससे पहले, वॉर 2 से कियारा की कुछ झलकियां सामने आई थीं, जिसके बाद फैंस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं।अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी वॉर 2 इसी साल 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मुनव्वर फारुकी के शो में शामिल हुईं खुशी मुखर्जी, बोलीं- मुझे गर्व महसूस हो रहा है

अभिनेत्री खुशी मुखर्जी ने कमीडियन मुनव्वर फारुकी द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो द सोसाइटी में शामिल होने के अनुभव साझा किया।इस शो में शामिल होने की उत्सुकता जताते हुए खुशी ने आईएएनएस से कहा, शो में जाना मेरे लिए एक खास एहसास है। इस शो का हिस्सा बनने पर मुझे गर्व महसूस हो रहा है और सच में इंतजार नहीं कर सकती कि लोग मुझे एक नए अंदाज में देखें। पिछले कुछ महीनों में, मैंने लोकप्रियता के अच्छे और बुरे दोनों पहलू देखे हैं। कुछ लोग मेरे लिए मजबूत सहारा बने, लेकिन बहुत सारे लोग ऐसे भी थे, जिन्होंने मुझे नीचे गिराने की कोशिश की।

उन्होंने कहा, मैं इन बातों की परवाह किए बिना अपने काम और खुद पर ध्यान दे रही हूं ताकि अपने दर्शकों का मनोरंजन कर सकूं। मुझे शो के बारे में ज्यादा कुछ बताने की इजाजत नहीं है, लेकिन हां, मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि यह एक ऐसा शो होगा, जो भारत जैसे देश के लिए बिल्कुल नया होगा। मैं वाकई बहुत उत्साहित हूं और दर्शकों से प्यार और सपोर्ट मिलने की उम्मीद कर रही हूं। बता दें कि मुनव्वर फारूकी जियोहॉटस्टार के शो द सोसाइटी को होस्ट करेंगे। इस शो को कब और कैसे देखा जा सकेगा, इसकी जानकारी अभी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई है।

अव्यान में अनुष्का कौशिक का नया अवतार, 2025 में रिलीज होगी फिल्म!

अभिनेत्री अनुष्का कौशिक फिल्म निर्माता सुनील कोठारी की अपकमिंग फिल्म 'अव्यान' में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने शूटिंग के अनुभव के बारे में खुलकर बात की। अनुष्का ने फिल्म की शूटिंग के अनुभव के बारे में बात करते हुए बताया कि शूटिंग ने उनके पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ दोनों पर गहरा प्रभाव छोड़ा है। उन्होंने बताया, 'अव्यान' का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी आध्यात्मिक अनुभव से कम नहीं रहा। फिल्म की स्क्रिप्ट ने मुझे बहुत प्रभावित किया, यह सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि इसमें जीवन के छोटे-छोटे पलों को गहरे विचारों से जोड़ा गया है। वाराणसी में, उसकी ऊर्जा और भक्ति के बीच शूटिंग करना मेरे लिए एक 'विनम्र अनुभव' था। मैं ऐसी फिल्म का हिस्सा बनकर काफी खुश हूं जो हमारी संस्कृति और समृद्धि को दिल से दिखाती है।

फिल्म निर्माता सुनील कोठारी ने अभिनेत्री अनुष्का के अभिनय की सराहना करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने अपकमिंग फिल्म 'अव्यान' में अपने किरदार को अच्छे से निभाया। उन्होंने कहा, मैंने अनुष्का में एक खास खूबी देखी। वह ऐसी कलाकार हैं जो परदे पर किरदार के मजबूत और कमजोर दोनों पहलुओं को बैलेंस करके पेश करती हैं, जिससे उनका अभिनय स्वाभाविक लगने लगता है। अपकमिंग फिल्म में दर्शकों को उनका खास अंदाज देखने को मिलेगा।वाराणसी के पवित्र घाटों और पतली गलियों में बनी फिल्म 'अव्यान' का निर्देशन गौरव खाती ने किया है। यह फिल्म इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पिछले महीने, फिल्म के निर्माता सुनील कोठारी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म के शीर्षक का अनावरण किया था। इसके साथ उन्होंने एक पोस्टर भी रिलीज किया, जिसने दर्शकों के बीच उत्सुकता जगा दी है। पोस्टर में शाम के समय के गंगा तट का एक बेहद खूबसूरत दृश्य दिखाया गया है।

अनुष्का कौशिक के वर्कफ्रंट की बात करें तो, उन्होंने 'लस्ट स्टोरी-2' और 'पटना शुक्ला' में अपने दमदार अभिनय से पहचान बनाई है। कौशिक 'घर वापसी', 'क्रैश कोर्स', 'गर्मी' और 'नॉट डेटिंग' जैसी लोकप्रिय डिजिटल सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं।

सोनू निगम को मां की तरह स्नेह देती थीं लता मंगेशकर, गायक ने सुनाया किस्सा

लोकप्रिय गायक सोनू निगम ने लता मंगेशकर के साथ एक भावुक पल को याद करते हुए पुरानी तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की। जिसमें वह उनको घुटनों के बल बैठे हुए सिर झुकाकर प्रणाम कर रहे हैं। 'भारत रत्न' लता मंगेशकर को याद करते हुए गायक सोनू निगम ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पुरानी और भावुक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में सोनू निगम मंच पर बैठे हुए लता मंगेशकर की ओर देख रहे हैं और हाथ जोड़कर उनका अभिवादन कर रहे हैं। वहीं, लता मंगेशकर भी हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकार कर रही हैं।

गायक ने कैप्शन में लिखा, यह 2013 की तस्वीर है, जब मैंने अपनी मां को खोया था, उसके कुछ ही महीने बाद मुझे मुंबई के षणमुखानंद हॉल में दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल के लिए फंड जुटाने वाले एक शो में परफॉर्म करने का मौका मिला था। उस मंच पर मैं अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पा रहा था, तब मैंने उन्हें हाथ जोड़कर प्रणाम किया, तो उन्होंने मुझे प्यार से थामा और कहा, 'मैं हूं ना, मैं हूं ना'।

6 फरवरी, 2022 को 92 वर्ष की स्वर कोकिला ने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली थी। लता मंगेशकर जनवरी 2022 की शुरुआत में कोविड-19 से संक्रमित हो गई थीं। उन्हें कोरोना के साथ-साथ निमोनिया भी था, जिसके बाद उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया। लगभग एक महीने तक चले इलाज के बावजूद, उनकी हालत बिगड़ती गई। डॉक्टरों के अनुसार, उनका निधन मल्टीपल ऑर्गन फेलियर के कारण हुआ था।

सोनू निगम भारतीय संगीत जगत के उन चुनिंदा गायकों में से हैं, जिनकी गायकी में अद्भुत विविधता देखने को मिलती है। उनके गीतों की रेंज बेहद व्यापक है, जिसमें रोमांटिक से लेकर ब्रेकअप, शास्त्रीय से लेकर भक्ति, पार्टी से लेकर देशभक्ति, गजल से लेकर कव्वाली और रॉक से लेकर पॉप तक हर शैली शामिल है। उन्होंने अपने करियर में 32 से ज्यादा भाषाओं में 6,000 से ज्यादा गाने रिकॉर्ड किए हैं। सोनू निगम को 'आधुनिक रफी' के नाम से जाना जाता है। करियर की शुरुआत में उन्होंने कई एल्बम में मोहम्मद रफी के गाने गए और इससे उन्हें काफी प्रसिद्धी भी मिली। हिंदी और कन्नड़ के अलावा, उन्होंने बंगाली, मराठी, तेलुगू, तमिल, उड़िया, अंग्रेजी, असमिया, मलयालम, गुजराती, भोजपुरी, नेपाली, तुलु, मैथिली और मणिपुरी में भी गीत गाए हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल पेशेवर मामलों को सहजता से सुलझाने में करें। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

मानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्क़तें हो सकती हैं। ऐसी जानकारी ज़ाहिर न करें, जो व्यक्तिगत और गोपनीय हो। विवाह–प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

सेहत अच्छी रहेगी। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। कोई नया रिश्ता न सिर्फ़ लंबे वक़्त तक क़ायम रहेगा, बल्कि फ़ायदेमंद भी साबित होगा। बिना गहराई से समझे–बूझे किसी व्यावसायिक/क़ानूनी दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर न करें। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। आपके घर का कोई करीबी शख्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा। मुमकिन है कि वैवाहिक जीवन में ठहराव से तंग आकर आपका जीवनसाथी आपके ऊपर फूट पड़े।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आने वाले पीढ़ी इस तोहफ़े के लिए आपको हमेशा याद रखेगी। अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल पेशेवर मामलों को सहजता से सुलझाने में करें। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। आपकी बीती ज़िन्दगी का कोई राज़ आपके जीवनसाथी को उदास कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत अच्छी रहेगी। घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। ग़ैर–ज़रूरी चीज़ों पर रुपये ख़र्च कर आप अपने जीवन–साथी को नाराज़ कर सकते हैं। नए प्रेम–संबंधों के बनने की संभावना ठोस है, लेकिन व्यक्तिगत और गोपनीय जानकारियों को उजागर करने से बचें। साझीदार से संवाद क़ायम करना बहुत कठिन सिद्ध होगा। आज मौसम का मिजाज कुछ ऐसा रहेगा कि आप बिस्तर से उठने को राजी नहीं होंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप आज ऊर्जा से भरपूर होंगे और कुछ असाधारण करेंगे। इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। नाते–रिश्तेदार तरक़्क़ी और समृद्धि के लिए नयी योजनाएँ लाएंगे। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपके चेहरे पर मुस्कान बिखरी रहेगी और अजनबी भी जाने–पहचाने से महसूस होंगे। भागीदारी वाले व्यवसायों और चालाकी भरी आर्थिक योजनाओं में निवेश न करें। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मौज–मस्ती करें। कामकाज के सिलसिले में आपके ऊपर ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। इसलिए आप वक्त का सदुपयोग करते हैं लेकिन कई बार आपको जीवन को लचीला बनाने की जरुरत भी होती हैं आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक विशिष्ट दौर से गुज़रेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन आराम करना बहुत अहम है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। अपने जीवन–साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है। व्यवसायियों के लिए अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें अचानक बड़ा फ़ायदा हो सकता है। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उढ़ेलेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन–शैली में बदलाव लाने का सही समय है। आपका कोई पड़ोसी आज आपसे धन उधार मांगने आ सकता है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। अगर आज आप ख़रीदारी के लिए निकलते हैं, तो कोई अच्छी पोशाक ले सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सेहत को देखभाल की ख़ास ज़रूरत है। वे निवेश–योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें– कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता दें। इस बारे में बिना देर किए बातचीत करें, क्योंकि एक बार इस समस्या के हल हो जाने पर घर में जीवन बहुत आसान हो जाएगा और परिवार के लोगों को प्रभावित करने में आपको कोई कठिनाई नहीं आएगी। विवाहेतर प्रेम संबंध आपकी प्रतिष्ठा धूमिल कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 11 जुलाई 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 02:10 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा रात्रि 05:56 तक
योग : वैधृति रात्रि 08:44 तक
करण : बालव दोपहर 02:12 तक
चन्द्रराशि : धनु दोपहर 12:09 तक
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : श्रावण मास आरंभ , चातुर्मास व्रती को श्रावण में हरी सब्जी खाना वर्जित है ।

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जयपुर समेत राजस्थान के कई जिलों में महसूस किए गए भूकंप के झटके

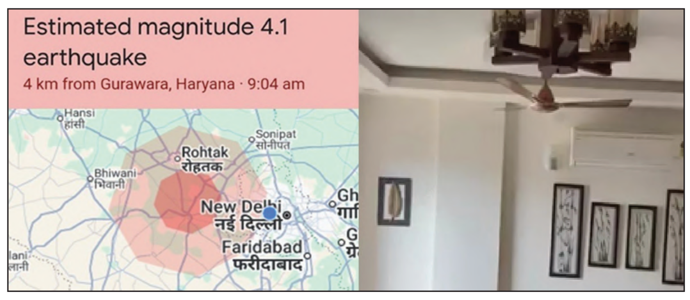

जयपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के कई जिलों में गुरुवार सुबह अचानक धरती हिलने लगी। जयपुर, सीकर, झुंझुनूं समेत कई इलाकों में सुबह 9:04 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए, हालांकि अब तक किसी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग और राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र हरियाणा के झज्जर जिले में ज़मीन से 10 किलोमीटर नीचे स्थित था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.4 मापी गई। झटके लगभग 10 सेकंड तक महसूस किए गए, विशेषकर बहुमंजिला इमारतों में रहने वाले लोग इस कंपन को लेकर ज्यादा सचेत दिखे।

जयपुर शहर के कई इलाकों में जैसे मालवीय नगर, मानसरोवर, वैशाली नगर और सी–स्कीम में लोगों ने झटके महसूस किए। एक स्थानीय निवासी रितु शर्मा ने बताया, हम नाश्ते की तैयारी कर रहे थे तभी बर्तन हिलने लगे, पहले तो कुछ समझ नहीं आया, फिर देखा पंखा भी झूल रहा था। तुरंत बाहर निकल गए।

सीकर और झुंझुनूं: इन जिलों में भी कंपन महसूस किया गया, खासकर स्कूल और ऑफिस परिसरों में हलचल मच गई। कुछ स्थानों पर बच्चों को एहतियातन मैदान में ले जाया गया।

सीएम भजनलाल ने गुरु पूजन कर आमजन की खुशहाली के लिए की कामना

जयपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरूवार को डीग के पूंछरी का लौठा में श्रीनाथ जी मंदिर में पंचामृत से अभिषेक किया। उन्होंने सपत्नीक पूजा–अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि के लिए कामना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में संत–महात्माओं का गुरु पूजन कर आशीर्वाद भी लिया। शर्मा ने मंदिर परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पूंछरी का लौठा में मुकुट मुखारविंद पर श्री गिरिराज जी का दुग्धाभिषेक भी किया।इसके पश्चात मुख्यमंत्री भरतपुर के सेवर में लुधावई स्थित बड़ा हनुमान मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर में सपत्नीक दर्शन कर आमजन की खुशहाली की कामना की। शर्मा ने गुरू वंदन कार्यक्रम के तहत बड़ा हनुमान मंदिर में महंत रामदास जी महाराज का सत्कार–सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने श्री रामदास जी को सम्मान राशि, श्रीफल, शॉल, मिठाई एवं गुरू वंदन संदेश भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। शर्मा ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के साथ बैठकर प्रसादी भी ग्रहण की।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विगत कई वर्षों से गुरू पूर्णिमा के अवसर पर प्रतिवर्ष पूंछरी का लौठा पहुंचकर गुरूओं एवं साधुओं का आशीर्वाद लेते हैं। श्री शर्मा के निर्देशों पर ही इस दिन संत–महात्माओं के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने के लिए प्रदेशभर में गुरु वंदन कार्यक्रम किया जा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने बड़ा हनुमान मंदिर परिसर के समीप जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने आमजन की परिवेदनाओं को सुना तथा अधिकारियों को परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

पूर्व बीएसएनएल जिला प्रबंधक को रिश्वत मामले में 4 साल की सजा

सीबीआई की कार्रवाई में दोष सिद्ध

भरतपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के एक अहम मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। सीबीआई मामलों की विशेष अदालत, जयपुर ने भरतपुर, राजस्थान के बीएसएनएल के तत्कालीन दूरसंचार जिला प्रबंधक राजेश कुमार बंसल और कनिष्ठ लेखा अधिकारी (सेवानिवृत्त) एम.एल. बंसल को रिश्वत लेने के मामले में दोषी करार देते हुए चार साल के कठोर कारावास और प्रत्येक पर 50,000 का जुर्माना लगाया है।

यह मामला वर्ष 2017 का है, जब सीबीआई को शिकायत मिली थी कि तत्कालीन जिला प्रबंधक राजेश कुमार बंसल ने बीएसएनएल की एक निविदा से जुड़े कार्य के लंबित बिल–जो कि लगभग 60 लाख का था–का भुगतान जारी करने के एवज में 50,000 की रिश्वत मांगी थी। शिकायत के अनुसार, उन्होंने यह राशि एम.एल. बंसल के माध्यम से प्राप्त करने की योजना बनाई थी।जांच एजेंसी ने जाल बिछाया और 6 अप्रैल 2017 को कार्रवाई करते हुए राजेश कुमार बंसल और एम.एल. बंसल को रंगे हाथों रिश्वत लेते पकड़ा। सीबीआई टीम ने 1,00,000 की रिश्वत राशि बरामद की, जो आरोपी के पास से मिली।

विस्तृत जांच के बाद, सीबीआई ने 22 सितंबर 2017 को दोनों आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की।

गुरु पूर्णिमा पर दिया कुमारी ने किया संतों का सम्मान, कहा

गुरु ही सच्चे पथ प्रदर्शक

जयपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जयपुर जिले के 45 धर्म गुरुओं, महन्तों एवं संतां का सम्मान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारीगण किया गया। गुरु वंदन एवं एवं गुरु सम्मान कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का शुभकामना सन्देश, 2100 रूपये की भेंट, शॉल, श्रीफल, पुष्प माला एवं मिष्ठान भेंट कर धर्म गुरुओं, महन्तों एवं संतां का सम्मान किया गया।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने महन्त श्री रामदास/रामसेवक दास जी महराज, मंदिर श्री पापड वाले हनुमान जी, विद्याधर नगर, महाराज श्री हरिशंकर वेदान्ती, सियाराम दास जी की बगीची, ढहर का बालाजी, अम्बाबाडी जयपुर तथा महाराज श्री कौशल्या दास जी. कौशल्या दास जी की बगीची, बनीपार्क, जयपुर का सम्मान किया गया। वहीं कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड मंत्री, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, सूचना प्रोद्योगिक एवं संचार विभाग, युवा मामले और खेल विभाग, कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग, सैनिक कल्याण विभाग ने महंत सोमानीजी, झारखण्ड महादेव मंदिर का सम्मान किया।

जयपुर की निलंबित मेयर मुनेश गुर्जर मामले में हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित किया

जयपुर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर नगर निगम हैरिटेज की निलंबित मेयर मुनेश गुर्जर के तीसरे निलंबन मामले में गुरुवार को हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। जस्टिस अनूप ढंड ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया है।

मुनेश गुर्जर की ओर से सीनियर एडवोकेट अशोक मेहता ने कहा कि इस मामले में नैसर्गिक न्याय की अवधारणा की पालना नहीं की गई। निलंबन से पहले सुनवाई का मौका नहीं दिया गया। सरकार जनप्रतिनिधि के साथ कर्मचारियों के समान व्यवहार नहीं कर सकती है। यह जनता के प्रतिनिधि है। इन्हें पद से हटाने से पहले पूरी प्रक्रिया को अपनाना जरूरी हैं। लेकिन मामले में सरकार ने एकतरफा कार्रवाई की हैं। सरकार का निर्णय पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित हैं।

सरकार की ओर से कहा गया कि हमने निलंबन से पहले सुनवाई का पूरा मौका दिया था। नोटिस दिए गए थे, लेकिन इनका जवाब सही नहीं पाया गया। निलंबित मेयर के खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। इसलिए निलंबन सर्वथा उचित है। मुनेश की ओर से कहा गया कि मामले में राज्य सरकार ने दो–दो जांच अधिकारी नियुक्त कर दिए। एक जांच अधिकारी का कोई भी लेटर नहीं मिला। दूसरे जांच अधिकारी का जो लेटर मिला। उस पर कोई दस्तखत नहीं थे। सुनवाई के लिए दी गई तारीख पर सार्वजनिक अवकाश था। सरकार को स्थिति स्पष्टीकरण का पत्र लिखने के दूसरे ही दिन निलंबित कर दिया। पूरी प्रक्रिया में उन्हें किसी भी स्तर पर सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया।

मेयर मुनेश गुर्जर का कार्यकाल करीब 13 महीने का रहा। 13 महीने के कार्यकाल में राज्य सरकार ने उन्हें तीन बार निलंबित किया। पहली बार तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने पांच अगस्त, 2023 और 22 सितंबर, 2023 को निलंबित किया था।

बारिश ने हरियाणा सरकार के भ्रष्ट व नकारा तंत्र की पोल खोली : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 10 जुलाई (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने हरियाणा में हो रही मानसूनी बारिश के बाद हुए भारी जलभराव, सड़कें धंसने, रास्तों पर लंबे जाम लगने की खबरों को चिंताजनक बताते हुए कहा कि पहली ही बरसात ने सरकार के पानी निकासी के दावों की हवा निकाल दी है और इगझ सरकार के भ्रष्टाचार की भी पोल खोलकर रख दी है। गाँव से लेकर शहरों तक जलनिकासी की पुख्ता व्यवस्था न होने से फसल, संपत्ति को भारी नुकसान हुआ है। राज्य के अधिकाँश जिलों में जलनिकासी व्यवस्था न होने के कारण खेतों, गलियों, सड़कों, कॉलोनियों प्रमुख मार्गों और अंडरपास में पानी भरने से वाहनों के ड्राइवरों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई कॉलोनियों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों में घुटनों तक पानी भर गया है। सड़कों पर कीचड़, फिसलन, बदबू फैलने से आम जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित है। सरकार सुनिश्चित करे कि जलभराव वाले निचले इलाकों में पर्याप्त संख्या में पम्प, बिजली मोटर, बिजली कनेक्शन आदि की व्यवस्था हो।

उन्होंने कहा कि सरकार में बैठे लोगों ने नगर निगमों को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया है। तमाम नगर निगमों में सफाई घोटाले को अंजाम दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार हर साल करोड़ों रुपये खर्च करके सफाई कराने के बड़े–बड़े दावे करती है।

तालाब में डूबने से एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत

कैथल, 10 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के कैथल जिले में एक ही परिवार के तीन बच्चों की तालाब में डूबकर मौत हो गई। तीनों बच्चे रोज की तरह बाकि बच्चों के साथ घर से बाहर खेलने के लिए निकले थे। इस दौरान तीनों बच्चे गंदे पानी के तालाब के पास पहुंच गए। यहां पैर फिसलने से हादसे के शिकार हो गए। मृतकों की पहचान वंश (6), अक्षय (8) और नमन (9) के रूप में हुई है। हादसे के बाद परिवार सदमे में है। वहीं, आस–पड़ोस में भी लोग शोकाकुल हैं।पंचायत अधिकारी ने बताया, हमें सूचना मिली थी कि तीन बच्चे तालाब में डूब गए हैं। बच्चे बारिश के पानी में नहाने गए थे। प्रशासन की ओर से जांच की जा रही है। ग्रामीणों ने कहा, बच्चे रोजाना गांव के बाहर खेलने जाते हैं। कुछ बच्चे सूखे तालाब में खेल रहे थे, लेकिन तीनों गंदे पानी के तालाब के पास चले गए। वहां फिसलन के कारण वे डूब गए। छोटी बहन ने घर आकर बताया, तब गांव वाले दौड़े और बच्चों को पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।रत्न सिंह ने बताया, मेरे पोते नहाने गए थे। तालाब में गंदा पानी और गहरा गड्ढा था, जिसमें वे डूब गए। उन्होंने बताया कि नमन इकलौता बेटा था, उसकी दो बहनें हैं। बताया जा रहा है कि बुधवार शाम बारिश के बाद बच्चे गांव के बाहर तालाब के पास खेलने गए थे। गांव के करीब 40–50 बच्चे रोजाना वहां खेलने जाते हैं। इस दौरान तीनों बच्चे गंदे पानी के तालाब के पास पहुंच गए, जहां 10 फीट गहरे गड्ढे में उनका पैर फिसल गया और वे डूब गए। जब बच्चे तालाब से बाहर नहीं निकले, तो उनकी छोटी बहन ने गांव में यह खबर दी।

गुरु पूर्णिमा पर आध्यात्मिक स्थलों की यात्रा पर निकले मुख्यमंत्री सैनी, कहा

गुरुओं की शिक्षाएं ही राष्ट्र निर्माण की दिशा हैं

चंडीगढ़, 10 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को पंजाब के जालंधर स्थित नूर महल में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान का दौरा किया और वहां आयोजित गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू भी मौजूद रहे।मुख्यमंत्री ने दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के पूज्य आशुतोष जी महाराज के चित्र को नमन कर उनका आशीर्वाद लिया और सभी श्रद्धालुओं को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पावन दिन हमें उन महान गुरुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है, जिन्होंने ज्ञान का प्रकाश देकर हमें जीवन जीने की सही दिशा दिखाई। मुख्यमंत्री ने संस्थान परिसर में स्थित कामधेनु गौशाला का भी दौरा किया और गौ पूजन एवं गौ सेवा में भाग लिया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने बाबा मोहन दास आश्रम, जालंधर में पहुंचकर बाबा मोहन दास जी महाराज का आर्शीवाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि हम सभी आज गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर एकत्र हुए हैं। मैं लंबे समय से गुरुजी से जुड़ा रहा हूं और हर वर्ष उनका आशीर्वाद लेता आया हूं।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के दिन हमें एक और संकल्प लेना चाहिए तथाएक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सभी को एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। हमारा पर्यावरण लगातार प्रदूषित होता जा रहा है, और हम दिन–प्रतिदिन एयर कंडीशनर पर निर्भर होते जा रहे हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि हम अपने गुरुओं और संतों की शिक्षाओं के अनुरूप वृक्षारोपण करें, जिससे पर्यावरण संतुलन के साथ–साथ जलवायु परिवर्तन की चुनौती का भी सामना किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने जीवन में गुरुओं व संतों द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए समाज व राष्ट्र के भलाई के लिए काम करेंगे।

इसके बाद, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने डेरा सचखंड बल्लां, जालंधर का भी दौरा किया और वहां मत्था टेक का आर्शीवाद लिया। डेरा प्रबंधन और संत समाज द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने गुरु रविदास जी की शिक्षाओं को नमन करते हुए कहा कि उनका समानता, शांति और सामाजिक समरसता का संदेश आज भी पीढ़ियों को प्रेरणा दे रहा है। उन्होंने डेरा द्वारा समाज कल्याण, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।मुख्यमंत्री ने आध्यात्मिक धरोहर के संरक्षण और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए आश्वस्त किया कि सरकार ऐसे पवित्र संस्थानों द्वारा किए जा रहे प्रयासों में हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जालंधर की ओर जाते समय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने काफिले को जमशेर गांव में रोककर वहां एक स्थानीय दुकानदार सहित ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात की। मुख्यमंत्री वाहन से उतरकर ग्रामीणों के बीच पहुंचे, सभी को स्नेहपूर्वक अभिवादन किया और उनका कुशलक्षेम जाना। साथ ही, स्थानीय समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से खुलकर बातचीत की, अपनी समस्याएं साझा की और मुख्यमंत्री के इस आत्मीय संवाद और सादगी व सरल स्वभाव की प्रसन्नता व्यक्त की।

बिहार बंद में कार्यकर्ताओं ने जमकर मचाया उत्पात, लोगों ने कहा–

जंगलराज की दिखी झलक

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। बिहार में ट्रेड यूनियन के द्वारा बिहार बंद का आह्वान किया गया था, जिसमें महागठबंधन के सारे घटकों ने समर्थन किया था। वैशाली जिलों में तमाम चौक चौराहे पर बंद को लेकर आगजनी की गई। इस बंद को सफल बनाने में तमाम कार्यकर्ता लगे रहे लेकिन इसी बीच बंद को सफल बनाने की तीन तस्वीर सामने आई, जिसके बाद लोगों को यह कहना पड़ा कि यह आंदोलन नहीं गुंडागर्दी है। इस दौरान दरभंगा से एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें राजद नेता यह कह रहे हैं कि 1990 का लहर आएगा न तो ऊपर से ही नीचे पटक देंगे..। हमलोग बर्दास्त करेंगे?

वैशाली जिला की पहली घटना महनार की है, जिसमें राजद कार्यकर्ता जबरदस्ती दुकान को बंद करा रहे थे। दुकानदार के नहीं मानने पर दुकानदार को दूकान के अंदर ही बंद कर दिया। अब इसका सीसीटीवी फुटेज वायरल

है। सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट दिख रहा है कि बिहार बंद के दौरान राजद का झंडे लिए दर्जनों लोग दुकान पर पहुंचे और दुकान बंद करने का दबाव बनाने लगे। दुकानदार रोहित ठाकुर ने बताया कि राजद समर्थकों ने उनके साथ गाली-गलौज की और जबरदस्ती शटर गिराकर उन्हें दुकान के अंदर ही बंद कर दिया। घंटों बाद स्थानीय लोगों की मदद से दुकानदार को बाहर निकाला गया। रोहित ठाकुर ने इस घटना को लेकर गहरी नाराजगी जाहिर की है और इसे गुंडागर्दी करार दिया।

दूसरी तस्वीर हाजीपुर महुआ मुख्य मार्ग का है, जहां बंद कराने वाले समर्थकों ने स्कूल जा रही एक शिक्षिका को स्कूल जाने से रोक दिया।

शिक्षिका जब उनके रोकने के बाद अपनी स्कूटी को घुमाकर घर लौटने लगी तो पीछे से बंद को समर्थन करने वाले कार्यकर्ता पीछे से हल्ला करने लगे। अब यह वीडियो भी वायरल है।

तीसरी तस्वीर सराय थाना क्षेत्र की है, जहां मतगणना पुनर्निरीक्षण के लिए जा रहे बीएलओ को जाने से रोक दिया। जब बीएलओ ने उनका विरोध किया तब बंद कराने वाली महिला समर्थक बीएलओ से ही उलझ गई। मजबूरन बीएलओ को वापस लौटना पड़ा। इस घटना का भी विडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बंद का नेतृत्व महनार में राजद नेता संजय राय कर रहे थे, जिन्होंने अपने समर्थकों के साथ नगर के विभिन्न हिस्सों में बंद का आह्वान करते हुए प्रदर्शन किया।

घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद युवा जदयू नगर अध्यक्ष किशन शर्मा ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बंद जनसमर्थन से होता है न कि दबाव और भय से।

महनार में राजद कार्यकर्ताओं ने एक बार फिर जंगलराज की झलक दिखाई है। स्थानीय लोगों ने भी बताया कि बंद कराने के दौरान समर्थकों ने दुकान के शटर पर हाथ और पैर से मारकर डराने की कोशिश की।

फिलहाल यह मामला महनार में राजनीतिक और सामाजिक बहस का केंद्र बना हुआ है। लोग प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

बिहार में आर्थिक अपराध इकाई की धमक

राजधानी समेत छह टीम तीन जिलों में कर रही छापेमारी

पटना (एजेंसियां)। आर्थिक अपराध इकाई ने शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम के कार्यपालक अभियंता के घर पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई सहरसा में की गई है। यह कार्रवाई सहरसा के साथ-साथ सीतामढ़ी और राजधानी में भी की जा रही है। आरोपी प्रमोद कुमार के विरूद्ध आय से अधिक संपत्ति रखने का आरोप है। आर्थिक अपराध ईकाई बिहार की कुल 06 टीम कार्रवाई कर रही है जिसमें एक टीम सीतामढ़ी, तीन टीम सहरसा और दो टीम पटना में स्थित विभिन्न ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की जा रही है श्र आर्थिक अपराधी इकाई के अपर पुलिस महानिदेशक मो. नैयर हसनैन खान ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि आरोपी प्रमोद कुमार के खिलाफ आर्थिक अपराध थाना में कांड संख्या-13/2025 के तहत आई है, जो फिलहाल जांच कर रही है।

सहरसा जिला मुख्यालय सहित अन्य जगहों पर आर्थिक अपराध इकाई का छापेमारी चल रही है। आर्थिक अपराध इकाई शिक्षा विभाग के कार्यपालक अभियंता प्रमोद कुमार के घर छापेमारी कर रही है। यह छापेमारी सहरसा शहरी क्षेत्र के नया बाजार और हटिया गाछी सहित कई जगहों पर की जा रही है। शिक्षा विभाग में करोड़ों रुपये के गबन का मामला सामने आने के बाद यह कार्रवाई की जा रही है। शिक्षा विभाग के कार्यपालक अभियंता प्रमोद कुमार के घर के साथ-साथ बिहरा थाना क्षेत्र के पंचगछिया में ओमप्रकाश सिंह के घर भी आर्थिक अपराध इकाई की जांच चल रही है।

भूरा बाल साफ करो नारे पर छिड़ा सियासी संग्राम, जीतनराम मांझी ने दी चेतावनी

गयाजी (एजेंसियां)। बिहार के गयाजी जिले के अतरी विधानसभा क्षेत्र के सीड़ पंचायत में आयोजित एक राजद कार्यक्रम के दौरान एक विवादास्पद बयान ने राज्य की राजनीति को गरमा दिया है। राजद विधायक अजय यादव उर्फ रंजीत यादव की मौजूदगी में मंच से सोहड़ा पंचायत के मुखिया पति मुनारिक यादव द्वारा दिया गया बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में मुनारिक यादव 1990 के दशक के चर्चित नारे भूरा बाल साफ करो का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि 'अब फिर वही समय आ गया है।' इस नारे का इस्तेमाल लालू प्रसाद यादव द्वारा किया गया था, जिसे जातिगत राजनीति के प्रतीक के रूप में देखा गया था।

इस बयान के वायरल होते ही बिहार की सियासत में हलचल मच गई है।

केंद्रीय मंत्री और हम पार्टी के प्रमुख जीतनराम मांझी ने इस पर तीखा कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि जो लोग इस स्लोगन को भूल गए थे, वो अब भूलभुलैया में हैं। मांझी ने कहा, 'राजद आज भी एक ही जाति विशेष के लो-गों की मदद करता है, जबकि बाकी समाज को नजरअंदाज किया जाता है। यह बात आम लोगों को समझनी चाहिए।'

मांझी ने आगे कहा कि 'अगर आज भी 'भूरा बाल साफ करो' जैसे नारों को दोहराया जाता है, तो लोग खुद तय कर लेंगे कि उन्हें किस दिशा में जाना है।' उन्होंने जनता से एनडीए के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सबका साथ-सबका विकास हो रहा है। इस बयान को लेकर आरजेडी की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन यह मुद्दा आगामी चुनावी माहौल में एक बड़ा राजनीतिक बहस का केंद्र बन सकता है।

राजगीर बन रहा है खेल नगरी! सीएम नीतीश ने की क्रिकेट स्टेडियम और हॉकी टूर्नामेंट की तैयारियों की समीक्षा

पटना (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को नालंदा जिले के राजगीर में चल रहे महत्वपूर्ण विकास कार्यों का निरीक्षण किया।

एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री ने पर्यटन और खेल अवसंरचना से जुड़ी कई परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने सबसे पहले पटना बख्तियारपुर फोरलेन के पास करौटा से राजगीर को जोड़ने वाले टूरिस्ट वे परियोजना का निरीक्षण किया। यह नई सड़क परियोजना क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकसित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्माण कार्य को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए।

इसके बाद मुख्यमंत्री का काफिला राजगीर पहुंचा, जहां उन्होंने निर्माणाधीन

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का जायजा लिया। यह स्टेडियम बिहार खेल अकादमी के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार किया जा रहा है। फिलहाल आउटफफील्ड का कार्य तेजी से चल रहा है, वहीं जनरल स्टैंड ईस्ट और वेस्ट तथा रिवर्स पवेलियन का सिविल वर्क लगभग अंतिम चरण में है। मुख्य पवेलियन का स्ट्रक्चर तैयार हो चुका है और अब प्लास्टर, पुट्टी व वायरिंग जैसे फिनिशिंग कार्य जारी हैं।

मुख्यमंत्री ने आगामी हीरो एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट की तैयारियों का भी जायजा लिया। यह प्रतियोगिता 29 अगस्त से 7 सितंबर तक राजगीर में आयोजित की जाएगी, जिसमें पाकिस्तान समेत कई अंतरराष्ट्रीय टीमें हिस्सा लेंगी। उल्लेखनीय है कि राजगीर पहले भी नवंबर 2023 में महिला एशियाई चैंपियनशिप ट्रॉफी की सफल मेज़बानी कर चुका है, जिसमें भारत ने चीन को हराकर खिताब जीता था।

मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतज़ाम किए गए थे। हर प्रमुख स्थान पर पुलिस बल की तैनाती की गई, जिससे दौरे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुचारु रही। निरीक्षण के दौरान पटना और नालंदा जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री को जिले में चल रही योजन-ाओं की स्थिति और प्रगति की जानकारी दी।

महाबोधि मंदिर में कांवरियों की भीड़ आने की संभावना को लेकर बढ़ाई गई सुरक्षा, सुरक्षा एजेंसी अलर्ट

गया (एजेंसियां)। आगामी 11 जुलाई 2025 से पवित्र सावन का महीना शुरू होने वाला है। सावन का महीना शुरू होते ही बोधगया के महाबोधि मंदिर और गया के विष्णुपद मंदिर में कांवरियों का पूजा-दर्शन करने के लिए आने जाने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। महाबोधि मंदिर और विष्णुपद मंदिर में पूजा और दर्शन के लिए आने वाले कांवरिया ज्यादातर गया जिले के सटे हुए जिले से आते है। जैसे औरंगाबाद, सासाराम, नवादा, नालंदा तथा झारखंड राज्य के चतरा, पलामू सहित कई जिले

के कांवरिया महाबोधि मंदिर और विष्णुपद मंदिर में दर्शन और पूजा करने के लिए आते है। इन कांवरियों की भीड़ बहुत अधिक होती है। वहीं सुरक्षा एजेंसियों के द्वारा अलर्ट भी किया गया है कि महाबोधि मंदिर को नुकसान पहुंचाने के लिए कांवरिया के भेष में कोई भी पहुंच सकता है। सुरक्षा एजेंसियों के अलर्ट के बाद महाबोधि मंदिर की सुरक्षा और बढ़ा दी गई है।

इस संबंध में गया के सिटी एसपी रामानंद कुमार कौशल ने बताया कि सावन के महीने में भारी भीड़ को देखते हुए गया जिले के प्रमुख स्थानों के सुरक्षा को लेकर कई सारे निर्देश दिए गए है।

हमलोग पहले से ही अलर्ट हैं। मगर आगामी भीड़ को देखते हुए सभी महत्वपूर्ण स्थानों चाहे विष्णुपद मंदिर हो या महाबोधि मंदिर हो सभी स्थानों पर व्यापक सुरक्षा के इंतजाम किये गए हैं। आवश्यक सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है। वहीं कांवरियों के भेष में उपद्रवी को शामिल होने के सवाल पर कहा कि इतना भीड़ में तो हमेशा एक चांसेज रहता है। मगर इस संबंध में अगर कोई सूचना प्राप्त होती है तो आवश्यक जाँच कर उचित कार्रवाई करेंगे। मालूम हो कि हर बार महाबोधि मंदिर आतंकियों के निशाने पर हैं। पहले भी आतंकी महाबोधि मंदिर में बम ब्लास्ट कर नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर चुकी है। वहीं बीते दिनों महाबोधि मंदिर को बौद्ध भिक्षुओं को सौंपने को लेकर भी जमकर हंगामा हुआ था। इस सभी पहलुओं को देखते हुए गया पुलिस ने महाबोधि मंदिर की सुरक्षा बढ़ा दी है। साथ ही विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों ने भी अलर्ट जारी किया है।

कांग्रेस कार्यालय बना रणभूमि, दो गुटों में झड़प, एक कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल

भोजपुर (एजेंसियां)। भोजपुर में कांग्रेस पार्टी का जिला कार्यालय मंगलवार को अखाड़ा बन गया जब दो गुटों के बीच तीखी नोकझोंक के बाद मारपीट हो गई। घटना के दौरान पूर्व विधान पार्षद (एमएलसी) अजय सिंह और उपेंद्र मुखिया गुट आमने-सामने आ गए। इस झड़प में अजय सिंह के समर्थक सुनील कुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कांग्रेस कार्यालय में एक महत्व-पूर्ण संगठनात्मक बैठक चल रही थी। इसी दौरान दोनों गुटों के बीच

कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। मारपीट में सुनील कुमार सिंह का सिर फट गया, जिन्हें तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद पूर्व एमएलसी अजय सिंह अपने घायल समर्थक के साथ नवादा थाना पहुंचे और आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की।

इस घटना ने कांग्रेस की अंदरूनी कलह को एक बार फिर उजागर कर दिया है।

कभी नक्सलियों ने डीएसपी का किया था अपहरण अब विशेष निगरानी की टीम ने घर पर की है छापेमारी

खगड़िया (एजेंसियां)। विशेष निगरानी की टीम ने एक्साइज विभाग के डीएसपी के घर पर धमक दी है। यह कार्रवाई खगड़िया जिला के टीचर्स कॉलोनी कृष्णापुरी वार्ड नंबर 29 में स्थित उनके आवास पर की गई है। आरोपी डीएसपी अभय कुमार यादव हैं, जो फिलहाल पटना में पदस्थापित हैं। उनकी नियुक्ति 1994 बैच के दरोगा के रूप में हुई थी। अभय कुमार यादव खगड़िया में पसराहा, मानसी, महेशखूंट और मुंगेर के कजरा थाना में थानाध्यक्ष के पद पर रह चुके हैं।

विशेष निगरानी टीम ने अभय कुमार यादव के खिलाफ कार्रवाई की है, जिसके बाद खगड़िया में हड़कंप मचा हुआ है। फिलहाल छापेमारी जारी है।

मिली जानकारी के मुताबिक, छापेमारी के दौरान डीएसपी अभय कुमार यादव के आवास से कई आपत्तिजनक कागजात बरामद किए हैं। वह कौन कौन से दस्ता-वेज हैं, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है। निगरानी विभाग ने किसी को बाहर से अंदर और अंदर से बाहर जाने पर पुर रूपेण रोक लगा रखी है। सुबह से अब तक लगातार गहनता से जांच की जा रही है। बताया जाता है कि अपनी नौकरी के शुरूआती समय में जब वह मुंगेर जिले के कजरा थाना में पदस्थापित थे, उन्हें नक्सलियों ने अपहरण कर लिया था। हालांकि बिहार पुलिस ने उन्हें सुरक्षित मुक्त करा लिया था।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की सुरक्षा में चूक, काफिले में अचानक घुसी एक कार, युवक गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। यह घटना पटना के मरीन ड्राइव के पास उस समय हुई जब वह नवादा से पटना लौट रहे थे। इस मामले में आरोपी शख्स से पटना सिटी के सुल्तानगंज थाने की पुलिस पूछताछ कर रही है।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बिहार बंद के बाद शाम में नवादा गये थे। देर शाम लौटने के क्रम में

पटना के मरीन ड्राइव के पास तेजस्वी यादव के काफिले में एक कार अचानक आ घुसी। कार सवार ने इससे पहले तेजस्वी यादव की गाड़ी को ओवरटेक किया और फिर उनके काफिले में वह कार घुस गई। ऐसा होते ही कुछ देर के लिए सुरक्षाकर्मियों के बीच हड़कंप मच गया। आननफानन में सुरक्षाकर्मियों ने कार सवार को पकड़ लिया। फिर वहां स्थानीय थाना सुल्तानगंज थाने को इसकी जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और आर-ोपी कार चालक को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि वह मोकामा का रहने वाला है। फिर्लहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

इस घटना में थानाध्यक्ष ने बताया कि हिरासत में लिया गया शख्स शराब के नशे में था। नशा में होने के कारण उसे पता नहीं चल पाया कि तेजस्वी यादव का काफिला गुजर रहा है। इस बात की जानकरी मिलते ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया। उसकी जांच की गई तो वह नशा में पाया गया। फिर उसपर नशा करने के आरोप में कार्रवाई करते हुए एक्साईज के हवाले कर दिया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com